ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 14 • विक्रम संवत 2080 • गुरुवार, 18 मई 2023 • वर्ष-24 • अंक- 104 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

सारा अली खान का कान फिल्म ... पेज 12 पर

24 को बाबा नगरी से होगी राष्ट्रपति के झारखंड दौरे की शुरूआत

सुरक्षा तैयारियों में जुटा पुलिस मुख्यालय

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने तीन दिवसीय दौरे पर 24 मई को को झारखंड आने वाली है, राष्ट्रपति के तीन दिवसीय दौरे की शुरूआत बाबा नगरी देवघर से होगी। 24 मई को देवघर स्थित बाबा बैजनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के साथ ही राष्ट्रपति के झारखंड दौरे की शुरूआत हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रपति के झारखंड दौरे को देखते हुए पुलिस मुख्यालय सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था को संभालने के लिए 15 से ज्यादा आईपीएस साथ लगभग 4000 जवान तैनात रहेंगे।

बाबा मंदिर परिसर पुलिस छावनी में तब्दील रहेगा

मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 24 मई को दिल्ली से इंडियन एयर फोर्स के विशेष विमान से सीधे झारखंड के देवघर पहुचेंगी। 24 मई की सुबह में राष्ट्रपति देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना करेंगी। राष्ट्रपति के देवघर आगमन को लेकर भी सुरक्षा की विशेष तैयारियां की गई है। 23-24 मई तक बाबा मंदिर परिसर पुलिस छावनी में तब्दील रहेगा। राष्ट्रपति के देवघर आगमन को लेकर पूर्व में ही एनएसजी की टीम मंदिर परिसर की सुरक्षा का जायजा ले चुकी है। राष्ट्रपति के आगमन वाले दिन देवघर जिला पुलिस के साथ-साथ स्पेशल फोर्सेज को भी तैनात किया जाएगा। 24 मई को ही राष्ट्रपति रांची पहुंच जाएंगी। जहां पर कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और रात्रि में राजभवन में विश्राम करेंगे। 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रांची के अलावा खूंटी के भी कुछ कार्यक्रमों में भाग लेंगी। राष्ट्रपति के खूंटी दौरे को लेकर भी झारखंड पुलिस अपनी सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को पुख्ता करने में जुटी हुई है।

ये है निर्धारित कार्यक्रम

जानकारी के अनुसार 24 मई की सुबह तकरीबन 9 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली से एयरफोर्स के विशेष विमान से देवघर एयरपोर्ट पहुंचेगी। देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर में पूजा करने के बाद भी 24 मई को ही दिन के लगभग 12 बजे के करीब रांची पहुंच जाएंगी। रांची एयरपोर्ट से निकलने के बाद वे बिरसा मुंडा के मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे। उसके बाद वे अल्बर्ट एक्का के मूर्ति पर भी माल्यार्पण करेंगी। माल्यार्पण कार्यक्रम खत्म होने के बाद राष्ट्रपति द्वारा दी मुर्मू सीधे राजभवन के लिए प्रस्थान कर जाएंगे, जहां पर भी रात्रि विश्राम करेंगी। 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड हाईकोर्ट के नए भवन का उद्घाटन करेंगी। हाईकोर्ट के उद्घाटन समारोह से वापस लौटने के बाद राजभवन में भी एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति हिस्सा लेंगी। 25 मई को ही हेलीकॉप्टर के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू खूंटी जाएंगी और वहां मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। 25 मई को ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वापस रांची लौट आएंगी और रात्रि विश्राम राजभवन में करेंगे। 26 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ट्रिपल आईटी कन्वर्सेशन में भाग लेंगी, इस कन्वर्सेशन की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ही है। 26 मई को दिन के लगभग एक बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से दिल्ली वापस लौट जाएंगी।

देवघर, रांची से लेकर खूंटी तक सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता

वही दूसरी तरफ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के झारखंड दौरे के दौरान देवघर से लेकर रांची और रांची से लेकर खूंटी तक बेहद कड़े सुरक्षा इंतजामों को झारखण्ड पुलिस मुख्यालय के द्वारा असली जामा पहनाने का काम जारी है। जानकारी के अनुसार झारखंड पुलिस मुख्यालय की तरफ से 4000 से ज्यादा अतिरिक्त फोर्स देवघर, रांची और खूंटी जिले में पदस्थापित किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये जा रहे हैं। रांची रेंज और दुमका रेज डीआईजी के नेतृत्व में 15 से ज्यादा आईपीएस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालेंगे। जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति के सुरक्षा में सुरक्षा में दो डीआईजी सहित 15 आइपीएस, 24 डीएसपी, 60 इंस्पेक्टर और 250 सबइंस्पेक्टरों को तैनात किया जा रहा है। उनके रूट लाइन पर पुलिसकर्मियों की तैनाती, ट्रैफिक सहित सभी पहलुओं की तैयारीयां अंतिम चरण में है। राष्ट्रपति के गुजरने वाली रूट की हर ऊंची इमारतों से भी पुलिस के जवान निगरानी करेंगे।

संजय आनंद लाटकर, एडीजी अभियान

डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने कनीय अभियंताओं के लिए डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके लिए जेएसएससी की आधिकारिक वेबसाइट http://www.jssc.nic.in पर 24 जून तक ऑनलाइन फॉर्म भरा जा सकता है। अभ्यर्थी 28 जून की मध्यरात्रि तक अपना प्रिंटआउट निकाल सकेंगे। वहीं 26 जून की मध्यरात्रि तक परीक्षा शुल्क भुगतान के साथ ही फोटो और हस्ताक्षर अपलोड कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार, 29 जून से 1 जुलाई तक फिर से लिंक खोला जाएगा, जिसमें अभ्यर्थी अपना नाम, डेट ऑफ बर्थ, ईमेल और मोबाइल नंबर के अलावा कोई भी संशोधन कर सकते हैं। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, केवल मुख्य परीक्षा ली जाएगी। सभी प्रश्न ऑप्शनल होंगे।

फेस डिटेक्शन कैमरा से सरगना अमन गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड और मुम्बई की एटीएस की टीम ने फेस डिटेक्शन कैमरा से श्रीवास्तव गैंग का सरगना अमन श्रीवास्तव को दबोचा है। मुंबई में तकरीबन हर इलाके में फेस डिटेक्शन कैमरा लगा हुआ है। इसका फायदा झारखंड एटीएस की टीम को मिली। झारखंड एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव मुंबई के अलावा, सूरत, पुणे, बंगलोर आदि जगहों से गैंग को ऑपरेट करता था। वह लगातार इन जगहों पर आना-जाना किया करता था। ज्यादातर अमन ट्रेन से ही सफर करता था। इसकी जानकारी मिलने के बाद झारखंड एटीएस ने मुंबई एटीएस की टीम से संपर्क किया। मुंबई एटीएस

को अमन श्रीवास्तव को फोटो उपलब्ध कराया गया। उस फोटो को मुंबई के तकरीबन सभी रेलवे स्टेशन में लगी फेस डिटेक्शन कैमरा के सॉफ्टवेयर में अपलोड किया गया। गैंगस्टर अमन लगातार मुंबई के वासी स्टेशन से ही सूरत समेत अन्य जगहों पर आना-जाना कर रहा था। स्टेशन में लगे फेस डिटेक्शन कैमरा ने उसकी तस्वीर कैच कर ली। जब-जब उसे वासी स्टेशन में प्रवेश किया, तब तब लाल बत्ती जली। इसकी जानकारी मिलने के बाद झारखंड एटीएस की टीम मुंबई पहुंची और दोनों ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर अमन श्रीवास्तव को वासी स्टेशन से उस समय पकड़ा, जब वह कहीं जाने की तैयारी में था।

एक रात गुजारने के बाद बदल देता था ठिकाना

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव रंगदारी मांगने के लिए अपना ठिकाना बदलता रहता था। एक रात से ज्यादा किसी भी स्थान पर वह रहता नहीं था। रात गुजारने के बाद वह अपना ठिकाना बदल लेता था। वह रात गुजारने के बाद अपना ठिकाना बदल लेता था, ताकि पुलिस को उसके बारे में पता नहीं चल पाए। एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार पूछताछ में अमन ने इस बात का भी खुलासा किया है। उसने एटीएस को बताया कि ठिकाना बदलने से पुलिस उस तक पहुंच नहीं पाती थी।

जिस सिम से करता बात फिर उसे नहीं रखता अपने पास

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव शातिर अपराधी है। वह अपना सारा काम पूरी प्लानिंग के साथ ही करता था। बताया जा रहा है कि वह जिस मोबाइल नंबर से जिस स्थान से अपने गुर्गों व अन्य लोगों से बात करता था। फिर उस मोबाइल नंबर को वह बंद कर उसी स्थान पर छोड़ देता था।

एनआईए ने 15 लाख के इनामी नक्सली कृष्णा हांसदा को रिमांड पर लिया

रांची। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 15 लाख के इनामी रीजनल कमेटी सदस्य कृष्णा दा उर्फ कृष्णा हांसदा उर्फ कृष्णा मांझी उर्फ अविनाश दा उर्फ आनंद को रिमांड पर लिया है। गिरिडीह जिले के पीरटांड थाना क्षेत्र के मंडलडीह, लेधवा निवासी से एनआईए 20 मई तक पूछताछ करेगी। पारसनाथ इलाके का आतंक कृष्णा हांसदा को जनवरी में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। ने टेरर फंडिंग के एक मामले में जनवरी 2021 में मनोज कुमार, कृष्णा दा उर्फ कृष्णा हांसदा उर्फ कृष्णा मांझी उर्फ अविनाश दा उर्फ सौरभ दा उर्फ आनंद, सुनील मांझी उर्फ सुनील मुर्मू उर्फ सुनील सोरेन उर्फ चोपा सोरेन और मनोज कुमार चौधरी पर पूरक आरोप पत्र दाखिल किया था।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्कृष्ट विद्यालय की ऐतिहासिक पहल को मिल रही सराहना

कुल सीट की तुलना में अबतक 246 प्रतिशत अधिक आवेदन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झरना कच्छप अपनी बेटी का नामांकन अब राज्य सरकार की ओर से प्रारंभ किए गए उत्कृष्ट विद्यालय में कराना चाहते हैं, ताकि उनकी बच्ची भी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कर सके। इसके लिए उन्होंने टीवीएस उच्च विद्यालय, धुर्वा में छठी कक्षा में नामांकन के लिए आवेदन दिया है। मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए झरना ने कहा गरीब के बच्चों को भी अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा देने की यह पहल सराहनीय है। ऐसे ही हजारों माता -पिता और अभिभावक हैं, जो सरकार द्वारा शुरू किए गए सीबीएसई संबद्धता प्राप्त 80 उत्कृष्ट विद्यालयों नामांकन के लिए अपने बच्चों का आवेदन जमा कर रहें हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड में पहली बार सरकारी स्कूलों का कायाकल्प कर उत्कृष्ट विद्यालय बनाने की मुख्यमंत्री के सार्थक प्रयास के बाद अभिभावकों में अपने बच्चे-बच्चियों के नामांकन को लेकर खासा उत्साह दिख रहा है।

हजारों की संख्या में आ रहे आवेदन

उत्कृष्ट विद्यालयों में नामांकन के लिए 17 मई की शाम 5:30 बजे तक कुल 12146 उपलब्ध सीट की तुलना में अबतक 29863 आवेदन विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्राप्त किया गया है। सबसे अधिक आवेदन देवघर से 3247, पलामू से 2322, लोहरदगा से 2254, गिरिडीह से 1708 एवं रामगढ़ से 1498 आवेदन अबतक प्राप्त हुए हैं।

बढ़ाई गई आवेदन जमा करने की समय सीमा

अभिभावकों की मांग को देखते हुए उत्कृष्ट विद्यालयों में आवेदन जमा करने की समय सीमा 25 मई तक बढ़ाई गई है। चयन परीक्षा का आयोजन 30 मई को होगा। प्रथम मेधा सूची सात जून को जारी होगा एवं 12 जून से मेधा सूची के अनुसार नामांकन प्रारंभ होगा।

झारखंड : गर्मी में बिजली की आंख मिचौली से लोग हलकान

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य में बिजली की आंख मिचौली जारी है। राजधानी रांची का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। इस गर्मी से राहत घर के अंदर ही मिलेगी लेकिन बिजली गायब रही तो घर के अंदर भी पसीना और उमस आपको परेशान करता रहेगा। पिछले दो दिनों से रांची में बिजली कटौती हो रही है। एक तरफ लगातार तापमान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ बिजली की आंख मिचौली राजधानी वासियों को परेशान कर रही है। हटिया ग्रिड-2 के ट्रांसफार्मर नंबर-3 का सीटी ब्लास्ट कर जाने से बिजली आपूर्ति पर असर पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि उसे अब ठीक कर लिया गया है लेकिन मंगलवार को भी दिन

भर बिजली की आंख मिचौली जारी रही। बुधवार को भी राजधानी के कई इलाकों में बिजली सुबह से आ और जा रही है। शहरी इलाके में लोडशेडिंग की वजह से लोगों को ना सिर्फ गर्मी बल्कि पानी की भी समस्या हो रही है। बिजली नहीं आने से मोटर शुरू नहीं हो सका और राजधानी के कई इलाकों में पानी की समस्या रही।

एनोस एक्का के बाद उनकी पत्नी मेनन को भी सुप्रीम कोर्ट से मिली बेल

रांची। मधु कोड़ा कैबिनेट में मंत्री रहे एनोस एक्का की पत्नी मेनन एक्का को सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत दे दी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जीके माहेश्वरी की बेंच में मेनन एक्का की जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। अदालत ने हिरासत अवधि (कस्टडी) को देखते हुए जमानत अर्जी मंजूर कर ली। मेनन एक्का की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे और गौरव अग्रवाल ने बहस की। मनी लॉन्ड्रिंग केस में दोषी मेनन एक्का को झारखंड हाइकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से जमानत के लिए गुहार लगाई थी।

प्रधानमंत्री मोदी आज ओडिशा में रेल परियोजनाओं की रखेंगे आधारशिला

पीएम पुरी और हावड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम आज दोपहर करीब 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ओडिशा में 8000 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। पीएमओ के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री पुरी और हावड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। ट्रेन ओडिशा के खोरधा, कटक, जाजपुर, भद्रक, बालासोर जिलों और पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर, पुरबा मेदिनीपुर जिलों से गुजरेगी। ट्रेन यात्रियों को तेज, आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

नीति आयोग संचालन परिषद की बैठक 27 को

नीति आयोग की संचालन परिषद की 27 मई को होने वाली बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस बैठक में अर्थव्यवस्था, कृषि और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की संचालन परिषद की 27 मई को होने वाली बैठक में अर्थव्यवस्था, कृषि और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद है। संचालन परिषद नीति आयोग का शीर्ष निकाय है। पिछले साल यह बैठक 7 अगस्त को हुई थी। पीएम नीति आयोग के चेयरमैन हैं।

दुमका के कार्यपालक अभियंता को एसीबी ने रांची से किया गिरफ्तार

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दुमका में पदस्थापित कार्यपालक अभियंता को रांची से गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार को अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित बसंत विहार कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। रांची से गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम संजय कुमार को धनबाद ले गयी। बताया गया कि धनबाद के गोविंदपुर और निरसा प्रखंड की पंचायतों में वित्त वर्ष 2011-12, 2012-13 और 2013-14 में लगाये गये नलकूपों की जांच तकनीकी परीक्षक कोषांग से करायी गयी थी। जांच में करीब दो करोड़ से अधिक राशि का गबन का मामला प्रकाश में आया था।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के करीबी के घर सीबीआई का छापा

एजेंसी। नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के कुछ करीबी लोगों के घरों पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को छापेमारी की है। यह छापेमारी जम्मू-कश्मीर में कथित बीमा घोटाले को लेकर की गई है। सूत्रों के मुताबिक सत्यपाल मलिक के मीडिया सलाहकार रहे सुनक बाली के दिल्ली आवास के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर व राजस्थान सहित कुल आठ ठिकानों पर सीबीआई ने छापेमारी की है। इसपर पूर्व राज्यपाल मलिक ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके पूर्व सहयोगी रहे सुनक बाली को सीबीआई परेशान कर रही है। आगे उन्होंने कहा कि जब वे जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे, तब बाली बिना सरकारी वेतन लिए उनके प्रेस सलाकार और सचिव के तौर पर कार्यरत थे। सीबीआई जान बूझकर इस मामले में शिकायत करने वाले लोगों को ही परेशान कर रही है। उल्लेखनीय है कि सत्यपाल मलिक ने बीते दिनों एक साक्षात्कार में आरोप लगाया था कि जब वे जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे तो उनको एक बीमा कंपनी की फाइल पास करने सहित कुछ अन्य मामलों को लेकर रिश्वत की पेशकश की गई थी। मलिक के इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए सीबीआई ने मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू की है। इस संबंध में 28 अप्रैल को सीबीआई ने मलिक से भी पूछताछ की थी।

जागरूकता

देश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में घर-घर संपर्क

भाजपा का जनसंपर्क अभियान 30 मई से

ब्यूरो/नई दिल्ली

केंद्र में 2014 से अपनी सत्ता का लगातार नौ साल पूरे होने पर भाजपा 30 मई से 30 जून तक 'महा जनसंपर्क अभियान' शुरू करने जा रही है। इस दौरान देश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में घर-घर संपर्क, केंद्र की योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचने के कार्यक्रम किए जाएंगे। इसमें पार्टी के 16 लाख कार्यकर्ता शामिल होंगे जो करोड़ों लोगों तक पहुंचेंगे।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री 30 या 31 मई को एक रैली के जरिए भाजपा के इस महा जनसंपर्क अभियान को शुरू कर सकते हैं। पहले यह अभियान 15 मई से 15 जून तक होने वाला था।लेकिन

कर्नाटक चुनाव में बुरी तरह से हार के बाद समूह मुँह लटकाए हताश हो रहे नेताओं, कार्यकताओं में जोश भरने के लिए पंद्रह दिन पहले शुरू किया जा रहा है।इस भयंकर जनसंपर्क अभियान के तहत 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 23 जून को डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि और 25 जून को प्रधानमंत्री की ह्यमन की बात व आपातकाल पर विभिन्न कार्यक्रमों को कराने की योजना बनाई है। इस अभियान के दौरान पार्टी के विभिन्न मोर्चा सम्मेलन किए जाएंगे, जिनमें पार्टी के सांसद भी हिस्सा लेंगे। पीएम ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत 30 मई, 2019 को शपथ लेकर की थी। लोकसभा क्षेत्र स्तर पर जो कार्यक्रम होने वाले हैं, उनमें संपर्क से समर्थन, जनसभा, प्रबुद्ध सम्मेलन, व्यापारी सम्मेलन, विकास तीर्थ इत्यादि शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र स्तर पर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ बातचीत के कार्यक्रम के आलावा मोर्चा सम्मेलन और लाभार्थी सम्मेलन किए जाएंगे।पहले चरण के तहत 25 मई तक महा जनसंपर्क अभियान में शामिल कार्यकर्ता को नियुक्त और उनका प्रशिक्षण पूरा किया जाएगा। दूसरा चरण 29 मई से 20 जून तक होगा। इसमें लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में अभियान के कार्यक्रम किए जाएंगे। तीसरे चरण में 20 जून से 30 जून तक बूथ स्तर के कार्यकर्ता घर-घर संपर्क करेंगे। भयंकर प्रचार अभियान के उद्देश्य- एक- जनता के बीच केंद्र सरकार की नौ साल की उपलब्धियों के बारे में जागरूकता फैलाना। दो- पार्टी के नीचे से ऊपर तक के कैडर को सक्रिय करना। सूत्रों के मुताबिक 23 जून को डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के मौके पीएम नरेंद्र मोदी भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित कर सकते हैं।

एलजी बनाम दिल्ली सरकार, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा

इस तरह के नामांकन एमसीडी को प्रभावी रूप से अस्थिर कर सकते हैं

ब्यूरो/ नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय, दिल्ली के उपराज्यपाल की एक और मनमानी पर रोक लगा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने बुधवार 17 मई को दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) द्वारा दिल्ली सरकार की कैबिनेट की सहायता और सलाह के बिना दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में 10 'एल्डरमैन' की नियुक्ति के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। मामले में एलजी के फैसले के विरूद्ध आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने याचिका लगाई थी।सुनवाई के दौरान मुख्य

सर्वोच्च न्यायालय की इस पीठ ने कहा कि इस तरह के नामांकन एमसीडी को प्रभावी रूप से अस्थिर कर सकते हैं ,क्योंकि ऐसे एल्डरमैन के पास मतदान शक्ति होती है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि उपराज्यपाल को एमसीडी में ह्यएल्डरमैनह्न नामित करने का अधिकार देने का मतलब है कि वह निर्वाचित नगर निकाय को अस्थिर कर सकते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने एमसीडी में 'एल्डरमैन'' को नामित करने के उपराज्यपाल के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रखते हुए यह बात कही।पीठ ने कहा कि क्या एमसीडी में 10 विशिष्ट लोगों का नामांकन केंद्र के लिए इतना चिंता का विषय है? उपराज्यपाल को यह अधिकार देने का मतलब होगा कि वह लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई नगर समितियों को अस्थिर कर सकते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि एल्डरमैन के पास मतदान के अधिकार भी होंगे।

सांसद निशिकांत और देवघर डीसी के बीच का विवाद पहुंचा दिल्ली

आज विशेषाधिकार समिति के सामने पक्ष रखेंगे मंजूनाथ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

देवघर एयरपोर्ट पर नाइट टेकऑफ/लैंडिंग सुविधा नहीं होने के बावजूद शाम 5.30 बजे के बाद चार्टर्ड प्लेन के उड़ान भरने को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और देवघर के डीसी मंजूनाथ भजंत्री के बीच का विवाद दिल्ली पहुंच गया है। सांसद की शिकायत पर कल यानी 18 मई को देवघर डीसी को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने मौखिक जवाब देना है। देवघर डीसी ने ईटीवी भारत को कंफर्म किया है कि वह 18 मई को दिल्ली जाकर अपना जवाब पेश करेंगे। विशेषाधिकार समिति ने उन्हें 15 मई को नोटिस जारी किया था।

क्या है सांसद निशिकांत दुबे का आरोपः यह घटना 31 अगस्त 2022

को घटी थी। गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 5 सितंबर 2022 को लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर देवघर डीसी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला लाया था। उनका कहना था कि देवघर के डीसी उनकी लोकप्रियता बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। उनपर अक्सर झूठे मुकदमे दर्ज करवाते हैं। उन्हें सीएम का संरक्षण प्राप्त है। निशिकांत दुबे ने 31 अगस्त 2022 की घटना का जिक्र किया। उन्होंने स्पीकर को बताया कि वह 31 अगस्त को सांसद मनोज तिवारी और अपने दो पुत्रों के अलावा अन्य के साथ चार्टर्ड प्लेन से दुमका गये थे। वहां एक नाबालिग

देवघर डीसी पर दुर्व्यवहार को लेकर इनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

लड़की को जिंदा जला दिया गया था। उस पीड़ित परिवार से मुलाकात की गई। वहां से वह दिल्ली लौटने के लिए देवघर एयरपोर्ट पहुंचे। देवघर एयरपोर्ट के कर्मियों ने उनका स्वागत किया और नये एयरपोर्ट की व्यवस्था से अवगत कराने का आग्रह किया। इसी बीच देवघर के डीसी आ पहुंचे और मुझसे, मेरे बेटों और अन्य गणमान्य से बदतमीजी करने लगे। जब एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने आपत्ति जतायी तो उनपर भी चिल्लाने लगे। वह कहने लगे कि ये लोग एटीसी में आने के लिए अधिकृत नहीं है। वह यह भी कहने लगे कि सांसद के दबाव डालने पर टेक ऑफ का क्लीयरेंस क्यों दिया गया। इसके बाद उन्होंने हम सभी के खिलाफ एफआईआर भी करवा दिया। लेकिन इसपर एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने कोई आपत्ति नहीं जतायी। इसलिए डीसी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

क्या है देवघर डीसी का जवाबः देवघर के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने इस बात को सीरे से खारिज कर दिया कि वह 31 अगस्त 2022 को एयरपोर्ट गये ही नहीं थे।

हाई कोर्ट ने रांची हिंसा मामले में सरकार को स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को गत वर्ष रांची में 10 जून को हुई हिंसा मामले पर राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही याचिकाकर्ता को भी कहा है कि वह अगर राज्य सरकार के जवाब पर प्रति उत्तर देना चाहते हैं तो भी दे सकते हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि 10 जून हिंसा मामले में कुछ केस को सीआईडी को क्यों सौंपा गया? कोर्ट ने मामले की सुनवाई 21 जून निर्धारित की है। इससे पहले सुनवाई के दौरान राज्य के गृह सचिव, डीजीपी, रांची एसएसपी, डीजी सीआईडी कोर्ट में उपस्थित हुए। अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि मामले में जांच जारी है, जिस पर कोर्ट ने इन सभी अधिकारियों की अगली सुनवाई में उपस्थिति से छूट प्रदान की है।

वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय सम्मेलन 28 मई को

रांची। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की कोर कमिटि की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार 28 मई को रांची में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, छोटे व्यापारियों, दुकानदारों की 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, सरकारी अधिकारियों, भू-माफियाओं की मिलीभगत से जमीन की लूट, 6 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले महाधरना की तैयारी को लेकर आहूत की गई है। इसलिए सम्मेलन की तैयारी और सफलता के लिए एक-एक दिन महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में कार्यकर्ताओं की भागीदारी, व्यवस्था और प्रखंडों में बैठक कर प्रचार-प्रसार के लिए निम्नलिखित लोगों को प्रभारी नियुक्त किया गया है, जिसमें हीरानाथ साहु (कार्यकारी अध्यक्ष), अश्विनी कुमार साहु (वरीय उपाध्यक्ष), परशुराम प्रसाद (केंद्रीय उपाध्यक्ष, अधिवक्ता), इंदुभूषण गुप्ता (उप-प्रधान महासचिव), कपिल प्रसाद साहु (केंद्रीय महासचिव), हरिनाथ साहु (केंद्रीय महासचिव), गुड्डू साहा (केंद्रीय सचिव), रोहित कुमार साहु (जिलाध्यक्ष, रांची) रेणू देवी (अध्यक्ष, महिला मोर्चा) एवं हलधर साहु (अध्यक्ष, युवा मोर्चा) शामिल हैं। इसके अलावा द. छोटानागपुर प्रमंडल के सभी जिलों में निवास करने वाले केंद्रीय पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष, संयोजक एवं प्रकोष्ठ संगठन पदाधिकारी इस सम्मेलन को सफल बनाने सहयोग किया।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत और एक घायल

सिल्ली। सिल्ली थाना अंतर्गत लोवादाग के समीप सिल्ली बंता मुख्य मार्ग पर हीरो होंडा स्प्लेंडर गाड़ी रजिस्ट्रेशन संख्या जेएच 01 ईए 8761 से दो युवक सिल्ली से मोबाइल बना कर अपने घर झाबरी गांव लौट रहे थे। लौटने के क्रम में दोनों युवक अपने बाइक से असंतुलित होकर गिर पड़े जिसमें झाबरी निवासी सुभाष मुखियार के पुत्र गोरांग मुखियार उम्र 18 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका चचेरा भाई संदीप मुखियार उम्र 17 वर्ष की मौत अस्पताल ले जाने के क्रम मे हो गई। ग्रामीणों ने दुर्घटना की सूचना सिल्ली पुलिस को दी। सिल्ली थाना के अवर निरीक्षक अनूप टोपनो अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घायल को उठाकर सिल्ली सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया तथा मृतक का शव को अपने कब्जे में ले कर सिल्ली थाना लाया गया। शव को गुरुवार के दिन पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा जाएगा।

30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

सिल्ली। श्री धर्मस्थल मंजूनाथेश्वरा शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है । यह प्रशिक्षण 19 मई से शुरू होने जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बेरोजगार महिलाएं एवं युवतियां भाग ले सकती है। जिनकी उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णता निशुल्क और आवासीय होगी। यह सूचना रूडसेट संस्थान के वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार के द्वारा दिया गया।

बजरंग दल का शौर्य प्रशिक्षण वर्ग 24 मई से पश्चिमी सिंहभूम में

रांची। बजरंग दल का शौर्य प्रशिक्षण वर्ग 24 मई से 31 मई तक पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) के चक्रधरपुर में आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण वर्ग में हिंदू युवाओं में शौर्य, साहस, स्वाभिमान, निष्ठा और राष्ट्र संस्कृति के प्रति समर्पण भाव को जागृत किया जाएगा। बजरंग दल के प्रांत संयोजक दीपक ठाकुर ने बुधवार को बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में 100 रुपया शुल्क रखा गया है। प्रशिक्षण वर्ग में प्रत्येक प्रखंड से दायित्व वान कार्यकर्ता को शामिल होने को कहा गया है। प्रशिक्षण वर्ग में 15 वर्ष से 35 वर्ष के युवा हिस्सा लेंगे।

बीआईटी मेसरा पॉलिटेक्निक के 151 विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

नवीन मेल संवाददाता। रांची

यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक, बीआईटी मेसरा में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में अब तक इस सत्र में 151 जॉब ऑफर छात्र-छात्राओं को मिला है। संस्थान में बहुराष्ट्रीय कंपनी लार्सन एंड टूब्रो, विप्रो, व्हील इंडिया लिमिटेड चेन्नई, आनंद ग्रुप ऑफ कंपनीज व आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को व अन्य कैंपस ड्राइव के लिए पहुंचीं। इन कंपनियों में विद्यार्थियों को बेहतर पैकेज पर जॉब ऑफर मिले हैं। लार्सन एंड टूब्रो की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में शुभम कुमार, आदित्य शर्मा व रंजीत कुमार महतो का अंतिम रूप से चयन हुआ। वहीं, विप्रो की ओर से आयोजित ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 5 छात्र-

छात्राओं का चयन हुआ। बजाज ऑटो की ओर से आयोजित ऑनलाइन प्लेसमेंट ड्राइव में 11 विद्यार्थियों का चयन हुआ। चयनित छात्र-छात्राएं कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग प्रोडक्शन, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ब्रांच के हैं। संस्थान के निदेशक डॉ विनय शर्मा ने सभी छात्र छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयोजक डॉ सतीश कुमार ने बताया की इस सत्र में कुल 132 जॉब ऑफर पहले ही छात्र-छात्राओं मिल चुके हैं।

छात्राओं मिल चुके हैं। कई छात्र-छात्राओं को एक से ज्यादा जॉब ऑफर मिले। पायल कुमारी और अंकित कुमार गिरि का चयन तीन कंपनियों-व्हील इंडिया लिमिटेड, आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिंडालको व विप्रो में हुआ है। डॉ सतीश कुमार ने कहा कि अभी कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव जारी है। अब तक 90 प्रतिशत से ज्यादा छात्र-छात्राओं का चयन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में हो चुका है।

रातू गोविंद नगर में हुई हत्या मामले में पत्नी से पूछताछ कर रही पुलिस

रातू। थाना क्षेत्र के गोविंद नगर में विगत मंगलवार को अनिरुद्ध उर्फ राजकुमार शाही की हुई हत्या के खुलासे के करीब पुलिस पहुंच चुकी है। हत्या मामले में पुलिस ने शक के आधार पर पत्नी सोनी देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मंगलवार का मृतक अनिरुद्ध का शव घर के अंदर फर्श पर मिला था। पत्नी ने पुलिस को बताया था कि वह मंगलवार की सुबह रांची गयी थी। दिन के ढाई बजे जब वह व उसका 8 वर्ष का पुत्र घर वापस आये तो फर्श पर पति को खून से लतपथ पाया था । किसी ने धारदार हथियार से वार कर पति को हत्या कर दी थी। मामले को लेकर मृतक अनिरुध्द के भाई त्रिसूल शाही ने रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आस पड़ोस से पूछताछ में पुलिस को पता चला था कि मृतक अनिरुध्द से पत्नी सोनी देवी का अनबन चल रहा था। कुछ दिन पहले पति से झगड़ा होने के बाद पत्नी ने संपति अपने पुत्र के नाम में करा लिया था।

विधायक ने जल जीवन मिशन योजना के तहत जल मीनार का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

विधायक शिल्पी नेहा तिर्की व सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय ने बुधवार को बेड़ो प्रखंड के जरिया पंचायत व करांजी पंचायत सचिवालय भवन के समीप जल जीवन मिशन अंतर्गत जलापूर्ति योजना निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान विधायक ग्रामीणों से मिलीं और पंचायत भवन के सभागार में बैठक किया। उन्होंने जल जीवन मिशन योजना के लाभ के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि किस तरह डीप बोरिंग करके पम्प के माध्यम से कैसे शुद्ध पेय जल घर घर तक पहुँचाया जायेगा ? जिसे पानी की

समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। साथ ही झारखंड सरकार द्वारा चलायी जा रही अन्य नये योजनाओं के बारे मे भी विस्तृत जानकारी दिया। मौके पर बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार, जिपस पूर्वी बेरोनिका उरांव, जिपस पश्चिमी पार्वती कुमारी, सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार रॉय, प्रमुख विनीता कच्छप, उप प्रमुख मोदस्सीर हक,मुखिया कुंवारी कुमारी खलखो, फ्रांसिस्का मिंज, प्रखंड अध्यक्ष प्रो करमा उरांव, जगरनाथ भगत, विशेश्वर उरांव, राजीव रंजन अधिकारी, मनकु कुजूर, सुलेमान तिर्की, मार्टिन तिर्की, सरोज लकड़ा व जल सहिया एवं ग्रामीण आदि मौजूद थे।

बेड़ो में ग्रामीणों ने किया चबुतरा निर्माण कार्य का शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड के नेहालू मण्डा टांड़ में बुधवार को चबुतरा निर्माण कार्य का गांव के पहान तथा ग्रामीणों ने विधिवत शुभारम्भ किया। चबुतरा नहीं होने के कारण शिवभक्तों तथा ग्रामीणों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पडता था। इस चबुतरा के बनने की से सभी ग्रामीण काफी खुश हैं। इस संदर्भ में मुखिया विरेंद्र भगत ने बताया कि ग्रामीणों के मांग पर इसका निर्माण मुखिया फंड से करीब डेढ़ लाख की लागत से किया जाएगा। वहीं मौके पर मुखिया विरेन्द्र भगत, पहान सोमरा प्रधान,प्रदुमन प्रधान, बिजला महली,भौरा उरांव, अंगद प्रधान, करमबीर प्रधान, विकास प्रधान, आकाश प्रधान, रंजीत प्रधान, नारायण स्वांसी, राजेन्द्र स्वांसी, जगदीश प्रधान, जगन्नाथ साहू, यमुना साहु, किस्को साहू, घाटी प्रधान, बीरबल प्रधान, बिनोद प्रधान, करमनाथ स्वामी, दीपक प्रधान, बिल्कुल प्रधान, रंजीत प्रधान शिवशंकर प्रधान,पवन साहू, सबिता देवी, बसन्ती देवी, शान्ति देवी, रौशनी देवी, चन्द्रा देवी, चरिया देवी, हीरा देवी, गौरी देवी, सनिचरिया देवी, अंगनी देवी, कामना देवी, मुनी देवी, सौहबईत देवी, धिराज देवी, तेतरी देवी, राधिका देवी, दुखनी देवी, सुरजमुनी देवी, कुवारी मुनी देवी व सुनिता देवी समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

50 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ भव्य रूप से संपन्न

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वधान में हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 50 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ भव्य रुप से संपन्न हुआ। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने महाबली बजरंगबली की दिव्य पावन अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित करके केसरिया पेड़ा चना गुड़ फल का प्रसाद अर्पित किया। नारनौली ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचकओं का चंदन वंदन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ साज बाज के धुन के बीच श्री गणेश वंदना व श्री

हनुमान चालीसा का पाठ करके श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ प्रारंभ किया। भक्तों ने भक्ति भाव के साथ पाठ किया। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री श्याम मंदिर बजरंग बली सालासर वाले की जय जयकारों से गूंज रहा था। भक्तजन भावविभोर होकर हनुमान जी की ज्योति में आहुति देकर अपने परिवार के लिए सुख-समृद्धि की प्रार्थना कर रहे थे।

श्री सुंदरकांड पाठ के बाद पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। महाआरती की गई व भक्तजनों को प्रसाद वितरण किया गया। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा निवेदित कर श्री हनुमान जी के दरबार में मत्था टेका। ज्ञातव्य है कि प्रत्येक मंगलवार को श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ व प्रत्येक शनिवार को श्री श्याम भंडारा का आयोजन निरंतर किया जा रहा है।

कार्यक्रम शोध पत्र लेखन और शिक्षा अधिकार पर चर्चा की गयी

बौद्धिक संपदा शिक्षा कार्य को देता है बढ़ावा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) के शिक्षा विभाग के कार्यक्रम और विस्तार सेल की ओर से आयोजित अभ्यास में अनुसंधान (अंतःविषय) कार्यक्रम में बुधवार को शोध पत्र लेखन के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई। पहले सत्र में प्रो तपन कुमार बसंतिया ने अनुसंधान के लिए संस्थागत केंद्र व अन्य विषय पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि एक शोध पत्र को प्रकाशित करने के लिए भेजने से पहले किन-किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए। बताया कि शोध पत्र के उद्देश्य, विषय और उप-विषय, लेखक के दिशानिर्देश और जमा करने के दिशानिर्देश, इंडेक्सिंग एजेंसियां, ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम, डीओआई नंबर, नैतिक मंजूरी आदि पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रकाशक किसी भी सामग्री के प्रकाशन से पहले मौलिकता, संशोधन, शिक्षण नोट, कॉपीराइट, साहित्यिक चोरी,

शीर्षक, मुख्य विषय और परिभाषा, चित्र, एपीए उद्धरण, लेटेक्स, अंग्रेजी, कॉपी संपादन और प्रूफ संपादन, अनुवाद आदि बातों पर ध्यान देता है। दूसरे सत्र में डॉ सुशील कुमार मित्रा (पेटेंट और डिजाइन के पूर्व उप नियंत्रक, पेटेंट कार्यालय, कोलकाता) ने बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और अनुसंधान में पेटेंट, विषय पर व्याख्यान दिया। कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थान में नवाचार और रचनात्मक कार्य को बढ़ावा देने में भी मदद करता है। पेटेंट और बौद्धिक संपदा अधिकार में अंतर होता है। तीसरे सत्र में डॉ दुखबंधु साहू (एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, डीएसएचएच, भुवनेश्वर) ने शोध वैज्ञानिक/अनुसंधान पत्रों और उनके प्रकाशनों की पांडुलिपि तैयार करना विषय पर गहन व विस्तृत चर्चा की। चौथे व अंतिम सत्र में प्रो अखिलेश कुमार पांडेय (कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश) ने 21वीं सदी में अभ्यास में अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य विषय पर व्याख्यान दिया। सभी सत्र का संचालन राशि मलखेडकर ने किया।

ट्रांसफार्मर लूटने पहुंचे अपराधी को ग्रामीणों ने किया पुलिस के हवाले

गिरिडीह। जिले के सीसीएल के वाटर पीट (चानक) पर मंगलवार देर रात अपराधियों ने गार्डों को बंधक बनाकर ट्रांसफार्मर के केबल और क्वाइल लूटने की कोशिश की । हालांकि ग्रामीणों की सजगता और और सीसीएल सुरक्षा विभाग की तत्परता के कारण अपराधी लूट में न सिर्फ असफल रहे बल्कि एक अपराधी को ग्रामीणों ने धर दबोचा। पकड़े गए अपराधी की ग्रामीणों ने पिटाई की। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि देर रात एक दर्जन की संख्या में अपराधियों ने धावा बोला। यहां पर ड्यूटी में तैनात गृह रक्षा वाहिनी के गार्ड गणेश मंडल समेत दो को बंधक बना लिया। इसके बाद अपराधियों ने बिजली काटकर जिस दो खंभे पर ट्रांसफार्मर लदा था उसमें से एक खम्भे को तोड़ दिया, जिसके बाद ट्रांसफार्मर जमीन पर आ गिरा और उसका सारा तेल बह गया। अभी अपराधी ट्रांसफार्मर को तोड़ कर उसका क्वाइल निकालने ही वाले थे कि ग्रामीणों को घटना की भनक लग गई और दर्जनों की संख्या में लोगों ने घेराबंदी शुरू कर दी।

संत माईकल (+2) स्कूल मूरी में अंग्रेजी कविता पाठ के विजेताओं को सम्मानित किया गया

नवीन मेल संवाददाता। मुरी

संत माईकल (+2) स्कूल मुरी में 13 मई को अंग्रेजी कविता पाठ का आयोजन किया गया था। जिसमें कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा यु.के.जी तक के विधाथीयों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में बच्चो ने अपनी वर्ग शिक्षिका के निरीक्षण में, सुंदर-सुंदर कविताए प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में विजेता रहे छात्रो को आज 17 मई को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक श्री राकेश कुमार ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थीयों में वाचन शैली एवं भाषा की स्पष्टता का विकास करना है। मौके पर स्कूल के प्राचार्य श्री सी. एल प्रजापति ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चो में बौद्धिक क्षमता का विकास तथा आत्मविश्वास की भावना का विकास होता है। मौके पर स्कूल के सभी शिक्षकगण सीमा कुमारी, शोभा शर्मा, दिपीका कुमारी, रीना साहु, सयुक्ता सिंह देव, श्वेता सिंह, प्रशांत गोराई,श्वेता रिजिस भेंगरा तथा स्कूल के कर्मचारी समेत सभी बच्चे मौजूद रहे।

पंचायतों के सर्वांगीण विकास के लिए नौ थीम पर दिया गया प्रशिक्षण

♦प्रखंड कार्यालय नामकुम में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम

♦राज्य में नामकुम से सर्वप्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पंचायतों के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज विभाग नौ थीम पर काम कर रहा है। इसी थीम पर योजनाओं का चयन कर कार्य करने के लिए नामकुम प्रखंड कार्यालय में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायती राज निदेशक निशा उरांव ने बताया कि नौ थीम में गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका गांव, स्वस्थ गांव, बाल हितैशी गांव, जल पर्याप्त गांव, स्वच्छ और हरित गांव, गांव में आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा, सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, सुशासन वाला गांव तथा महिला और बाल हितैशी गांव शामिल हैं। इसी थीम पर योजनाओं का चयन कर उस पर जमीनी स्तर पर कार्य किया जाएगा। इसके मद्देनजर इससे जुड़े लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निशा उरांव ने कहा कि इस प्रशिक्षण के उपरान्त प्रशिक्षु अपने पंचायत/गांव को विकसित करने हेतु योजनाओं का चयन कर सकते हैं एवं गांव के लोगों को प्रशिक्षण देकर विकास में भागीदार बना सकते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में नामकुम से सर्वप्रथम प्रशिक्षण की शुरूआत की गई है। नामकुम प्रखंड को प्रशिक्षण हेतु चयन करने के बारे में उन्होंने बताया कि नामकुम प्रखंड की स्थिति सबसे बेहतर है तथा यह रांची जिले से सबसे नजदीक का प्रखंड है। मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी बीरेंद्र चौबे ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए दिशा निर्देश दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, रांची दिनेश कुमार यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल, प्रमुख आशा कच्छप तथा उप प्रमुख वीणा देवी सहित राज्यस्तर के प्रशिक्षक तथा सभी 24 जिलों के डीपीएम, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, जेएसएलपीएस, कृषि विभाग, कल्याण विभाग, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन के प्रतिनिधि समेत सहायक अभियंता/ कनीय अभियंता/ सभी मुखिया/पंचायत सचिव तथा संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून में कर सकते हैं झारखंड का दौरा

वंदे भारत ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जून महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड दौरे पर आएंगे। इसको लेकर के झारखंड में तैयारी शुरू हो गई है। अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून महीने में झारखंड दौरे पर आ सकते हैं। हालांकि अभी पीएम मोदी के आने की तारीख पर अंतिम मुहर नहीं लगी है।दरअसल रांची से पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत रांची से होनी है। इसे लेकर के रेलवे अपनी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने की कवायद में जुटा है। वंदे भारत ट्रेन के परिचालन का शुभारंभ प्रधानमंत्री के द्वारा किया जाना है। झारखंड के भाजपा नेता और रेल मंत्रालय दोनों तैयारी में जुटे हुए हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस की चल रही तैयारी को लेकर के रांची सांसद संजय सेठ और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली में बैठक हुई थी। जिसके बाद यह बात तय की गई थी कि पटना से हटिया के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत जून महीने में की जा सकती है। इसकी सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। ट्रेन के परिचालन को लेकर के पटना से हटिया का जो समय रखा गया है वह सुबह 6:55 बजे का है और हटिया से पटना जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शाम में 5:00 बजे जाएगी। वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड आ सकते हैं। इसके लिए प्रस्ताव का पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। रेलवे के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को मांगा गया है। अब प्रधानमंत्री कार्यालय से यह तय किया जाएगा कि जून महीने में कौन सी तारीख प्रधानमंत्री की मिल पाती है। उसके बाद यह तय किया जाएगा कि किस तारीख को वंदे भारत का शुभारंभ होगा, लेकिन कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि जिस तरीके से तैयारी चल रही है, जून महीने में बिहार और झारखंड के लोगों से पटना रांची की यात्रा के लिए वंदे भारत की सौगात मिल जाएगी।

वी फाउंडेशन का 'गुरुशाला समर कैंप' 30 जून तक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

वी की सीएसआर शाखा वी फाउंडेशन ने स्कूली बच्चों के लिए ऑनलाइन 'गुरुशाला समर कैंप 2023' का आयोजन किया है। इसमें हिस्सा लेने के लिए भारत भर के बच्चों को आमंत्रित किया है। यह कैंप 30 जून 2023 तक कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों के लिए सप्ताह के तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच चलाया जा रहा है। भारत में कही से भी छात्र गुरुशाला समर कैंप में निःशुल्क भाग ले सकते हैं और विशेषज्ञों द्वारा आयोजित मजेदार और इंटरैक्टिव सत्रों का लाभ उठा सकते हैं। कैंप के सत्रों में 'डू इट योरसेल्फ' , 'थिएटर' सत्रों के माध्यम से छात्र चुनौतीपूर्ण सामाजिक परिदृश्यों और कमजोर भावनाओं को व्यक्त करने के लिए रचनात्मक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाली तकनीक सीख सकते हैं। 'फिटनेस विद फन' सत्र में नृत्य, जुंबा और योग जैसी गतिविधियां शामिल हैं। 'सेल्फ-डिफेन्स' में गुरुशाला के छात्रों को स्वयं की रक्षा की तकनीक सिखाई जाएगी, जबकि 'हेल्थ एंड हाइजीन' में आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल पर बच्चों में जागरूकता पैदा की जाएगी। कैंप के आखिर में सभी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, असाधारण प्रतिभा दिखाने वाले छात्रों को आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाएगा।

राज्यस्तरीय खरीफ-सह-मिलेट्स कर्मशाला 2023 का हुआ आयोजन

पदाधिकारी किसानों का भरोसा हासिल करें

मंत्री ने कहा कि राशि का आवंटन और खर्च कर देना ही हमारा काम नहीं है, बल्कि किसानों की समस्याओं को करीब से देखने की जरूरत है।

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य के कृषि मंत्री श्री बादल ने पदाधिकारियों से कहा कि किसानों के प्रति उनमें एक कमिटमेंट होना चाहिए। उनकी हर समस्या, आपकी समस्या प्रतीत हो और उस समस्या के समाधान के लिए आप संबंधित विभाग से समन्वय बनाकर काम करें। अगर आप ऐसा करते हैं, तो किसानों में आपके प्रति भरोसा बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राशि का आवंटन और खर्च कर देना ही हमारा काम नहीं है, बल्कि किसानों की समस्याओं को करीब से देखने की जरूरत है। कृषि मंत्री बादल हेसाग स्थित पशुपालन भवन के सभागार में इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर 2023 के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय खरीफ सह मिलेट्स कर्मशाला 2023 में राज्य के सभी जिला कृषि पदाधिकारी और जिला सहकारिता पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। श्री बादल ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को ऐसे जिलों से सीखने की जरूरत है, जिस जिले में उत्कृष्ट तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है। कहा, हम राज्य के किसानों को अनुदानित दर पर बीज उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन हम किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में क्यों पीछे हैं, इसपर काम करने की जरूरत है। कृषि मंत्री श्री बादल ने कहा कि राज्य की जीडीपी में 14 प्रतिशत कृषि की भागीदारी है, जिसे हम 20 प्रतिशत तक ले जाना चाहते हैं। इसमें बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान हमारे सहयोगी हैं, लेकिन हम इस बात का आकलन अभी तक नहीं कर सके हैं कि गैर सिंचित भूमि के लिए हमे क्या काम करने की जरूरत है। चेकडैम, खदानों के पानी से सिंचाई की जा सकती है। श्री बादल ने कहा कि किसानों के कल्याण के उद्देश्य से हमने चैंबर ऑफ फार्मर्स की परिकल्पना की थी, जिसमें अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर नए लोगों को बैठना था और अधिकारियों को उसमें सदस्य बनाने की बात थी, लेकिन उसमें अब तक परिकल्पना के आधार पर सकारात्मक परिणाम नहीं मिले हैं।

जेएन कॉलेज में शुरू हुआ प्रज्ञा केंद्र

रांची। जेएन कॉलेज, धुर्वा में बुधवार को कॉमन सर्विस सेंटर (प्रज्ञा केंद्र) की शुरूआत हुई। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज में कॉमन सर्विस सेंटर खुलने से दूरदराज से आनेवाले विद्यार्थियों को काफी मदद मिलेगी। साथ ही, उन्होंने प्राचार्य अबरार अहमद को कॉलेज का नैक मूल्यांकन कराने के लिए तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया। कुलपति ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी टीम जेएन कॉलेज में 20 मई को नैक की तैयारी के मद्देनजर आएगी। प्राचार्य डॉ अबरार अहमद में नैक की तैयारी को सुचारू ढंग से करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कॉलेज के बेहतर नैक मूल्यांकन के लिए सभी तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं। मौके पर डॉ एचके चौरसिया, डॉ एसएन उरांव, डॉ हिमावती बिन्हा, डॉ हर्षमति सिंकू, डॉ केपी सिंह, डॉ जगदीश लोहरा, डॉ विद्यानंद चौधरी सहित शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए झारखंड टीम राउरकेला रवाना

नवीन मेल संवाददाता। रांची

18 से 28 मई 2023 तक बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राउरकेला ,उड़ीसा में आयोजित 13वी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2023में भाग लेने के लिए 18 सदस्यीय झारखंड टीम आज राउरकेला रवाना हुई।इससे पूर्व हॉकी झारखंड के कार्यालय में हॉकी झारखड़ की और सभी खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया से मिले अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हॉकी स्टिक ,गेंद और टीम में सामिल दोनो गोलकीपर को गोलकीपर कीट तथा खेल विभाग झारखंड सरकार के द्वारा मिले सभी खिलाड़ियों को जर्सी और ट्रैक शूट दिया गया।झारखंड टीम असीम एक्का,अमन तिग्गा,डेबिट बारला,फागुवा होरो, कुलदीप बारला, पतरस हस्सा,रोहित तिर्की,,घुरन लोहरा,रोहित प्रधान, बीकरम सोरेंग,राणा सिंह मुंडा, जेम्स नाग,अंकित एक्का, निकोलस टोपनो, जोलेंन टोपनो, साबियान किड़ो, नवीन इंदवार, राकेश बड़ा, कोच मनीष कुमार है। उपर्युक्त सभी खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह,सीईओ रजनीश कुमार ने खेल कीट वितरण किया और जीत की शुभकामनाएं दी। झारखंड सरकार खेल विभाग की निदेशक श्री मति सरोजनी लकड़ा और सभी पदाधिकारियों ने भी झारखंड टीम को शुभकामनाएं दी।

'हो' विषय का रिजल्ट 31 जुलाई से पहले जारी करने को कोर्ट ने दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददातपा। रांची

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस डॉ एसएन पाठक की कोर्ट में बुधवार को स्थानीय विषय 'हो' के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति में साक्षात्कार लिए जाने के एक साल बीतने के बाद भी जेपीएससी द्वारा रिजल्ट जारी नहीं किए जाने को सरस्वती गगराई एवं अन्य की रिट याचिका की सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले में जेपीएससी को 31 जुलाई से पहले रिजल्ट जारी करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मामले को निष्पादित कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शुभाशीष रसिक सोरेन ने पैरवी की। दरअसल, हो विषय के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति प्रक्रिया वर्ष 2018 में शुरू हुई थी। कुछ कारणों से वर्ष, 2019 में इस प्रक्रिया में रुकावट आई थी। बाद में वर्ष 2022 में फिर से प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसमें 28 मार्च, 2022 को करीब 20 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया था लेकिन रिजल्ट जारी नहीं होने से याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। असिस्टेंट प्रोफेसर में हो विषय के लिए करीब सात पदों के लिए विज्ञापन जेपीएससी ने निकाला था।

होपवेल हॉस्पिटल में पहली बार पेनक्रियाज कैंसर का हुआ सफल सर्जरी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी के कर्बला चौक स्थित अत्याधुनिक सुविधा युक्त होपवेल हॉस्पिटल में पेनक्रियाज कैंसर से पीड़ित दो मरीजों की सफल सर्जरी की गई। इस संबंध में होपवेल हॉस्पिटल के व्यवस्थापक व प्रख्यात जीआई एवं एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. शाहबाज आलम ने पत्रकारों को बताया कि खूंटी निवासी 60 वर्षीय महिला रिजवाना खातून और चान्हो निवासी लगभग 55 वर्षीय महिला नजमा खातून के पेनक्रियाज में बने ट्यूमर की सफल सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि लीवर ट्रांसप्लांट के बाद इस प्रकार का पेट का यह सबसे जटिल ऑपरेशन है। इसे व्हिपल(द्ध्रस्त्र'ी')सर्जरी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि खूंटी निवासी मरीज रिजवाना खातून पेट में दर्द की शिकायत लेकर आई थी। अपच, उल्टी और भूख न लगना आदि की समस्या से पीड़ित थीं। उनके परिजनों ने यहां संपर्क किया। तत्पश्चात डॉ. शाहबाज आलम ने एंडोस्कोपी, सीटी स्कैन सहित अन्य सभी आवश्यक जांच करने के बाद यह कंफर्म किया कि मरीज को पेनक्रियाज में ट्यूमर है, कैंसर का भी संदेह है। इसके लिए मरीज के परिजनों की सहमति से सर्जरी की तैयारी की गई। पेनक्रियाज में कैंसर प्रथम स्टेज में था। इसलिए चिकित्सक ने परिजनों को बताया कि ऑपरेशन कर देने से ठीक हो जाएगा। इसके बाद लगभग 6 घंटे का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के लिए डॉक्टर शाहबाज आलम की अगुवाई में चिकित्सकों की विशेष टीम एवं एनेस्थेटिस्ट डॉ.राजीव को साथ लेकर मरीज की सर्जरी की गई। डॉ. आलम ने बताया कि इस प्रकार की सर्जरी काफी चुनौतीपूर्ण था। इसमें मोर्टिलिटी रेट भी अधिक होती है। बची हुई पैंक्रियास को आंत से जोड़ना, लीवर की नली को भी आंत से जोड़ना, यह विशेषज्ञ जीआई सर्जन ही कर सकते हैं।

चेतावनी — बिना हेलमेट पकड़े गए तो अभिभावकों से की जायेगी शिकायत

स्कूली बच्चों पर भी अब सख्ती करने की हो रही तैयारी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बिना हेलमेट और ट्रिपल राइड करने वाले युवाओं और स्कूली बच्चों के खिलाफ अब सख्ती की जाएगी। शहर में नियमित अभियान चलेगा। बिना हेलमेट और ट्रिपल राइड करते पकड़े गए स्कूली बच्चों के अभिभावकों को इसकी तत्काल जानकारी दी जाएगी। अभिभावकों के यह बताया जाएगा कि उनके बच्चे किस स्थान पर हैं और बिना हेलमेट ट्रिपल राइड करते पकड़े गए हैं। अभिभावकों को भी बच्चों को ट्रिपल राइड नहीं करने देने और बिना हेलमेट दो पहिया वाहन नहीं देने को कहा जाएगा। यह अभियान शहर के बाहरी इलाकों और रिंग रोड पर भी चलाया जाएगा। जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण कुमार प्रकाश ने इसकी पहल की है और पिछले दिनों जांच के दौरान बिना हेलमेट ट्रिपल राइड के पकड़े गए स्कूली बच्चों के अभिभावकों को इसकी जानकारी भी दी। इसके बाद अभिभावकों ने जानकारी देने के लिए आभार जताया और बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने का भरोसा भी दिया। हाल के दिनों में कई स्कूली बच्चों को बाइक पर स्कूल यूनिफॉर्म में भी वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा गया था। उनके पास लाइसेंस भी नहीं था। हालांकि छात्रों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया था। जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण प्रकाश के अनुसार सड़क हादसों की बढ़ती संख्या और इसमें युवाओं की मौत अधिक होने के कारण प्रशासन सख्ती दिखा रहा है। पिछले दिनों नामकुम में अभिभावकों को छात्रों की करतूत की जानकारी दी गई थी और उन्हें भी बिना लाइसेंस, हेलमेट के वाहन नहीं देने को कहा गया था। अब इस इसे नियमित किया जाएगा। स्कूलों के आसपास भी नियमित जांच की जाएगी।

पिछले साल सड़क हादसों में 57 फीसदी युवाओं की मौत

रांची में लापरवाही से वाहन चलाने से दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 में रांची में 634 वाहन दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 412 यानी 65 फीसदी मौत हो गई। जान गंवाने वालों में 18 से 30 वर्ष के 235 युवा थे, जबकि झारखंड में 2022 में 5007 दुर्घटनाएं हुई, इनमें 3703 लोगों की मौत हो गई। इनमें 18-35 वर्ष के 41 लोग हैं। इन आंकड़ों को परिवहन कार्यालय भी गंभीर मान रहा है और अब लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने की तैयारी कर रहा है। अगर सख्ती नहीं होगी तो बच्चे और भी लापरवाह हो जायेंगे।

पत्थर खदान में हादसा, मजदूर की मौत

रांची। धनवार थाना क्षेत्र के परोडीह गांव में बुधवार को पत्थर खदान में पोकलेन मशीन में आग लगने एवं पोकलेन में दबने से सिकंदर पंडित (30) की मौत हो गई। मृतक सिकंदर पंडित कोडरमा के पूणार्डीह का रहने वाला था। इस हादसे में पोकलेन पूरी तरह से जल गई । सिकंदर पारोडीह के पत्थर खदान में काम करता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद धनवार थाना पुलिस भी घटनास्थल पहुंच कर जांच में जुट गई है। जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पहुंच कर पत्थर खदान का हाल देखा। जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन भी पारोडीह पत्थर खदान पहुंचे। घटना के बाद खदान के लीज धारक और मुंशी खदान से फरार हो गये। खदान वेध है या अवैध यह स्पष्ट नहीं है। पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है। बताया जाता है कि सिकंदर पंडित पत्थर खदान में करीब 300 सौ फीट अंदर पोकलेन में चढ़ कर चट्टान काटने का काम कर रहा था।

आरयू: शिक्षकेतर कर्मियों को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय की ओर से आर्ट ऑफ गिविंग के सहयोग से बुधवार को शहीद स्मृति सभागार में शिक्षेकतर कर्मियों के लिए सम्मान समारोह आयाजित किया गया। अध्यक्षता कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने की। इसमें रांची विश्वविद्यालय के उन शिक्षकेतर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने ईमानदारी से अपनी सेवा का सर्वश्रेष्ठ दिया है। इनमें अंजू देवी, मोहम्मद फारुख, सुशीला देवी, एतवा मुंडा, प्रभा हेमरोम और राजेश कुमार शामिल थे। कार्यक्रम का आयोजन आर्ट ऑफ गिविंग के अध्यक्ष प्रो अनिल ठाकुर ने किया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य मौजूद थे। रांची विश्वविद्यालय की डीन मानविकी प्रो अर्चना दुबे ने संस्कृत श्लोकों के माध्यम से सेवा धर्म का महत्व बताया। रजिस्ट्रार डॉ मुकुंद चंद्र मेहता ने सभी कर्मचारियों के सेवाभाव को सराहा। कार्यक्रम में डॉ हरि उरांव, डॉ स्मृति सिंह समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद थे।

NEWS इन ब्रीफ

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

रातू। रातू-ठाकुरगांव मार्ग स्थित टाटर ऑटो सर्विस पेट्रोल पंप के पास 12 मई की शाम 7 बजे हुई सड़क हादसे में घायल पल्सर बाइक सवार युवक सुनील उरांव की इलाज के दौरान मौत हो गयी। सुनील की बाइक के धक्के से आइसक्रीम विक्रेता हुरहुरी निवासी मो सलीम की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी थी। वहीं मलमाडू निवासी 32 वर्षीय सुनील उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया था। गंभीर रूप से घायल सुनील का इलाज झखराटांड़ स्थित कमलेश मेमोरियल ट्रस्ट हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में चल रहा था। बुधवार को हालत बिगड़ने पर चिकित्सकों ने उसे रिम्स रेफर कर दिया। परिजन उसका इलाज कराने रिंची अस्पताल ले जा रहे थे। परंतु रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

गिरिडीह। गिरिडीह- कोडरमा सवारी ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बुधवार की सुबह पटरी पर शव देखा और फिर इसकी सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस को दिया। पुलिस घटनास्थल पहुंच कर जांच में जुट गई। मृतक की पहचान गिरिडीह कॉलेज रोड निवासी नंदू राय के रूप में हुई है। नंदू राय कॉलेज के बाहर झोपड़ी बनाकर रहता था। वह मंगलवार शाम से ही घर से गायब था। देर रात तक घर नहीं लौटा। दूसरे दिन सुबह उसका शव रेलवे ट्रैक पर मिला।

11 वर्ष से 14 वर्ष आयु के खिलाड़ियों का हो रहा है चयन

रांची। पर्यटन, कला संस्कृति, खेल कूद एवम युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत राज्य में संचालित आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्रों एथलेटिक्स फुटबॉल, हॉकी, तीरंदाजी (बालक एवम बालिका)तथा वॉलीबाल (बालिका), बैडमिंटन (बालक) प्रशिक्षण केंद्र के लिए तीसरे दिन दुमका, पश्चिमी सिंहभूम, गुमला जिला में एन एस टी सी नॉर्म्स के अनुरूप 11 वर्ष से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभावान छात्र - छात्राओं का बैट्री टेस्ट ऊंचाई, वजन, वर्टिकल जंप,30 मी. दौड़, 6 गुणा 10 मीटर दौड़, बाल थ्रो समेत अन्य तरह के टेस्ट के आधार पर चयन किया गया। जहां बच्चों ने बढ़ चढ़ कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयन प्रतियोगिता जिलों में 21 मई तक चलेगा। अंतिम रुप से चयनित अभ्यर्थियों को विभाग द्वारा निः शुल्क आवासन, भोजन, खेल कोट, खेल उपकरण के साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

रांची सीआईपी में बनेगा न्यूरोसर्जरी सुविधायुक्त

बनेगा 500 बेड का भवन और ओपीडी : बासुदेब दास

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (सीआईपी) ने बुधवार को 106वां स्थापना दिवस मनाया। मौके पर सीआईपी के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) बासुदेब दास ने सीआईपी की विरासत और हासिल की गई उपलब्धियों और भविष्य में हासिल किए जाने वाले लक्ष्यों के बारे में बताया। उन्होंने 500 बिस्तरों वाले न्यूरोसर्जरी सुविधाओं वाले एक नए ओपीडी भवन की भी घोषणा की। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) प्रोफेसर (डॉ.) दीपक श्रीवास्तव ने मानसिक और सामाजिक कल्याण के लिए प्रबंधन और एक समग्र दृष्टिकोण पर चर्चा की। मुख्य अतिथि डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने वैश्वीकरण के कारण छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य में बदलते रुझान पर जोर दिया और छात्रों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों और इन चुनौतियों से निपटने के महत्व पर चर्चा की। मंच

पर उपस्थित सीआईपी के पूर्व निदेशक डॉ. डी राम, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अविनाश शर्मा, डॉ. दीपांजन, सीआईपी के पूर्व छात्र अध्यक्ष और सवर्णबाला सोरन, मैट्रन, सीआईपी शामिल थे, जिन्होंने सीआईपी बुलेटिन और पूर्व छात्र न्यूजलेटर जारी किया। सीआईपी के छात्रों और स्टाफ सदस्यों को विभिन्न पुरस्कार दिए गए। प्रोफेसर (डॉ.) बासुदेव दास और डॉ. डी राम ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को सम्मानित किया। इसके अलावा जी20 नेतृत्व के माध्यम से वैश्वीकरण और मानसिक स्वास्थ्य मार्चिंग विषय पर एक सीएमई का आयोजन किया गया था। इसमें डॉ. संजय के मुंडा ने 'वैश्वीकरण के युग में सीमांत समुदायों के मानसिक स्वास्थ्य' विषय, जिसमें हाशिए पर पड़े लोगों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की गई। डॉ निखिल नायर ने एलजीबीटीक्यू और मानसिक स्वास्थ्य पर वैश्विक से स्थानीय स्तर पर बातचीत की। अगला विषय डॉ. मालविका पारिख ने लिया, जिन्होंने 'मां-बच्चे के मानसिक कल्याण में वैश्विक रुझान: क्या भारत तैयार है? जहां उन्होंने आधुनिक भारत में मातृत्व के विभिन्न बदलते परिदृश्यों पर जोर दिया। फ्रॉम कोर्टेक्स टू क्लिनिक' विषय लिया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. बी दास और डॉ. निशांत गोयल ने की।

रिटायर्ड फौजी दिवाकर हत्याकांड में 12 दोषी करार, फैसला 20 मई को

देवघर। एडीजे (दो) संजीव भाटिया की कोर्ट में रिटायर्ड फौजी दिवाकर झा हत्याकांड की सुनवाई पूरी हो गई है। अभियोजन एवं बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने इस कांड के 12 आरोपितों को हत्या का दोषी करार दिया गया। इस मामले में कोर्ट दोषियों को 20 मई को सजा सुनाएगी। दरअसल, 25 जुलाई, 2014 को जसीडीह थाना अंतर्गत शंकरी गांव में रिटायर्ड फौजी दिवाकर झा की लाठी-डंडे और राड से मारकर हत्या कर दी थी। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार दिवाकर झा अपनी कार से बन रहे घर को देखने गये थे। सरकार ने शंकरी मौजा में उन्हें जमीन मिली थी, जिस पर वे अपना घर बनवा रहे थे। वहीं आरोपितों ने घेर कर मारा एवं घर में आग भी लगा दी थी। इस मामले में मृतक दिवाकर झा के ड्राइवर सुनील कुमार यादव ने जसीडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इस मामले की सुनवाई में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभारी लोक अभियोजक शिवाकांत मंडल और सूचक के अधिवक्ता के तौर पर राज कुमार शर्मा ने पक्ष रखा।

चाईबासा के गोइलकेरा में नक्सलियों ने मोबाइल टावर को जलाया

नवीन मेल संवाददाता। पश्चिमी सिंहभूम

जिले के नक्सल प्रभावित गोइलकेरा में नक्सलियों ने टावर उत्क्रमित मध्य विद्यालय में लगा मोबाइल टावर को पेट्रोल डालकर जला दिया। साथ ही पर्चा भी छोड़ा है। बताया जाता है कि गोइलकेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र के नक्सल प्रभावित क्षेत्र पाटुंग गांव में एयरटेल मोबाइल टावर काम चल रहा था। यहां मंगलवार देर शाम हथियारबंद नक्सली पहुंचे और पेट्रोल डालकर टावर के मशीनों में आग लगा दिया और पोस्टर छोड़कर चले गए। इस घटना में टावर का उपकरण पूरी तरह जल गया है। बताया जाता है कि मोबाइल टावर का काम पूरा कर लिया गया था और इसे जल्द ही चालू किया जाना था। पश्चिमी सिंहभूम जिले के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बुधवार को बताया कि मोबाइल टावर को क्षतिग्रस्त करने की सूचना मिली है। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि नक्सलियों ने मोबाइल टावर को आग के हवाले कर उसे पूरी तरह से तहत-नहस कर दिया है।

घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने नगद व जेवर सहित घरेलू समान उड़ा ले गए

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो बिजली पावर सबस्टेशन के क्वाटर में बुधवार की रात में चोरों ने घर का ताला तोड़कर लगभग 45 हजार नगद, सोना चांदी के ज्वेलर्स व घरेलू उपयोग के समान को चोरी कर ली। घटना के संदर्भ में दैनिक बिजली कर्मी असलम मियां ने बताया कि परिवार के साथ 13 मई की सुबह सात बजे घर में ताला बंद कर शादी समारोह में शामिल होने रिस्तेदार के यहां अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ चले गये थे। वहीं बुधवार की सुबह करो 9.30 बजे पढ़ोसी ने फोन पर बताया कि घर के दरवाजा का ताला टुटा हुआ है। शाम में जब घर वापस आया तो अंदर जाकर देखा तो कमरा का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉक भी टूटा हुआ था सामानों को चेक किया तो पता लगा कि

चोर घर में 45 हजार नगद रुपये, सोने व चांदी की ज्वेलर्स एलएडी टीवी, कुलर, नये कपड़े व घरेलु उपयोग के समान चुरा कर ले गए। संभवतः चोरों ने घात लगाकर के बंद घर को अपना निशाना बनाया। इधर बेड़ो थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर मुआयना किया। वहीं पुलिस चोरी की घटना को लेकर छानबिन कर रही है। उन्होंने बताया बहुत जल्द चोर पुलिस गिरफ्त में होंगे।

कंपोजिट शराब दुकान में 15 लाख रुपये की हेराफेरी का मामला

खूंटी। जिला मुख्यालय के कर्रा रोड स्थित एक कंपोजिट शराब दुकान में लाखों रुपये की हेराफेरी का मामला प्रकाश में आया है। रुपये की हेराफेरी की पुष्टि करते हुए उत्पाद निरीक्षक विकास कुमार निराला ने बुधवार को बताया कि कर्रा रोड स्थित उक्त दुकान के संचालक द्वारा 29 अप्रैल को दुकान से 10 लाख 79 हजार 420 रुपये की शराब बिक्री से संबंधित रिपोर्ट जारी की गई। दुकान से एक दिन में अप्रत्याशित रूप से इतनी बिक्री को देखकर उन्हें कुछ शंका हुई, क्योंकि उक्त दुकान की औसत बिक्री लगभग 50 हजार की है। 30 अप्रैल को उत्पाद निरीक्षक उक्त दुकान पर पहुंचे और बिक्री और जमा की गई राशि का मिलान किया गया, तो पाया गया कि बिक्री के 79 हजार 420 रुपये रुपए ही बैंक में जमा किये गये थे।

रेल व शहरी विकास मंत्री से अर्जुन मुंडा ने की खूंटी के विकास की चर्चा

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

खूंटी के सांसद और जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को रेलवे, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस व शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों से अर्जुन मुंडा अपने संसदीय क्षेत्र खूंटी से संबंधित समस्याओं और विकास के बारे में चर्चा की। उन्होंने रेल मंत्री से सरायकेला खरसावां स्थित सीनी में रेल चक्का निर्माण के लिए पहल करने, नामकुम- कांड्रा रेल लाइन का काम शीघ्र शुरू करने, हटिया-बंडामुंडा रेल खंड में कंहरव -तांती-पर्वोटोनिया-ओगां स्टेशन के बीच रेल लाइन दोहरीकरण का कार्य, सीनी और मुंडाटांड रेलवे गेट के बीच सड़क निर्माण सहित कई ट्रेनों के ठहराव के बारे में चर्चा की। हरदीप पुरी से अर्जुन मुंडा ने उनके कार्यालय में मुलाकात कर क्षेत्र की कई समस्याओं और विकास के बारे में चर्चा की।

विधायक ने किया बिरसा हरित ग्राम योजना का प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

दुमका। सदर प्रखंड के मुर्गाबनी गांव में बिरसा हरित ग्राम योजना का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक बसंत सोरेन ने किया। कार्यक्रम में सदर प्रखंड के 25 पंचायत सभी मुखिया और कई लाभुक उपस्थित थे। मुर्गाबनी ग्राम में कुल 28 लाभुकों के 28 एकड़ भूमि पर एक मनरेगा पार्क विकसित किया जा रहा है। इसमें बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम बागवानी लगाया गया है। इसमें 8 सिंचाई कूप, 3 डोभा, 2 तालाब, 4 वर्मी कम्पोस्ट, 2 पशुशेड बनाया गया है। इसके अतिरिक्त अंतः फसल के रूप में लाभुक द्वारा खेती भी किया जा रहा है। इसमें मुर्गी पालन भी किया जाना है।

इरफान अंसारी के समर्थन में हिंदू महासभा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कर्नाटक चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस काफी उत्साहित है। पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। इस खुशी में जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी ने तो अपने विधानसभा क्षेत्र में बजरगबली का भव्य मंदिर बनाने की बात कह डाली। उनके इस बात का अखिल भारत हिंदू महासभा ने स्वागत किया है। दरअसल विधायक इरफान अंसारी कर्नाटक जीत के बाद कहा था कि वह जामताड़ा में भव्य हनुमान मंदिर बनाएंगे और जल्द ही इस को लेकर के ऐलान भी करेंगे। इरफान अंसारी के मंदिर बनवाने के बयान पर अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा है कि इरफान अंसारी का मंदिर बनवाने का बयान स्वागत योग्य है और हम उनके इस बयान का हार्दिक स्वागत करते हैं और उन्हें अपना साधुवाद देते हैं स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि मंदिर बनवाना एक पुण्य काम है और यह कोई भी अगर समाज में करता है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। मंदिर का निर्माण किसी जाति, धर्म या व्यक्ति से जुड़ा हुआ नहीं है। यह सामाजिक सरोकारों का विषय है और इरफान अंसारी ने मंदिर बनवाने की जो बात कही है वह स्वागत योग्य कदम है। अखिल भारत हिंदू महासभा के साथ ही पूरा संत समाज इरफान अंसारी का अभिनंदन और स्वागत करता है और उन्हें अपना साधुवाद देता है कि वह मंदिर का निर्माण करवाएं। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि भगवान किसी एक के नहीं होते हैं भगवान सबके हैं और सभी भगवान के हैं। यही समाज में एकरूपता का भाव है और यही समाज को एक भाव में पिरोए रहता है। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि इरफान अंसारी मंदिर बनवाएं इसके लिए पूरा साधु समाज, हिंदू महासभा उन्हें हार्दिक बधाई देता है शुभकामनाएं देता है।

हाई कोर्ट ने रांची हिंसा मामले में सरकार को स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को गत वर्ष रांची में 10 जून को हुई हिंसा मामले पर राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही याचिकाकर्ता को भी कहा है कि वह अगर राज्य सरकार के जवाब पर प्रति उत्तर देना चाहते हैं तो भी दे सकते हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि 10 जून हिंसा मामले में कुछ केस को सीआईडी को क्यों सौंपा गया? कोर्ट ने मामले की सुनवाई 21 जून निर्धारित की है। इससे पहले सुनवाई के दौरान राज्य के गृह सचिव, डीजीपी, रांची एसएसपी, डीजी सीआईडी कोर्ट में उपस्थित हुए। अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि मामले में जांच जारी है, जिस पर कोर्ट ने इन सभी अधिकारियों को अगली सुनवाई में उपस्थिति से छूट प्रदान की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने पैरवी की। रांची हिंसा मामले में दायर पंकज यादव की जनहित याचिका में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव यास्मीन फारूकी समेत रांची उपायुक्त, एसएसपी, मुख्य सचिव, एनआईए, ईडी को प्रतिवादी बनाया है। अदालत से मामले की एनआईए जांच कराकर झारखंड संपत्ति विनाश और क्षति निवारण विधेयक 2016 के अनुसार आरोपियों के घर को तोड़ने का आदेश देने का आग्रह किया है।

कन्वेंशन की तैयारी | विधानसभा भवन में वाम कन्वेंशन की तैयारी पूरी

राज्य के सभी जिलों से 350 से ज्यादा नेता होंगे शामिल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के पुराने विधानसभा भवन में 19 मई को होने वाले राज्य स्तरीय वाम कन्वेंशन की तैयारी पूरी कर ली गयी है। भाकपा, माकपा, भाकपा (माले), मासस, आरएसपी, फारवर्ड ब्लाक और एसयूसीआइ (सी) सहित वामदलों के इस कन्वेंशन में राज्य के सभी जिलों से 350 से ज्यादा नेता शामिल होंगे। कन्वेंशन पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होकर अपराह्न चार बजे तक चलेगा। बुधवार को कन्वेंशन में प्रस्तुत किए जाने वाले संयुक्त आधार पत्र, राजनीतिक प्रस्ताव और आंदोलनों के भावी कार्यक्रम पर चर्चा कर उसे अंतिम स्वरूप दिए जाने के लिए वामदलों की एक संयुक्त बैठक भाकपा कार्यालय में राजेंद्र यादव की अध्यक्षता में की गई।बैठक के बाद माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, भाकपा माले के महेंद्र पाठक, भाकपा माले के जनार्दन प्रसाद ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि भाजपा एक ओर देश की राष्ट्रीय संपदा लूट रही है। दूसरी तरफ भारत का संविधान, देश के फेडरल ढांचे एवं जनतंत्र सहित आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। साथ ही सुनियोजित तरीके से सांप्रदायिक धुव्रीकरण की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए आम नागरिकों के बीच नफरत और घृणा का माहौल फैलाया जा रहा है। बैठक में अजय सिंह, प्रमोद कुमार पांडे, बीएन ओहदार, शुभेंदु सेन, भुनेश्वर केवट, वीरेंद्र कुमार, सुशांत मुखर्जी सहित अन्य मौजूद थे।

हाई कोर्ट ने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामले में गृह मंत्रालय से मांगा जवाब

रांची। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बुधवार को संथालपरगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण जनसंख्या पर प्रभाव को लेकर डेनियल दानिश की जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले में हाई कोर्ट ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय से चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी। कोर्ट ने गृह मंत्रालय से पूछा है कि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए कैसे प्रवेश कर रहे हैं? केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने पैरवी की। याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं। इससे इन जिलों में जनसंख्या पर कुप्रभाव पड़ रहा है। इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय ट्राइबल के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, रांची डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक

मोबाइल नंबर रजिस्टर करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, रांची राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में रांची जिला के वनों में अग्नि की रोकथाम एवं प्रबंधन हेतु स्टेट एक्शन प्लान ऑन फॉरेस्ट फायर से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अध्यक्ष, जिला परिषद रांची, वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची, उप विकास आयुक्त, रांची, अपर समाहर्ता -सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी आपदा प्रबंधन प्राधिकार रांची, अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर / बुण्डू रांची, असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रांची एवं जिला नजारत उप समाहर्ता, रांची, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, रांची, वन प्रमण्डल, रांची, जिला अग्निशमन पदाधिकारी, रांची एवं प्रभारी जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, रांची उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त सह-अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार,

रांची राहुल कुमार सिन्हा द्वारा सभी पदाधिकारियों को बताया गया कि स्टेट मॉनिटरिंग द्वारा रांची जिला के वनों में अग्नि की रोकथाम, प्रबंधन से संबंधित दिशा निर्देश प्राप्त हैं। बैठक में समीक्षा उपरांत सर्वसम्मति से निम्न निर्णय लिये गये। 1.वन अग्नि से संबंधित पोर्टल पर पंचायत स्तर के पदाधिकारी, जैसे- मुखिया, पंचायत समिति सदस्य आंगनबाड़ी सेविका, स्कूल के शिक्षक का मोबाईल नं० पंजीकृत कराने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में वन प्रमण्डल पदाधिकारी, रांची वन प्रमण्डल, रांची / जिला अग्निशमन पदाधिकारी, रांची / जिला शिक्षा अधीक्षक, रांची / सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को अनुपालन का निदेश दिया गया। पोर्टल पर मोबाईल नं० रजिस्टर करने पर वन अग्नि से संबंधित प्राप्त होने लगता है, जिसमें आग लगे स्थान पर आक्षांश/ देशांतर/ प्राप्त हो जाता है। इस आक्षांश / देशांतर के माध्यम से आग लगे स्थल पर पहुँचा जा सकता है। मोबाईल नंबर रजिस्टर करने के बाद सैटेलाइट के माध्यम से वन अग्नि संबंधित अलर्ट प्राप्त होने लगता है। 2. झारखण्ड राज्य आजीविका संवर्धन समाज द्वारा महुआ संग्रहण पर ग्रामीणों के बीच जागरूकता फैलाने एवं प्रशिक्षण दिये जाने का निर्णय लिया गया, ताकि ग्रामीण वनों में बिना आग लगाये महुआ का संग्रह कर सके। साथ ही महुआ से निर्मित अलग-अलग खाद्य सामग्रियों पर भी प्रशिक्षण दिये जाने या निर्णय लिया गया। महुआ से निर्मित शराब ग्रामीणों के लिए नुकशानदायक है। इसके लिए गाँवों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी ग्रामीणों को जागरूक किये जाने की बात कही गयी।

सुख रहे है हल्कान, लूट में मची है घमासान, विभाग मौन

- सप्ताह दिन में खराब हो जाते है हैंडपंप, नही है कोई कोष : मुखिया
- प्रति नलकूप 4100 रुपए तक खर्च करने का है प्रावधान : पंचायत सचिव
- पीएचईडी बना रहा है खराब नलकूप, अब तक विभागीय कोष नही : बीडीओ

जयदीप। बरही

गर्मी परवान पर है, हल्कान सुख रहे है। दिन प्रतिदिन जलस्रोत या तो सुख रहे है या खराब होते जा रहे है। परंतु विभागीय स्तर से इस दिशा में अब तक कोई सटीक कार्य नही हो रहे है। ग्रामीणों की शिकायत पर जनप्रतिनिधि किसी प्रकार नलकूप रिपेयरिंग तो करवाते है परंतु सप्ताह से दस दिनो में वह जवाब दे देता है। यह स्थिति कमोबेश प्रखंड के सभी पंचायतों से सुनने को मिले है। जनप्रतिनिधि या कर्मचारी कोष की अनुपलब्धता का ठीकरा पीट भले ही निरीह जनता को समझा दे रहे है। परंतु सच्चाई कुछ और बयां कर रही है। मुखिया, पंचायत सचिव और बीडीओ के विरोधाभास बयान ने दुविधा में डाल रखा है। प्रखंड के बरही पश्चिमी जिसमे कुल 11 वार्ड है। मुखिया मो शमशेर आलम ने बताया कि उनके पंचायत में तकरीबन 75 हैंडपंप है। जिसमे कई खराब है या खराब होने के कगार पर है। उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि उनके पंचायत में पेयजल की स्थिति दयनीय है। कोई कोष उपलब्ध नहीं है बाबजूद वह किसी प्रकार प्राथमिकता के आधार पर खराब नलकूप बनवा रहे है। उन्होंने यह भी बताया कि लोग हैंडपंप का सही उपयोग नही करते है। रिपेयर करवाए गए चापाकल सप्ताह दिन के अंदर ही खराब हो जाते है। पीएचईडी को भी खबर किया गया परंतु अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। वही पंचायत सचिव रामवृक्ष सिंह ने बताया कि खराब चापाकल के मरम्मत हेतु सूची बनाए जा चुके है। सूची को ऑनलाइन करने के लिए ऑपरेटर साइट का इंतजार कर रहा है, जिसे विभाग अब तक चालू ही नही किया है। उन्होंने यह भी बताया कि बरही पश्चिमी पंचायत में अब तक 30-35 चापाकल मरम्मत करवाये जा चुके है। उन्होंने यह भी जानकारी दिया कि प्रत्येक चापाकल के लिए अधिकतम 4100 रुपए खर्च किए जाने का प्रावधान है। वही स्थानीय लोगो की माने तो इतनी बड़ी धन राशि खर्च होने के बाबजूद भी सप्ताह दिन में चापाकल खराब कैसे हो जाते है? पूरे पंचायत में अब तक चार से पांच चापाकल ही रिपेयरिंग हुए है। जनता पानी के लिए परेशान है, यहां तो लूट की घमासान मची है। ग्रामीणों ने अधिकारियो से स्थानी समाधान की मांग किया है। वार्ड 3 के सभी हैंडपंप हो गए है वर्ल्ड तीन की सदस्या सिंकी देवी ने बताया कि उनकी पंचायत में लगभग 500 मतदाता है। जिसमे 5 हैंडपंप है, परंतु वर्तमान में सभी खराब है। जनता पानी के लिए का ही मांग कर रही है। मुखिया को इसकी शिकायत की गई है परंतु अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है। वार्ड 3 छोटा शिव मंदिर और बरही चौक के पास लगा हैंडपंप खराब होने से सबसे अधिक परेशानी हो रही है। मंदिर के पास हैंडपंप खराब होने से आस पास के लोगो के साथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी पानी की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या बरही चौक की है जहां राहगीरों के साथ आने वाले यात्री पानी के लिए दुकानदारों की दया दृष्टि पर निर्भर रहते है।

क्या कहते है अधिकारी

पेयजल की समस्या पर बोलते हुए बीडीओ सी आर इंदीवर ने बताया कि इस संबंध में अब तक विभाग की ओर से कोई सुरक्षित कोष उपलब्ध नहीं करवाया गया है। प्रखंड की ओर से इस दिशा ने सूचना दी गई है। उन्होंने यह बताया कि जिस पंचायत में पहले से कोस उपलब्ध है वह काम करवा रहे हैं। खराब नलकूप के रिपेयर के संबंध में उन्होंने बताया कि जो हैंडपंप खराब है उसकी सूचना पीएचईडी को दी जा रही है। जिसे पीएचईडी के माध्यम से ही रिपेयरिंग करवाए जा रहे है।

विधायक ने किया पुल का शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के कोनहरा खुर्द पंचायत अंतर्गत डुमरियाटांड नदी पर ग्रामीण विकास विभाग, डीएमएफटी फंड से पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक अमित कुमार यादव ने बुधवार को विधिवत किया। मौके पर जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया, प्रमुख रेनू देवी ,कोनहरा खुर्द मुखिया मुन्नी देवी, झुरझुरी मुखिया सुमन कुमार ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर पुल निर्माण की आधारशिला रखी। शिलान्यास के दौरान विधायक ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्र डुमरियाटांड़ में पुल नहीं रहने से लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी। शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक के पहुंचने पर आदिवासी नृत्य व ढोल बाजे के साथ माला पहना कर व बुके देकर लोगों ने उनका स्वागत किया। वही पुल निर्माण होने से ग्रामीणों में काफी हर्ष है। विदित हो कि विधायक अमित कुमार यादव, राम जी बेसरा व मनोज मुर्मू के द्वारा कुछ दिनों पूर्व स्थल का जायजा लिया गया था ।तत्पश्चात पुल का शिलान्यास किया गया ।पुल निर्माण एमएस अष्टभुजी इंटरप्राइजेज द्वारा किया जा रहा है । संवेदक संजय कुमार यादव ने बताया कि पुल निर्माण 96 लाख की लागत से हो रही है और प्रयास रहेगा कि निर्धारित अवधि में काम हो जाय।इस अवसर पर जिप सदस्य प्रतिनिधि सी के पांडेय प्रमुख प्रतिनिधि उमेश चौधरी, भारत जकात मांझी परगना महल के प्रखंड अध्यक्ष राम जी बेसरा ,प्रखंड सचिव मनोज मुर्मू, राजकुमार यादव ,रीतलाल प्रसाद ,रीतलाल मांझी ,टुकलाल नायक, बबलू यादव समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रमुख उपप्रमुख ने किया औचक निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड प्रमुख रेणु देवी एवं उपप्रमुख सुरजी देवी ने पंचायत समिति सदस्यों के साथ बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। मौके पर प्रमुख रेणु देवी ने अस्पताल कर्मियों का उपस्थिति पंजी को चेक किया। इस दौरान महीनों से गायब आउटसोर्सिंग स्टाफ अशोक सिंह का हाजिरी को काटा। उन्होंने चिकित्सा प्रभारी डॉ रत्ना रानी से मिलकर अस्पताल के समस्याओं को समझा। डॉ रत्ना रानी ने बताया कि अस्पताल में अभी मेरे अलावा डॉ अमित भंडारा, आयुष चिकित्सक डॉ जसीम, डॉ फातमा है। जिसके चलते अस्पताल में ओपीडी और इमर्जेंसी चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रमुख रेणु देवी ने सभी अस्पताल कर्मियों से कहा कि आप सभी अपने ड्यूटी को ईमानदारी से निभाएं। मौके पर उमेश कुमार, उतीम महतो, पंसस इसुफ अंसारी, सराज अंसारी, दिनेश प्रसाद, बीपीएम रंजीत सिंह, बड़ा बाबु सोनी रविदास, अस्पताल मैनेजर पंकज कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

कुशहर गांव को मिला ट्रांसफार्मर , लोगों में खुशी

हजारीबाग। जिला परिषद सदस्य प्रेरणा प्रिया एवं जिप प्रतिनिधि सी के पाण्डेय के संयुक्त प्रयास से गोरहर पंचायत के आदिवासी बहुल क्षेत्र कुशहन गांव को 25 केवीए का ट्रांसफार्मर मिला। विदित हो कि कुशहन के ग्रामीण पिछले 10 महीनों से खराब ट्रांसफार्मर के कारण अंधेरे में रहने को विवश थे। साथ ही बिजली आपूर्ति बाधित रहने से अन्य परेशानियां लोगों को हो रही थी।वहीं गोरहर मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल, सहदेव मराण्डी, सुरेश टुडु, किशुन मांझी, रामसहाय माँझी एवं विनोद बेसरा आदि ने जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया को खराब ट्रांसफार्मर बदलवाने को लेकर आवेदन दिया । तत्पश्चात जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया ने उनकी समस्याओं को एक सप्ताह के अंदर समाधान करते हुए 25 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया।

मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच पोशाक कीट का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बरही । डपोक पंचायत के ग्राम गरजामो स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चो के बीच पोशाक कीट वितरित किए गए । वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय जिला परिषद सदस्य सह जिप उपाध्यक्ष व जिप उपाध्यक्ष संघ के प्रदेश अध्यक्ष किशुन यादव शामिल हुए । जानकारी के अनुसार उक्त केंद्र को डीएमएफटी मद योजना से मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाना है । राज्य सरकार के निदेर्शानुसार डीएमएफटी योजना के तहत इस कीट का वितरण किया गया है । जिसके तहत पोशाक कीट के तहत ड्रेस, जूता, पानी की बोतल आदि उपलब्ध करवाए गए । मुख्य अतिथि ने उपस्थित सेविका और सहायिका को बच्चो को सरकार के निदेर्शानुसार भोजन के साथ पढ़ाई भी करवाने का निर्देश दिया । साथ ही अभिभावको से भी बच्चो को नियमित केंद्र भेजने की अपील किया । कार्यक्रम में सेविका साजदा खातून, सहायिका आबदा खातून सहित कई अभिभावक उपस्थित थे । मौके पर दस बच्चो के बीच कीट वितरित किए गए ।

शिक्षकों को जल्द मिलेगी प्रोन्नति : डीएसई

हजारीबाग। झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मोहम्मद जहांगीर अंसारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा अधीक्षक संतोष गुप्ता से मिला। उन्हें शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और शिक्षकों की उन्नति से संबंधित वार्ता की। जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा कि शिक्षकों का प्रमोशन पर काम हो रहा है और यथाशीघ्र शिक्षकों को उनका हक मिलेगा। इस मौके पर मोहम्मद जहांगीर अंसारी ने बत्तख मियां अंसारी की जीवनी पर आधारित एक पुस्तक उन्हें भेंट की, जिन्होंने गांधीजी की जान बचाई थी। इस मौके पर झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के जिलाध्यक्ष शिवशंकर पाठक, ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर अनवर हुसैन और सहजन आलम मौजूद थे।

झारखंड आंदोलकारियों के सम्मान से ही राज्य का सम्मान : पुष्कर महतो

नवीन मेल संवाददाता

बरही । पूर्वी पंचायत भवन में झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने अनुमंडल के झारखण्ड अलग राज्य के आंदोलनकारियों के साथ बैठक किया । जिसमें अनुमंडल क्षेत्र के चयनित वरिष्ठ झारखण्ड आंदोलनकारी नंदकिशोर सिंह, राजेश्वर सिंह, उमाकांत सिन्हा, आमना खातून, राजा राम मांझी, महेश मांझी, राजकुमार रविदास, बद्री सिंह, जावेद इस्लाम व उमाकांत सिन्हा कोडरमा को सम्मानित किया गया। इन्हें रांची के आंदोलनकारी रंजीत उरांव व आनंद तांबा ने सम्मान में आंदोलन का स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्य अतिथि झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष पुष्कर महतो ने कहा कि झारखण्ड राज्य बनाने के पीछे जो मकसद था वह पूरा नही हुआ है। अभी भी झारखंडियों का आर्थिक, सांस्कृतिक व राजनीत शोषण हो रहा है। आंतरिक उपनिवेशवादियों झरखण्डी विभूतियों की उपेक्षा कर के चौक चौराहे पर जगह जगह उनलोगों की प्रतिमा स्थापित कर रहे है जो झारखण्ड आंदोलन के विरोधी रहे है व झारखण्ड के शोषक वर्ग के लोग रहे है। हमे ऐसे लोगो की प्रतिमाओं से चौक चौराहे को मुक्त कराने के लिए एक नया आंदोलन चलाना होगा। मान सम्मान, नियोजन, पेंशन, पहचान लड़ कर हासिल करना होगा।

पुतला दहन का हुआ आयोजन

सम्मान कार्यक्रम के बाद रांची के एमपी संजय सेठ का पुतला दहन किया गया। पुष्कर महतो ने बताया ने बताया रांची बिरसा चौक के पास संजय सेठ ने कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा रातों रात चोरी से लगा दी है जो झारखण्ड विरोधी रहा है ।

हजारीबाग में 20 मई को होगा जदयू का कार्यकर्ता सम्मेलन

हजारीबाग। हजारीबाग के बंगाली दुर्गा स्थान मालवीय मार्ग में बुधवार को जनता दल यूनाइटेड की बैठक जिलाध्यक्ष प्रभु दयाल कुशवाहा की अध्यक्षता में हुई। जिसमे 20 मई को प्रधान कैफेटेरिया में होनेवाले कार्यकर्ता सम्मेलन की सफलता के लिए सभी सदस्यों से राय लेकर तैयारी समिति का गठन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला संयोजक अनिल सिंह और जिला प्रभारी जगदीश महतो ने शिरकत की। प्रवक्ता राकेश ठाकुर ने बताया कि इस सम्मेलन में बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री सह झारखंड प्रभारी अशोक चौधरी के आगमन की बात कही गई। साथ ही झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो भी मौजूद रहेंगे।

माता छिन्नमस्तिके मंदिर में मुंडन संस्कार को ले उमड़ी भीड़

रामगढ़। जिले के रजरप्पा स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ माता छिन्नमस्तिका मंदिर में बुधवार को मुंडन का शुभ मुहूर्त होने के कारण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी । मौके पर सैकड़ों बच्चों का चूल मुंडन संस्कार संपन्न हुआ। मुंडन मुहूर्त को लेकर पहुंचे लोगों ने बकरा व नारियल की बलि देकर मुंडनशाला में अपने बच्चों का मुंडन संस्कार संपन्न करवाया। इस क्रम में बच्चों की किलकारियों से मुंडनशाला गुलजार रहा। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने दामोदर-भैरवी के संगम स्थल में स्नान कर मां भगवती की पूजा करते नजर आए।

हजारीबाग : सोनू ने जीता मिस्टर का खिताब, अंशु ने पहना मिस का ताज

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के राजनीति विज्ञान विभाग में बुधवार को रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन कर सेमेस्टर-2 के विद्यार्थियों की ओर से सेमेस्टर-4 के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। इसमें मिस्टर का खिताब सोनू कुमार ने जीता। वहीं मिसेज का ताज अंशु कुमारी ने पहना। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने कहा कि विभाग की परंपरा को विद्यार्थियों ने आगे बढ़ाकर प्रशंसनीय काम किया है। विद्यार्थी ही विभाग के मेरुदंड हैं। कार्यक्रम को डॉक्टर बीपी सिंह, डॉ मारग्रेट लकड़ा, डॉ रीता कुमारी, डॉ अजय बहादुर सिंह, डॉ प्रमोद कुमार समेत कई प्राध्यापकों ने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। स्मिता, प्रिया, स्वाति और परमेश्वर ने गीत की प्रस्तुति की, जबकि प्रिया, अर्चना और अमित ने विभाग में बिताए गए क्षणों को जीवंत करते हुए उसकी विस्तार से चर्चा की। मनीषा, गीता,सीमा, उर्मिला और नेहा ने समूह नृत्य की प्रस्तुति की। मनीष कुमार और स्वाति ने स्वरचित कविता का पाठ किया. कार्यक्रम में मंच संचालन सेमेस्टर-2 के विद्यार्थी नवीन भारद्वाज ने किया।

केरेडारी : डोभा निर्माण में लगा जेसीबी जब्त

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। केरेडारी प्रखंड की बरियातू पंचायत अंतर्गत डेभोतरी में डोभा निर्माण में लगे जेसीबी को जब्त कर लिया गया है। इस संदर्भ में बीडीओ किस्टो कुमार बेसरा ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान निरीक्षण में स्थल पर जेसीबी से काम होते देखा। फिर थाना प्रभारी एनजी केरकेट्टा से बात कर पुलिस बल को बुलाकर मशीन को स्थानीय थाना को सुपुर्द किया गया। डोभा निर्माण मनरेगा योजना अंतर्गत यशोदा देवी की जमीन पर कराया जा रहा था। इस मामले में जेसीबी के मालिक और लाभुक पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए केरेडारी थाने में आवेदन दिया जा चुका है। इधर ग्रामीणों ने बताया कि लाभुक यशोदा देवी का डोभा बरियातू पंचायत की निवर्तमान मुखिया नीतू कुमारी की सास के नाम से आवंटित है।

मिशन लाइफ के तहत वन विभाग ने चित्रांकन प्रतियोगिता का किया आयोजन

पर्यावरण रक्षा के लिए पौधरोपण जरूरी: डॉ कश्यप

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर के प्रांगण में 17 मई को वन विभाग द्वारा मिशन लाइव जागरूकता अभियान 2023 के तहत चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में विद्यालय छात्र छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और पर्यावरण की रक्षा किस तरह से की जाए इस विषय में सुंदर एवं सम्यक चित्र बनाकर पर्यावरण रक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य किया। प्रतियोगिता में प्रथम नताशा कुमारी, द्वितीय मुस्कान कुमारी, तृतीय खुशी कुमारी के साथ उत्कृष्ट चित्रांकन बनाने वाले 10 छात्र-छात्राओं को वन विभाग द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं, ऋषि कुमार ,गौतम कुमार ,चंचला कुमारी ,प्रिंस कुमार, अंकित कुमार ,अभय कुमार ,आरूषी कुमारी ,मेघा रानी, वर्षा रानी, ईशा कुमारी ,सोनम कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगता के उपरांत वन विभाग के प्रत्युष तिवारी, मांडू प्रखंड के बीपीओ आलिया इस्लाम , विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्रधानाध्यापक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने कहा कि छात्र छात्राओं ने चित्रांकन के द्वारा पर्यावरण रक्षा का संदेश दिया। कहा की हम सभी को टोला, मुहल्ला, गांव सहित अपने आसपास रहनेवाले लोगों को जागरूक कर पर्यावरण रक्षा के महत्व को बताना होगा।

युवक को सांप ने काटा इलाज के दौरान मौत

रामगढ़। कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत कोषमांडू बाबा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर के निकट बबलू बॉडी गैरेज में सो रहे युवक को बीती रात में एक जहरीले सांप ने काट लिया। जिससे युवक की मौत इलाज के दौरान हो गयी। इस संबंध में बताया जाता है की बबलू बॉडी गैरेज के मालिक बबलू शर्मा का छोटा ड्राई डब्लू शर्मा (35 वर्ष) पिता इंद्रदेव मिस्त्री मंगलवार रात में अपने गैरेज में सोया हुआ था। उसी दौरान एक जहरीले सांप ने उसके हाथ एवं पैर में काट लिया। जब युवक को एहसास हुआ तो इसकी जानकारी परिजनों को उसने दी। जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ ले गए।

क्लोरोफिल स्कूल में पांच दिवसीय समर कैंप, बच्चे मचा रहे धमाल

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। कशिक एवं उनकी टीम द्वारा क्लोरोफील स्कूल मे 5 दिवसीय किडजी समर कैंप मे बच्चों ने खूब मस्ती की। इस 5 दिवसीय समर कैंप को लेकर विद्यालय परिसर को विभिन्न थीम से सजाया गया है जहाँ बच्चे धमाल मचाएंगे। और नई नई चीजों को सिखने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने फीता काट कर किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समर कैंप मे खेल खेल मे कई सीखे मिलती है और छिपे प्रतिभा भी सामने आती है। साथ ही छुटियों का सदुपयोग कर पाते है उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व के विकास केलिए जीवन मे कला का काफी महत्त्व है। पढाई के साथ साथ खेलकूद भी जरुरी है। क्लोरोफील के निदेशक अजय अग्रवाल ने कहा कि समर कैंप मे कुछ नया सीखने का मौका मिलता है और अगले पांच दिनों तक बच्चे कई तरह की कला सीखेंगे। कार्यक्रम की संयोजिका कशिक गुप्ता ने बताया कि इस समर कैंप के जरिये 3 से 13 साल के बच्चों को कला संस्कृति के बारे मे बताया जायेगा और उनके आत्म विश्वास के साथ साथ व्यक्तित्व मे भी निपुण किया जायेगा। समर कैंप मे बच्चों को रेन डांस, पोपट काड और क्राफ्ट लिफाफा बनाना बिना गैस के खाना बनाने की विधि वाटर डांस भी करेंगे। समापन के दिन मिनी स्टाल लगाया जायेगा। और बच्चों को इस दिन पुरुस्कृत भी किया जायेगा। मौके पर काजल गुप्ता, ममता बंसल,प्रीति केडिया, ज्योति शेखावत, पूजा बंसल,दीपा गुप्ता,नीतू बंसल, रुचिका नरेड़ी, संजय गुप्ता, सी.ए. चेतना जैन, सुरज प्रताप के अलावा कई अभिभावक गण एवं बच्चें उपस्थित थे।

प्रेरणा शाखा का कैरियर काउसलिंग का आयोजन ग्रिजली बीएड कॉलेज में कल

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। मारवाड़ी युवा मंच की की ईकाई प्रेरणा शाखा एवं ग्रिजली बीएड के तत्वाधान में शुक्रवार को ग्रिजली कॉलेज गुमो में निःशुल्क कैरियर काउसिंल का आयोजन किया जायेगा। शाखा की अध्यक्ष श्रेया केडिया सचिव सारिका लडढा, परियोजना निर्देशक रूबी गुटगुटिया और सरिता अग्रवाल ने बताया कि शिक्षा आज अमूल धरोहर है और शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा शाखा भी समय समय पर कई कार्यक्रम आयोजित कराती हैं वर्तामन समय में युवाओं को रोजगार कैसे मिले ओर किस क्षेत्र में उन्हें बेहतर केरियर मिल सके। इसके लिए अलग- अलग क्षेत्र के जानकारों को इस कैरियर काउसिलंग में बुलाया गया। इस निःशुल्क कैरियर काउसिंल 10 से 12 के बच्चे सुबह 10 बजे तक कॉलेज पहुँचकर इस कार्यक्रम में भाग ले सकते है। इसमें कोडरमा के एसपी कुमार गौरव पुलिस के क्षेत्र में किस तरह प्रवेश किया जाता है। इसके बारे में छात्रों को गुर बतायेगें। वहीं राम रतन अवध्या बेहतर पढाई के क्षेत्र में किस तरह से छात्रों को पढना चाहिए। उस पर व्याख्यान देगें। इसके अलावा बीबीए एलएलबी एलएलएम विजनेश लॉ के बारे में अधिवक्ता कृति अग्रवाल , चार्टर एकाउन्ट के बारे में सीए चेजना जैन चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ शारदा मार्केटिंग के क्षेत्र में सुधाशु कुमार छात्रों में बारे में विस्तृत जानकारी देगें ताकि वे छात्र जिस क्षेत्र में जाना चाहते हैं ।उसके बारे में उन्हें जानकारी मिल सकेगी।

झारखंड पार्टी की ओर से कचहरी समीप जनसमस्याओं को लेकर संकेतिक दिया धरना

समस्या को लेकर झारखंड पार्टी करेगी आंदोलन : एनोस एक्का

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा कचहरी के समीप झारखंड पार्टी की ओर से सिमडेगा जिले में व्याप्त जन समस्याओं को लेकर एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन का आयोजन किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री एनोस एक्का, केंद्रीय प्रधान महासचिव अशोक भगत, झापा युवा जिला अध्यक्ष सन्देश एक्का, केंद्रीय समिति सदस्य बिरसा मांझी सहित सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि सिमडेगा जिला अब लूट का चरागाह बन गया है यहां पर जन समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है यहां पर सिर्फ अधिकारी खानापूर्ति कर रहे हैं जिसके कारण सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं जिसकी आवश्यकता है वह मिल नहीं पा रही। आज क्षेत्र में बिजली पानी सड़क आवाज हाथी की समस्या सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार की समस्या क्षेत्र में बालू नहीं मिलने के कारण लोगों में बड़ी परेशानी

सहित कई ऐसे मामले जो जिले के लोगों से छुपी हुई नहीं है। 15 सालों तक जनता से मैं दूर रहा और जब मैं इस क्षेत्र में जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहा था तो इन समस्याओं को मैंने प्राथमिकता के तौर पर दूर करने का प्रयास किया। आज एक बार फिर से मौका मिला है तो मैं क्षेत्र में फिर से वही समय लौटना चाहता हूं ।और लोगों की समस्याओं दूर करने के लिए झारखंड पार्टी में लगातार पूरे परिवार मिलकर कार्य कर रहे है। आज भले मैं बाद में ना रहूं लेकिन समस्याओं को उसी स्तर पर दूर करने का प्रयास किया जाएगा अगर समस्या समय रहते दूर नहीं होगी झारखंड पार्टी सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करते हुए लोगों को उनकी अधिकार दिलाएगी। अब वक्त आ गया है कि जन आंदोलन करते हुए लोगों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाए। उन सभी लोगों को झारखंड पार्टी के साथ देने की बात कही ताकि बिजली पानी सड़क सहित सभी प्रकार के समस्याओं को दूर किया जा सके। इधर इस मौके पर झारखंड पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष अध्यक्ष सहित कई लोगों ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति द्वारा आरक्षण की मांग को लेकर 25 को मशाल जुलूस

सिमडेगा। सिमडेगा जिला पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष विष्णु साहु के आह्वान पर आगामी 25 मई 2023 की संध्या बानो प्रखंड मुख्यालय एवं केरसई प्रखंड मुख्यालय सहित सिमडेगा जिला मुख्यालय में प्रिंस चौक से नीचे बाजार पेट्रोल पंप तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा एवं महावीर चौक सिमडेगा में जन सभा को संबोधित किया जाएगा साथ ही 25 मई की मध्य रात्रि से 26 मई 2023 की मध्य रात्रि तक सम्पूर्ण सिमडेगा जिला बन्द रहेगा बताया गया कि आवश्यक सेवाओं यथा दूध, अखबार एवं सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं को बन्द से मुक्त रखा जाएगा।राज्य सरकार द्वारा झारखंड के सात जिलों यथा सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, चाईबासा, लातेहार एवं दुमका में सरकारी नौकरी में पिछड़ी जाति के लिए आरक्षण शून्य किए जाने के विरोध में केन्द्रीय पिछड़ी जाति संघर्ष समिति द्वारा उपरोक्त सातों जिलों में आगामी 25 मई 2023 की संध्या मशाल जुलूस निकाला जाएगा एवं 25 मई रात्रि 12बजे से 26 मई 2023 रात्रि 12 बजे तक उपरोक्त सातों जिले में बन्द का आह्वान किया गया है।इस संबंध में आवश्यक रणनीति तैयार करने के लिए रविवार 21 मई 2023 को ढेबरग्राम स्थित तेली छात्रावास में दिन के 11 बजे से सिमडेगा जिला पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति की आवश्यक बैठक होगी जिसमें समिति के सभी पदधारियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

सड़क हादसे में दो युवक घायल

कुरडेग। कुरडेग थाना क्षेत्र अंतर्गत खपराटोली के पास बुधवार की सुबह मोटरसाइकिल सवार युवक ने पुलिया को टक्कर मारते हुए घायल हो गया। उसके साथ बैठे हुए युवक को भी चोट लगी। स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल इलाज के लिए कुरडेग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर घायलों की स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस द्वारा बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा भेज दिया ।इधर सदर अस्पताल में दोनों ही घायलों का इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार छतीसगढ़ सिंगीबहार निवासी बलराम राम किसी काम को लेकर आए थे ।और वापस लौट रहे थे इसी क्रम में मोटरसाइकिल से नियंत्रक होते हुए पूरिया को टक्कर मार दी जिसके बाद बलराम एवं उसके साथ ही दोनों घायल हो गए पुलिस मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

लापरवाही से बस चलाने वाले व्यक्ति को अदालत ने सुनाई 1 वर्ष की सजा

सिमडेगा। सिमडेगा सीजेएम आनंद मणि त्रिपाठी की अदालत ने बुधवार को लापरवाही से बस चलाने वाले इब्राहिम नामक व्यक्ति को 1 वर्ष की सजा सुनाई है ।इस संबंध में सिमडेगा थाना कांड संख्या 146/17 के तहत मामला दर्ज है। इस संबंध में बताया गया कि 26 दिसंबर 2017 को सुबह 11:30 बजे आरानी के पास बस के द्वारा मोटरसाइकिल में सवार व्यक्ति को टक्कर मारी थी जिसमें जोसेफ लुगुन की मौत हुई थी ।जबकि बालासन लुगुन घायल हुए थे। इधर इस मामले में मृतक के परिवार वालों के द्वारा लिखित शिकायत की गई थी जिसके बाद अदालत में सुनवाई हुई सभी प्रकार के साक्ष्य एवं गवाहों की प्रस्तुति के पश्चात सीजेएम की अदालत ने इब्राहिम को 1 वर्ष की सजा सुनाई वही अभियोजन पक्ष में प्रभारी लोक अभियोजक अमित कुमार श्रीवास्तव ने सभी दलीलें पेश की।

पेयजल की समस्याओं एवं अनियमितता को लेकर विधायक ने किया अधिकारियों संग बैठक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने अपने विधानसभा क्षेत्र में पेयजल की समस्याओं एवं अनियमितता को लेकर विभाग के पदाधिकारियों, संवेदकों और क्षेत्र के सभी प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखण्डों के प्रतिनिधियों ने अपने अपने क्षेत्र पेयजल की घोर समस्या से विधायक को अवगत कराया। लोगों ने कहा कि जो केन्द्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजना हर घर नल जल योजना में घोर अनियमितता बरती जा रही है।जिस चापाकल में पानी की कमी है उसमें भी जलमीनार लगा दिया गया है, जहां बोरिंग किया गया परन्तु पानी निकला ही नहीं और जलमीनार लगा दिया गया है, कहीं कहीं पाईप लीकेज हो रहा है। कहीं चापाकल खराब है तो कहीं जलमीनार।इस गर्मी में जनता पानी के लिए बदहाल है। विधायक द्वारा समस्याओं पर जानकारी मांगी थी परन्तु विभाग ने कोई भी जानकारी देना उचित नहीं समझा। इससे साफ जाहिर है कि विभाग के पदाधिकारी बेलगाम हो गया है।और सरकार को बदनाम करने का खेल खेल रहे हैं।जो बर्दाश्त के बाहर है।अनियमितता का ये हाल है कि घटिया स्तर का सामग्री का उपयोग किया जा रहा है उन्होंने कहा हमारी सरकार ने गर्मी आने से पहले अक्टूबर माह में पैसा मुहैय्या कराने का कार्य किया। किन्तु सिमडेगा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का कारनामा देखिए अभी तक काम आधा अधूरा रखे हुआ है। इससे स्पष्ट है कि ये पदाधिकारी सरकार को बदनाम करने केलिए कार्य किया जा रहा है।इसके लिए मुख्यमंत्री झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष सहित विभाग के सचिव को विभागीय अधिकारियों के करनामा की जानकारी देते हुए विभागीय कारवाई की जाएगी।विभाग के अधिकारी संवेदकों से मिलकर लूट खसोट कर रहे हैं यही कारण है कि संवेदक इन अधिकारियों का बात तक नहीं सुनते हैं।और मनमाना कार्य कर रहे हैं। इसलिए जिला प्रशासन भी इस ओर ध्यान दें। इसके अलावा लघु सिंचाई विभाग द्वारा राजाबाशा पंचायत में बन रहे हैं चेक डैम निर्माण को लेकर विधायक ने भी गुणवत्ता पर सवाल उठाए और कार्रवाई करने की बात कही मौके पर विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद समी आलम, रावेल लकड़ा, जमीर अहमद उर्फ प्रिंस, जमीर हसन, श्यामलाल प्रसाद, सुलभ नेल्सन डुंगडुंग, सुनील खड़िया, राकेश कोनगाड़ी, बर्थलोमी तिर्की, अशफाक आलम, मोहम्मद कारू,सुकवन जोजो, बिपिन पंकज मिंज आदि उपस्थित थे।

गांजा तस्कर को सुनाई 15 साल की कठोर सजा, 3 लाख जुर्माना

सिमडेगा। सिमडेगा पीडीजे कमल कुमार मिश्रा की अदालत ने गांजा तस्कर के आरोप में जेल में बंद बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी दीनानाथ महतो को 15 वर्ष की कठोर सजा एवं 3लाख जुर्माना की सजा सुनाई है। जुमार्ना की राशि नहीं भरने पर एक बार अतिरिक्त सजा के निर्देश दिए ।इस संबंध में ठेठईटांगर थाना कांड संख्या 51/19 धारा 414 एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इस संबंध में बताया गया कि 21 अक्टूबर 2019 को सुबह 9:30 बजे वाहन चेकिंग के क्रम में 1 सिल्वर रंग की बोलेरो गाड़ी जिसका नंबर डफ्हे0041 जिसे पकड़ा गया। तत्कालीन बीडीओ के द्वारा गाड़ी की तलाशी लेने पर 42 पैकेट में कुल 81.05 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा अभियुक्त दीनानाथ को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया ।इधर अदालत में सुनवाई करते हुए अभियोजन पक्ष द्वारा कुल 9 गवाह एवं दस्तावेज उपलब्ध कराया गया सभी प्रकार के दलीलों को सुनने के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस सिमडेगा के न्यायालय द्वारा उक्त सजा सुनाई अभियोजन पक्ष में प्रभारी लोक अभियोजक अमित कुमार श्रीवास्तव के द्वारा दलीलें पेश की।

बानो में विदाई समारोह सह स्वागत कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड सभागार बानो में प्रखंड के शिक्षकों के द्वारा बिदाई समारोह आयोजन कर सेवानिवृत प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बानो , विनिगना टोप्पो एवम वर्तमान बीईओ रूथ अनीता जीवन का प्रखंड के शिक्षकों एवम शिक्षिकाओ के द्वारा स्वागत गीत एवम अभियान ताली बजा कर स्वागत किया गया कार्यक्रम में समारोह में दोनो पदाधिकारियो को मनोज कुमार भगत अध्यक्ष , झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ सिमडेगा सह अध्यक्ष शिक्षक समन्वय समिति बानो के द्वारा शॉल ओढ़ाकर एवं बुके देकर स्वागत किया गया। साथ ही विंगना टोप्पो के सेवा निवृत होने पर इनके शेष जीवन की मंगलकामनाएं के साथ बधाई दी गई तथा अपने बाकी जीवन में स्वास्थ्य रहे एवम समाज के प्रति समर्पित हो यही ईश्वर से प्रार्थना कर शुभकामनाएं दी गई। इस समारोह में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी निर्मला लिंडा द्वारा भी सेवा निवृत पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी ,एवम नए बीइओ का स्वागत किया गया। इस समारोह में मुख्य रूप से बाल गोबिंद पटेल ,अंटोनी एक्का ,जकरिया सुरीन ,संगीता सुरीन संध्या सिंह, सुनीता एक्का, सुलियाना सुरीन, मनिशंकर कर्ण ,ब्रीजमोहन पाल ,ब्रीरेश कुमार, मनोज यादव आदि उपस्थित थे।

जागरूक मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे का आयोजन

युवावस्था में ही कंट्रोल कर लें बीपी

नवीन मेल संवाददाता

बानो। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग बानो में आज वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे मनाया गया । जिसमें छात्राओं ने स्किट के माध्यम से हाई बी.पी के बचाव और कारणों को समझाया । निदेशक डॉ. प्रहलाद मिश्रा ने संबोधन में छात्राओं को बताया कि 17 मई 2005 ई. से वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे मनाया जाता है क्योंकि आज के युवा की आधुनिक जीवनशैली से यह बीमारी बढ़ रही है। देर रात तक स्मार्ट फोन चलाना, समय पर भोजन ना करना, फास्ट-फूड का अत्यधिक इस्तेमाल करने से इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है इसलिए समय पर भोजन और संयमित रूप से अपने जीवन शैली में बदलाव कर इस बीमारी से दूर रखा जा सकता है। इस वर्ष का यह थीम भी है कि बीपी को जांच करें नियंत्रण रखें और लंबे समय तक जीवित रहे। आज के कार्यक्रम में प्राचार्या संगीता कुमारी जगतमनी बैद्य , प्रभा सूरीन, अलविना तोपनो ,निभा खलखो, लीलावती, रश्मि बाड़ा , मटिलदा तिर्की कोर्डिनेटर रविकांत मिश्रा सचिव निभा मिश्रा सहित सभी छात्राएं उपस्थित थी।

फिया फाउंडेशन ने पंचायती राज अधिनियम एवं पेशा कानून को लेकर दिया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

पाकरटांड। प्रखंड के केशलपुर पंचायत में बुधवार को फिया फाउंडेशन द्वारा पंचायती राज अधिनियम एवं पेशा कानून पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया।मौके पर मुख्य रूप से मुखिया ज्योति प्रकाश कुल्लू, उप मुखिया- प्रकाश राय कोटवार एवं पंचायत समिति- मनोरमा एवं प्रखंड समन्वयक मंतोष कुमार उपस्थित रहे जिनके द्वारा प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण के द्वारान प्रखंड समन्वयक- मंतोष कुमार के द्वारा ग्राम सभा के बारे में बताया गया कि भारत के 73वें संविधान संशोधन 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया। इस संशोधन ने त्रि स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया। प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के रूप में मनाया जाता है। ग्रामसभा की दो बैठकों के बीच का अन्तराल तीन माह से अधिक से नहीं होना चाहिए। लेकिन, ग्रामसभा के एक तिहाई सदस्यों की लिखित मांग पर या पंचायत समिति या जिला परिषद् या जिला उपायुक्त द्वारा यदि बैठक की अपेक्षा की जाए तो वैसी स्थिति में 30 दिनों के अंदर सभा की बैठक बुलायी जाएगी। अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में ग्राम सभा की अध्यक्षता ग्राम प्रधान के द्वरा किया जाएगा। बैठक का आवाहन डुगडुगी, पोस्टर, माइक इत्यादि के द्वारा किया जा सकता है। वही पेसा कानून 1996 के बारे में बताया गया आदिवासियों के हितों के संरक्षण के लिए बनाए गए इस पेसा एक्ट के लागू हो जाने के बाद वहां ग्राम सभा बहुत अधिक शक्तिशाली हो जाएगी। आपको बता दें कि अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए ग्राम सभाओं के माध्यम से ही सामुदायिक संसाधनों जैसे- जमीन, खनिज संपदा, लघु वनोपज की सुरक्षा एवं संरक्षण का अधिकार प्राप्त होता है।

NEWS इन ब्रीफ

कैरो के विभिन्न क्षेत्रों में वाहन जांच अभियान चला

कैरो/लोहरदगा। जिला पुलिस के निर्देशनुशर कुडू-चट्टी मुख्य पथ पर बुधवार को कैरो के विभिन्न क्षेत्रों में वाहन जांच अभियान चलाया गया। कैरो थाना क्षेत्र के एडादोन, गजनी मोड़, खंडा मोड़ आदि अलग अलग जगहों पर वाहनों की जाँच की गई चेकिंग के दौरान दो पहिया,चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई।वाहन से संबंधित कागजात, हेलमेट व डिक्की आदि की भी जांच की गई। मौके पर पुलिस पदाधिकारियों ने वाहन चालकों से कहा कानून का पालन नहीं करने वाले चालकों से जुमार्ना वसूला जायेगा। अगर सड़क पर वाहन लेकर निकलना हैं तो यातायात नियमो का पालन करना ही होगा। नियम का उलंघन करने वाले चालकों पर जुमार्ना तय हैं। मौके पर एएसआई वर्मा उरांव के साथ थाना के दलबल मौजूद थे।

जेजेएमपी नक्सली के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

चैनपुर (गुमला)। चैनपुर पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन जेजेएमपी के सदस्य, पलामू जिले के रामगढ़ थाना अंतर्गत नावां गांव निवासी रविंद्र यादव पिता चंद्रदेव यादव उर्फ चंद्रदेव महतो के घर में ग्रामीणों की उपस्थिति में ढोल नगाड़ा बजाकर इश्तेहार चिपकाया। इसी के साथ रविंद्र यादव के परिजनों से उसे पुलिस और कोर्ट के समक्ष एक महीने के अंदर सरेंडर करने की अपील की है। वहीं ग्रामीणों से पुलिस ने अपील करते हुए कहा कि आप सभी उसे जागरूक करते हुए सरेंडर करने के लिए कहा।

कृषि एवं वनोपज के सतत विकास के लिए सात प्रस्ताव स्वीकृत

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में कृषि एवं वनोपज के सतत विकास के लिए जिला संघ के माध्यम से बिजनेस प्लान से संबंधित प्रस्ताव एवं विजन प्लान तैयार कर राज्य संघ को प्रेषित करने हेतु बैठक आयोजित हुई। बैठक में कुल सात प्रस्तावों पर विचार किया गया और सभी पर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें बिजनेस प्लस और विजन प्लान समेत अन्य बिंदु शामिल थे। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, जिला सहाकारिता पदाधिकारी एबी क्रांति, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, कृषि विभाग, उद्योग विभाग, लैम्पस के संचालक आदि उपस्थित थे।

लोहरदगा जिले की 40वीं वर्षगांठ पर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित

जंगल, जमीन, नदी को बचाना हमारी जिम्मेवारी : मंत्री

पद्मश्री मुकुंदलाल नायक और मधु मंसूरी हंसमुख ने दी प्रस्तुति

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा। लोहरदगा जिले की 40वीं वर्षगांठ बुधवार को ललित नारायण स्टेडियम में मनायी गयी। इस मौके पर स्टार्टअप मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, खाद्य, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक मामले के मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने की। इस मौके पर मुख्य मंच पर पद्मश्री मुकुंद लाल नायक, मधु मंसूरी हंसमुख, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र बहादुर पाल, उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार, जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी, सांसद प्रतिनिधि अशोक यादव, सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर अग्रवाल, बिशुनपुर विधायक प्रतिनिधि सुखदेव उरांव, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, सुखैर भगत, युवा नेता रोहित उरांव समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि लोहरदगा जिले में प्राकृतिक संपदा भरपूर है। यहां नदियां हैं, हरे भरे जंगल हैं, लेकिन अब मौसम में काफी बदलाव आया है। मानसून अब देर से आता है। पर्यावरण बिगड़ रहा है। नदी, जंगल, जमीन को बचाना हम सभी की जिम्मेवारी है तभी पर्यावरण में सुधार आएगा। वर्ष 1901 में लोहरदगा जिला को रांची सदर ले जाया गया, तब से रांची जिला हो गया। वर्ष 1972 में सब-डिवीजन बनाया गया और 1983 में रांची और लोहरदगा जिला अलग-अलग हो गया। लोहरदगा जिला बनाने और लोहरदगा जिला में बड़ी रेल लाइन बिछाने में स्व. शिपप्रसाद साहू की महत्वपूर्ण पहल रही। जब मैं पुलिस सेवा में रहा तो यहां पदस्थापित रहा। जोनल डीआईजी रहते हुए भी इस जिले में आना-जाना रहा। राजनीति में आने के बाद पार्टी के निर्देश पर लोहरदगा से चुनाव लड़ा और यही मेला कर्मक्षेत्र रहा। लोहरदगा जिला का एक व्यवसायिक और ऐतिहासिक महत्व है। ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश इंडिया के समय यह प्रमुख केंद्र रहा। शेरघाटी, चतरा, लोहरदगा, जशपुर औ रायपुर उस समय महत्वपूर्ण केंद्र हुआ करते थे। यहां वर्ष 1983 के समय जनजातीय समूहों को महत्वपूर्ण निवास स्थल हुआ करता था, लेकिन बाद में स्थितियों में सुधार आता गया। लोहरदगा जिला बनने के बाद यहां पांच प्रखंड बने, बाद में कैरो और पेशरार प्रखंड बना। आज जिले में स्टेडियम हैं, खेल के क्षेत्र में प्रतिभाएं निखर कर बाहर आ रही हैं। आज बिजली की सुविधा है, सड़कें अच्छी बन गई हैं, पावर सब-स्टेशन का निर्माण हुआ है। इसके साथ ही मंत्री ने लोहरदगा जिले के अच्छे भविष्य की कामना की।

लोहरदगा जिला वीरों की भूमि : डॉ. वाघमारे प्रसाद

उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि लोहरदगा वीरों की भूमि रही है। शहीद पांडेय गणपत राय यहां जन्में और स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, शहीद हुए। बाबू वीर कुंवर सिंह की बहन लोहरदगा जिले में ब्याही गयीं। यहां के युवाओं के पास उर्जा है, प्रतिभा है। यहां के युवा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले को पहचान दिला रहे हैं। प्रकृति की ओर से लोहरदगा जिले को असीम सुंदरता मिली है।

आने वाले 10 वर्षों में और बेहतर होगा लोहरदगा : राजेंद्र बहादुर पाल

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र बहादुर पाल ने कहा कि आने वाले 10 वर्षों में लोहरदगा जिला और बेहतर होगा यही कामना है। हम सभी को पर्यावरण की रक्षा के लिए व्यक्तिगत व सामूहिक प्रयास करना होगा। यहां की खूबसूरती बनी रहे इसके लिए हमें आगे आना होगा। यहां के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस भटकाव से बचने की जरूरत है। नैतिक व शारीरिक पतन से बचना होगा। जिले के विकास की गति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा।

विजेता व उप विजेता टीमों को किया गया पुरस्कृत

14 मई से आयोजित हो रहे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, क्रिकेट, फुटबॉल, कुश्ती, बैडमिंटन और एथलेटिक्स के विजेताओं व उप विजेताओं (टीम व एक प्रतियोगिता) को मुख्य मंच से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पद्मश्री मुकुंद लाल नायक और मधु मंसूरी हंसमुख द्वारा दी गई प्रस्तुति रही, जिसका लोगों व अतिथियों ने भरपूर आनंद लिया। जिला प्रशासन की ओर से दोनों कलाकारों का सम्मान भी किया गया। मेले में कुल 26 स्टॉल लगाये गये थे, जिनमें नगर परिषद के चार, जेएसएलपीएस के तीन, हिंडाल्को का एक और अन्य शिक्षा विभाग के थे। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा मेला का निरीक्षण भी किया गया। आज के कार्यक्रम में सभी जिला परिषद सदस्य, सभी प्रखंड प्रमुख व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं को मिला सम्मान

लोहरदगा जिले में अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं को जिला प्रशासन की ओर से अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न व पौधा देकर सम्मानित किया गया। इसमें शिक्षा के क्षेत्र में प्लस टू राजकीयकृत कस्तूरबा उच्च विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य रश्मि तिर्की, एकलव्य आवासीय मॉडल उच्च विद्यालय कुजरा की प्राचार्या अमृता मिश्रा, सहायक अध्यापिका रूबी एक्का उत्क्रमिक प्राथमिक विद्यालय कुटमू, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ दीप्ति माल्विका कुजूर, जीएनएम सबीता कुजूर, समाजसेवा के क्षेत्र में होप संस्था की मनोरमा एक्का, पत्रकारिता के क्षेत्र में नूतन कच्छप को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

दाता पीर बक्श के सालाना उर्स पर सजेगी कव्वाली की महफिल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू हुसैनाबाद शहर स्थित दाता पीर बक्श के सालाना उर्स के मौके पर कव्वाली की शानदार महफिल सजेगी। यह महफिल 21 मई को सजेगी। जिसमें मशहूर कव्वाल शाहरुख साबरी और रीना परवीन के बीच मुकाबला होगा। इसकी जानकारी आयोजनकर्ता इब्राहिम सेठ ने दी।उन्होंने बताया कि कव्वाल और कव्वाला दोनों के साथ इकरारनामा हो चुका है। उर्स के मौके पर 20 मई को जलसे का आयोजन किया जाएगा। जबकि हर एक वर्ष की तरह दूसरी रात 21 मई को शानदार कव्वाली का मुकाबला होगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए आयोजन समिति का गठन किया गया है. उन्होंने बताया कि दाता पीर बक्श की मजार पर मांगी गई मन्नतें पूरी होती है।समिति के संरक्षक एजाज हुसैन ने बताया कि इब्राहिम सेठ हैदरनगर के बलडिहरी गांव निवासी हैं। वह मुंबई में व्यापार करते हैं। दाता पीर बक्श रहमतुल्लाह अलैह जपला की मजार पर हर वर्ष उर्स के मौके पर पूरा समय देने के साथ साथ कव्वाली कार्यक्रम अपने निजी खर्च पर कराते हैं। इस बार भी उन्होंने कव्वाली कार्यक्रम के खर्च का जिम्मा लिया है।कार्यक्रम के संयोजक सैयद शम्मू हुसैन ने बताया कि दाता नगर स्थित मैदान में कव्वाली का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए अनुमंडल के अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व की तरह वॉलेंटियर भी पर्याप्त संख्या में रहेंगे। जिससे कि शांति के साथ कार्यक्रम संपन्न कराया जा सके। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन और अतिथियों को आमंत्रित करने की जवाबदेही एजाज हुसैन उर्फ छेदी, डॉ एजाज आलम, एसएम अकरम व सैयद शम्मू हुसैन को दी गई है।

नवविवाहिता ने सल्फास खाकर की आत्महत्या

गढ़वा। कांडी थाना क्षेत्र के सुंडी पुर गांव निवासी ओम प्रकाश चौधरी की पत्नी आरती देवी (23) ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना के संबंध में आरती देवी के पति ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि वह घर से सुबह अपना होटल पर चला गया था। इसके बाद आरती ने घर में सल्फास खा लिया। इसके बाद गांव में झोलाछाप चिकित्सक से उसका इलाज कराया। कुछ देर ठीक रहने के बाद अचानक उसकी स्थिति काफी बिगड़ गई। परिजनों ने आनन-फानन में गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में उसके पिता गढ़वा थाना क्षेत्र के मऊपी गांव निवासी रामप्यारे चौधरी ने बताया कि 2022 मई में ही उसकी बेटी की शादी ओम प्रकाश चौधरी के साथ की गई थी। ससुराल जाने के बाद से वहां ठीक-ठाक थी। अचानक ससुराल में क्या हुआ है इसकी जानकारी उन्होंने नहीं दी।

बंधक बनाए जाने पर युवक ने खाया जहर

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

पलामू जिले के बिश्रामपुर गांव के हरिजन मोहल्ला निवासी रामचंद्र भुइयां का पुत्र राजू कुमार भुइयां ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में रामचंद्र भुइयां ने बताया कि राजू कुमार भुईयां की शादी डंडई थाना क्षेत्र के पचोर गांव में तय हुआ था। लड़की पक्ष के द्वारा 15 मई को तिलक चढ़ाने का दिन भी तय कर दिया गया था। इसी दौरान उर्मिला देवी नामक एक महिला ने राजू कुमार भुईया के साथ अपना संबंध बता कर लड़की पक्ष को शादी करने से मना कर दिया। जब इसकी जानकारी राजू के परिजनों को मिली तो वह उक्त महिला पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाने पहुंचे लेकिन बिश्रामपुर वार्ड नंबर 16 के पूनम देवी वार्ड पार्षद के पति विजय कुमार रवि ने उसे पंचायत करके आपस में समझौता कराने की बात कह कर मना कर दिया। इसी बीच लड़की पक्ष ने 6 मई को राजू कुमार भईया को अपने घर बुलाकर उससे शादी में दी गई राशि की मांग करने लगा तथा उसे बंधक बनाकर अपने घर ही रख लिया। राजू के परिजन द्वारा पैसा वापस किया गया तो मंगलवार को राजू को छोड़ दिया। इसी बात से आहत होकर राजू भुइयां ने अपने घर पहुंच कर कीटनाशक खा लिया। इस बात की जानकारी होने के बाद परिजन द्वारा उसे आनन-फानन में गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

सदर अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है

रानी टोंगरी से फिसल कर गिरने पर युवक की मौत

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के उगरा पंचायत अंतर्गत कोराम्बे रानी टोंगरी से पैर फिसलने के कारण एक युवक नीचे गिर गया, जिससे उसका बांया पैर टूट गया और गंभीर अंदरूनी चोट लगने के कारण उसकी मौत घटना स्थल पर हो गई। मृतक की पहचान इचरी टेंगरिया निवासी स्व. रामचंद्र उरांव के 20 वर्षीय पुत्र विरेंद्र उरांव के रूप में की गई। बताया जाता है कि गांव में शादी समारोह था। गांव में तेतर टोली से आया शराती लोगों के स्वागत के पश्चात विरेंद्र उरांव शराब के नशे में देर शाम रानी टोंगरी की ओर घूमने गया था। कुछ ही समय के बाद उसके गिरने की सूचना ग्रामीणों को मिली। वहीं घटना की सूचना सेन्हा थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान को मिलते ही उनके निर्देश पर स0आ0नि0 जमशेद खान शस्त्र बल के साथ मृतक का घर पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए घटना स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया।

निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का शुभारंभ, 29 मरीजों की हुई सर्जरी

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

सदर प्रखंड के चिरौंजिया मोड़ स्थित राधिका नेत्रालय अस्पताल में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की शुरुआत की गई। इसका उद्घाटन अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार, नेत्र चिकित्सा पदाधिकारी नागेश्वर प्रसाद राधिका नेत्रालय के संचालक डॉ. सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मोतियाबिंद ऑपरेशन कर लोगों को रोशनी देना सबसे बड़ा पुण्य का काम होता है। उन्होंने कहा कि राधा लक्ष्मी ट्रस्ट के द्वारा चलाया जा रहा अभियान बहुत ही नेक कार्य है। हम इनके संचालक को शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि राधा लक्ष्मी ट्रस्ट में अत्याधुनिक मशीन के द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जा रहा है। लोग आकर अपना रजिस्ट्रेशन कराएं। उन्होंने कहा कि यह अभियान मार्च 2024 तक चलाया जाएगा। संस्था का उद्देश्य है कि मार्च 2024 तक 5000 मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन करना है। इसे लेकर जिला मुख्यालय के अलावा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भी वैसे मरीज का जांच कर ऑपरेशन कराया जाएगा। संचालक सह आई चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि बुधवार को कुल 29 मरीजों का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन के साथ लेंस प्रत्यारोपण किया गया है।

सहायक अध्यापक का निधन, आश्रितों को नौकरी की मांग

बारियातु। उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गोनिया के सहायक अध्यापक (संप्रति पारा शिक्षक) रामखेलावन गंझु (42)की बीते मंगलवार की शाम को आकस्मिक निधन हो गया। इसकी खबर मिलते ही दर्जनों सहायक अध्यापकों नेपरिजनों से मुलाकात कर संभव मदद का आश्वासन दिया। अंतिम संस्कार बुधवार को किया गया, जिसमें दर्जनों सहायक अध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के शिक्षक शामिल हुए।

बालू के अवैध उठाव व परिवहन के आरोप में दो ट्रैक्टर किए गए जब्त

नवीन मेल संवाददाता। कांडी

थाना क्षेत्र अंतर्गत पतीला मोड़ के समीप से बुधवार की सुबह गुप्त सूचना के आधार पर अंचलाधिकारी अजय कुमार दास एवं थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार के द्वारा दो अवैध बालू लदे ट्रैक्टरों को जब्त किया गया। उक्त दोनों ही ट्रेक्टर खरौंधा घाट के कोयल नदी से अवैध तरीके से बालू उठाव कर परिवहन कर रहे थे। दोनों ट्रैक्टर पकड़े जाने पर सुबह के समय पतीला मोड़ पर काफी लोगों की भीड़ जुट गई। साथ ही स्वराज एवं महिंद्रा ट्रैक्टर को पुलिस बल के द्वारा थाना ले जाया गया। सूत्रों के अनुसार अवैध तरीके से बालू लोड ट्रैक्टर प्रखंड क्षेत्र के किसी पार्टी अध्यक्ष के बताए जा रहे हैं। काफी दिनों से अवैध तरीके से बालू लोड कर परिवहन करने की सूचना के आधार पर अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी द्वारा ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। समाचार लिखे जाने तक दोनों ट्रैक्टरों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई थी। इस संबंध में अंचलाधिकारी अजय कुमार दास ने पूछे जाने पर कहा कि जिले में आवश्यक कार्य होने के कारण कार्रवाई नहीं की गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रावधान के अनुसार सुसंगत कार्रवाई की जाएगी।

संकट शिकायत के बाद भी विभाग ने नहीं ली सुध, पानी के लिए परेशान ग्रामीण

हैंडपंप बेकार, एक नलजल के सहारे 250 परिवार

कुलदीप कच्छप। भंडरा / लोहरदगा

झुलसा देने वाली गर्मी के बीच प्रखंड के गडरपो पंचायत अंतर्गत ग्राम पलमी में सैकड़ों ग्रामीण पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। यह समस्या पिछले एक साल से बनी हुई है। पंचायत के सबसे अधिक आबादी वाले आदिवासी बहुल पंचायत के पलमी में आदिवासी, महली और मुस्लिम समाज के 250 परिवारों एक सोलर नलजल योजना के सहारे अपना काम चला रहे हैं। यहां पीएचई विभाग द्वारा तीन हैंडपंप बोर कराए गए हैं, लेकिन ये सभी चट्टान के कारण सफल नहीं हो सके। अधिक घनत्व और पानी की समस्या को लेकर पंचायत स्तर पर सौर ऊर्जा से संचालित नलजल योजना स्थापित की गई थी। इसके भरोसे सैकड़ों परिवार अपनी प्यास बुझा रहे हैं। पीएचई विभाग द्वारा सालभर से अधिक समय से खराब हैंडपंपों की मरम्मत नहीं कराई गई है। विभाग का कहना है कि बजट के माध्यम से मेंटनेंस कराया जाता है, जो अबतक नहीं आया है। वार्ड सदस्य लगन देवी का कहना है कि पूर्व में हैडपंप में आई खराबी को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद भी विभाग द्वारा इसकी मरम्मत नहीं कराई जा रही है। इसके कारण आमजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की इस बस्ती में महिलाओं व बच्चों को सुबह होते ही पानी के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। एक तरफ तो लोग गर्मी से बचने के लिए परेशान हैं, वहीं दूसरी तरफ ना चाहते हुए भी पानी के लिए लोगों की भीड़ सोलर जलापूर्ति पर लग जाती है। यहां रोजाना एक सोलर जलापूर्ति पर सुबह से शाम तक सैकड़ों परिवार पानी भरने आते हैं। सुबह और शाम लोगों को कई घंटे तक लंबे इंतजार के बाद पानी मिल पाता है।

गर्मी में टूट जाता है हैंडपंपों का दम

ग्रामीण बताते है कि गांव में तीन हैंडपंप हैं। सभी हैंडपंप से पानी नहीं निकलता है। ग्रामीणों ने बताया कि सोलर जलापूर्ति खराब हो जाने पर दो किलोमीटर दूर से पेयजल लाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से पेयजल की समस्या को दूर कराने की मांग की है। इधर पंचायत के मुखिया सुमित उरांव ने बताया की पलमी गांव में पेयजल समस्या के समाधान के लिए पंचायत प्रशासन पूरी तत्परता से लगी हुई है। तीन बार डिप बोरिंग कराई गई पर सफल नहीं हो सकी। जल नल योजना को पंचायत में सर्व प्रथम पलमी से शुरू करने की रूप रेखा तैयार की गई है। इससे पेयजल समस्या दूर हो जाएगी।

सभी सीएचसी में एक्स-रे तकनीशियन की होगी व्यवस्था

उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अगुवाई में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। जिले में 17 स्थानों पर स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण के संबंध में सदर प्रखंड, सेन्हा, भंडरा और कुडू प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कुल 6 एचएससी निर्माण कार्य में डुप्लीकेसी पायी गई है। इस संबंध में उपायुक्त द्वारा तत्काल छह सीएससी में कार्य रोकने का निर्देश दिया गया। साथ ही, उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जांच टीम का गठन किया गया जिसमें जिला यक्ष्मा पदाधिकारी और कार्यपालक दंडाधिकारी पूजा कुमारी रहेंगी। समिति द्वारा जांच रिपोर्ट उपायुक्त के समक्ष समर्पित किये जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही, उन स्थानों के

बदले अन्य छह स्थानों पर प्रस्ताव समर्पित किये जाने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि आयुष्मान भारत अंतर्गत प्राप्त फंड से सदर अस्पताल स्थित पीएसए प्लांट में एक तकनीकी सहायक और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक एक्स-रे तकनीशियन की व्यवस्था करने का निर्देश सिविल सर्जन, लोहरदगा को दिया गया। बैठक में संस्थागत प्रसव, नेशनल डिवार्मिंग डे, एनीमिया मुक्ति संबंधित बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. संजय कुमार सुबोध, डीपीएम, एपीडेमियोलॉजिस्ट, पिरामल स्वास्थ्य के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

नकली शराब का कारोबार

झारखंड के कई जिलों में नकली शराब का कारोबार फल फूल रहा है। उत्पाद विभाग रांची और लोहरदगा की टीम ने मंगलवार को कुडू थाना क्षेत्र के बरहनियां में नकली शराब की मिनी फैक्ट्री का खुलासा किया है। यहां बड़ी मात्रा में अलग-अलग ब्रांड की नकली शराब बरामद की गई है। कुल 71 पेटियां (640 लीटर अंग्रेजी शराब) शराब जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत पांच लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। इससे पहले भी इस तरह के कई ठिकानों का पदार्फाश किया जा चुका है, जिसमें राजधानी रांची भी शामल है। झारखंड में निर्मित नकली शराब सिर्फ बिहार भेजने तक सीमित नहीं है। राज्य के कई शराब दुकानों में नकली शराब की बिक्री का मामला भी सामने आ चुका है। अब तक शराब में मिलावट करने के आरोप में कई कर्मचारियों को जेल भी भेजा गया है। इसके बावजूद इस 'जानलेवा कारोबार' पर रोक नहीं लग पाना कहीं न कहीं प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है। बिहार में शराबबंदी के बाद से कुडू के रास्ते झारखंड सीमा से लगे बिहार के क्षेत्र में अवैध शराब की खेप पहुंचाने का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। शराब माफियाओं के लिए यह सेफ जोन बनकर रह गया है। हालांकि स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग अपने स्तर से इन पर हमेशा नकेल कसने का काम करता रहा है, लेकिन इसके बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब और पैकिंग का सामान के पकड़े जाने से साबित होता है कि इस काले कारोबार ने कितनी जड़े जमा ली हैं। अगर इस पर जल्द अंकुश नहीं लगा तो बहुत जल्द यह इलाका अवैध शराब के कारोबार में शिखर होगा।

सामूहिक रूप से, यह समाज में सभी हितधारकों को विभिन्न तरीकों से प्रभावित करता है। इससे उद्योग और सरकार को सिर्फ राजस्व का नुकसान होता है, लेकिन इसके कारण उपभोक्ता सबसे अधिक प्रभावित होता है।

जानी-मानी बात है कि शराब का अवैध व्यापार सतत आर्थिक विकास को कमजोर करता है। सामूहिक रूप से, यह समाज में सभी हितधारकों को विभिन्न तरीकों से प्रभावित करता है। उद्योग और सरकार को सिर्फ राजस्व का नुकसान होता है, लेकिन इसके कारण उपभोक्ता सबसे अधिक प्रभावित होता है, क्योंकि यह उपभोक्ता स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। खराब गुणवत्ता या नकली शराब मौत और गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। जैसा कि भारत में जहरीली शराब से होने वाली त्रासदियों की कई घटनाओं से पता चलता है। अनुमान के मुताबिक, 2016 से 2022 के बीच भारत में 6000 से ज्यादा लोग जहरीली शराब पीने से मारे गए। शराब पेय उद्योग की संवेदनशील प्रकृति के कारण भारत में सबसे अधिक विनियमित क्षेत्रों में से एक है। विशेषज्ञ अभी भी वास्तविक अनुमानों की गणना करना बहुत कठिन मानते हैं, क्योंकि भारत में अवैध शराब बिना दर्ज शराब की व्यापक छतरी के नीचे आती है। भारत में शराब की खपत पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है, जो 6.177 बिलियन लीटर तक पहुंच गई है। इसे शराब माफिया आकर्षक अवसर के रूप में देख रहे हैं। भारत में, राज्य के पास शराब व्यापार को नियंत्रित और विनियमित करने की शक्ति है। शराब पेय उद्योग में विविध कानूनों के स्तर के कारण, राज्य उत्पाद शुल्क नियामक को केवल आय को संरक्षित करने की तुलना में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पूर्ण-प्रूफ प्रणाली बनाने की जरूरत हैं। मौजूदा प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता है, जिसमें बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी स्वीकार्यता, अनुकूलनशीलता, अंतिम खुदरा बिंदु तक इंटरनेट कनेक्टिविटी, ट्रैकिंग और नेविगेशन, आधुनिक नियंत्रण कक्ष की स्थापना आदि शामिल हैं। नकली शराब बनाने वालों के खिलाफ एक कदम आगे रहना है तो इन उपायों को लागू करना होगा।

सतही राजनीति व जनाकांक्षाओं की कसौटी

गिरीश्वर मिश्र

भारत की जनता में सहते रहने की अदम्य शक्ति है और वह सबको अवसर देती है कि वे अपने वादों और दायित्वों के प्रति सजग रहें परंतु जनप्रतिनिधि होने पर भी ज्यादातर राजनेता जन-प्रतिनिधित्व के असली काम को संजीदगी से नहीं लेते हैं। चुनावी सफलता पाने के बाद वे यथाशीघ्र और यथासंभव सत्ता भोगने के नुस्खे आजमाने लगते हैं। ऐसे में जन-सेवा का वह संकल्प और जज्बा एक ओर धरा रह जाता है जो धूमिल रूप में ही सही उनके मन कभी तैर रहा होता था। दरअसल वे एक व्यापारी की तरह सोचने और काम करने लगते हैं। बिगड़ैल काल देवता से भयभीत वे राजनीति के व्यवसाय से (अपने लिए) समयबद्ध ढंग से अधिकाधिक धन-धान्य या समृद्धि उगाहने में दत्तचित्त जुट जाते हैं। पर आगे क्या हो सकता है इसका दर्दनाक उदाहरण पश्चिम बंगाल में जेलबंद शिक्षा मंत्री और उनके सहयोगियों से मिलता है। जिस तरह शिक्षक नियुक्ति के मामले में करोड़ों रुपयों के गम्भीर आर्थिक घोटालों का पता चल रहा है और हजारों की संख्या में नियुक्ति पा चुके शिक्षकों को उच्च न्यायालय के आदेश द्वारा नौकरी से मुक्त किया जा रहा है वह स्वतंत्र भारत के राजनीतिक और शैक्षिक इतिहास में नायाब है। तेजतर्रार, लोकप्रिय और खुद को लोकसंग्रह को समर्पित कहने वाली मुख्यमंत्री की नाक तले इतना कुछ विधिवत अनियमितता के साथ कैसे होता रहा, यह घोर आश्चर्य का विषय है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि राजनीति के खिलाड़ी अहंकार में डूब कर कुछ भी करने को स्वतंत्र मान बैठते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि समाज के स्तर पर इसके कितने दूरगामी परिणाम होंगे। वे जाने-अनजाने अच्छे-बुरे विचारों, व्यवहारों और मूल्यों के बीज बोते चलते हैं। वे आचरण और सफलता के न केवल मानक स्थापित करते हैं बल्कि उसका अपने उदाहरण के साथ उसका निदर्शन भी जनता के सामने पेश करते चलते हैं। छोटे-बड़े नेता समाज के सामने एक मॉडल के रूप में आते हैं। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया की बेहद प्रभावी उपस्थिति से वे समाज के बड़े हिस्से को अपने असर में ले लेते हैं। वे अपनी चाल-ढाल, वेश-भूषा और बात-व्यवहार से सफलता की मंजिल तक रहे (बेहिसाब) बेरोजगार भारतीय युवा वर्ग (ब्रिगेड!) को जायज और नाजायज किसी भी तरह से काम कराने के लिए संदेश देते हैं। उपाय (साधन!) कुछ भी हो चलेगा, शर्त इतनी होती है कि उससे मनोवांछित लक्ष्य (साध्य!) की प्राप्ति (सिद्धि!) किसी भी तरह जरूर सुनिश्चित हो सके। इस क्रम में परिवार, क्षेत्र, जाति, धर्म और भाषा जैसे सरोकार भी दावेदार होते हैं। इनमें से किसका कितना जोर चलेगा यह उस समय की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। यह बड़ा ही दुखद है कि सेवा-धर्म के साथ शुरू हुई राजनीति ने जो अपना कलेवर बदलना शुरू किया तो अब उसका कोई अंत ही दृष्टि में नहीं आता। बाहु-बाल, अपराध और धन-बल के बढ़ते गठजोड के फलस्वरूप माफिया भी सांसद हो जाते हैं और सरकारें भी उन पर मेहरबान रहती हैं। आज राजनीति में योग्यता और सेवा का प्रश्न गौण हो रहा है। इसकी जगह जन-सम्बंध, लोकप्रियता और सम्पर्क-शक्ति को तरजीह दी जाती है। इनसे भी ज्यादा पारिवारिक पृष्ठभूमि और आर्थिक औकात को महत्व मिलता है। ऐसा आदमी ठीक नेता कहा जाता है जो जनता में अपना दबदबा बनाए रखे। यह याद रखना होगा कि स्वास्थ्य, कानून,

राजनीतिक दबाव में इसकी भी बुरी तरह उपेक्षा होने लगने लगी है। कोशिश यही रहती है कि यथाशक्ति अपना, अपने भरोसे का किसी तरह से (आर्थिक या अन्य) लाभ पहुंचाने वाले आदमी को मौका दिया जाय।

इन दिनों

प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे तकनीकी क्षेत्रों में ज्ञान तथा कौशल की विशेषज्ञता का कोई विकल्प नहीं होता है। राजनीतिक दबाव में इसकी भी बुरी तरह उपेक्षा होने लगने लगी है। कोशिश यही रहती है कि यथाशक्ति अपना, अपने भरोसे का, अपनी जाति बिरादरी का, अपनी विचारधारा का या फिर किसी तरह से (आर्थिक या अन्य) लाभ पहुंचाने वाले आदमी को मौका दिया जाय। बिहार और पश्चिम बंगाल में सरकारी भर्तियों में 'कैश या काइंड' में लाभ ले कर नौकरी देने की सरकारी नीति के उपयोग के जो मामले उभर कर सामने आ रहे हैं वे आंख खोल देने वाले हैं। इन सब में सत्ता का जबरदस्त दुरुपयोग किया गया है और आंख मूंद कर अवैध कमाई की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अपने आदमियों को (ही) भरने के दुराग्रह के तात्कालिक लाभ दिखते हैं और कुछ (अवांछित) लोगों को नौकरी और अन्य लाभ भी मिल जाते हैं। उन लोगों से दल विशेष को लाभ भी मिल सकता है परन्तु अंततः उस तरह का निवेश सामाजिक अन्याय का ही रूप लेगा। यदि और जगहों की खोज खबर ली जाए तो इस तरह की और गड़बड़ियां भी जरूर मिलेंगी जहां विभिन्न पदों पर धन ले कर नियुक्तियां हुई हैं। राजनीतिक संस्कृति का अनिवार्य अंश बनता जा रहा सीमित स्वार्थ का विषाणु राजरोग की तरह जीवन के अनेक क्षेत्रों को बुरी तरह संक्रमित करता जा रहा है और कार्य संस्कृति को बाधित कर रहा है। लोगों को लग रहा है कि राजनीति की इस टेढ़ी चाल से शिक्षा की व्यवस्था और प्रशासन की प्रणाली ध्वस्त होती जा रही है। आम जनों का विशेष कर युवा वर्ग का अपनी योग्यता, क्षमता, परिश्रम और ईमानदारी पर से भरोसा उठता जा रहा है। ऐसा करते हुए नेता गण यह भूल जा रहे हैं कि पूर्वाग्रह के आधार पर भेद-भाव की नीति के साथ प्रजातंत्र की गाड़ी ज्यादा आगे नहीं जा सकती। इस तरह की असमानताओं को प्रकट और प्रच्छन्न रूप से लागू करना समाज के प्रति अक्षम्य अपराध होगा जिसका लाभ किसी को नहीं होने वाला है। सत्ता में आने के पहले राजनेता चुनावी दंगल में एक व्यापक दृष्टि के साथ सामने आते हैं और अचानक जादू का पिटारा खुलने लगता है। एक के बाद एक वादे किये जाते हैं। मतदाता को संतुष्ट करने का कोई दांव नहीं छोड़ा जाता है। ऐसा करते हुए अक्सर सरकारी खजाने की हालत को नजरअंदाज करने से किसी को कोई गुरेज नहीं होती है। कर्नाटक के हालिया चुनाव में मतदाताओं के विभिन्न वर्गों को संतुष्ट करना सफलता पाने की मुख्य युक्ति थी। यह करने के लिए सिलेंडर देवता का पूजन, पुरानी पेंशन योजना को लागू करना और अनेक स्थानीय मुद्दों के प्रति अतिरिक्त संवेदनशीलता से मतदाता को रिझाया गया। साथ ही जाति, धर्म, और क्षेत्र की सामाजिक पृष्ठभूमि के साथ लगाव भी मतदान पर हावी रहा। उल्लेखनीय है कि पुराने मंत्रिमंडल के एक दर्जन मंत्रियों को हार का मुंह देखना पड़ा। यह तथ्य उनकी कार्य-निपुणताओं को प्रश्नांकित करता है। चुनाव परिणामों द्वारा जनता ने यह संदेश भी दिया है कि उसकी सहनशीलता की भी सीमा होती है। नारे और वादों से उकता चुकी जनता को जमीनी हकीकत में बदलाव की चाहत है। आगामी चुनावों की भी यही कसौटी रहेगी। सतही राजनीति का दांव अब नहीं चलने वाला है।

बोधि वृक्ष

आईए सुनें बद्रीनाथ धाम की कथा

तत्पश्चात अलकनंदा के दायीं और बायीं ओर नर, नारायण तपस्या करने लगे। जिस पर्वत पर नर ने तप किया उसे नर पर्वत तथा जिस पर नारायण ने तप किया उसे नारायण पर्वत के नाम से जाना जाता है। जब नर, नारायण के तप के प्रभाव तीनो लोको में फैल गया। उनकी घोर तपस्या का पता जब सहस्त्र कवच को चला तो वह नर, नारायण से युद्ध करने बद्री का आश्रम में आ गया। फिर पहले दिन नारायण ने युद्ध किया और सहस्त्र कवच का एक कवच तोड़ दिया, अगले ने नारायण तप करने लगे तो नर ने उसका दूसरा कवच तोड़ दिया फिर यही शिलशिला चलता रहा। एक दिन नर तप करते तो उस दिन नारायण लड़ते, अगले दिन नारायण तप करते तो नर लड़ते। ऐसा करते-करते सहस्त्र कवच के ९९९ कवच तोड़ दिये। फिर सहस्त्र कवच डर के भागने लगा और उसके पीछे नर, नारायण करने लगे तो वह भाग कर सूर्य देव की शरण में चला गया। सूर्य देव ने फिर भगवान नर, नारायण से बिनती की, कि प्रभु अभी यह मेरी शरण में है और मेरा धर्म इसकी रक्षा करना है। तो दया करके सहस्त्र कवच को अभी छोड़ दें। श्री नारायण ने सूर्य देव की बात रखते हुए उन्हें कहा कि अभी तो में इसे छोड़ देता हूँ, किन्तु द्वापरयुग में आपको इसे कुंती के आवाहन करने पर अपने पुत्र के रूप ने भेजना होगा। उस समय मैं कृष्ण अवतार में रहूँगा और नर, अर्जुन के अवतार में तब इसकी मृत्यु अर्जुन के हाथों से होगी।नर, नारायण वापस बद्री का आश्रम आकर तप करने लगे। कुछ समय बाद भगवान नारायण ने देवताओं से कहा बद्री का आश्रम से, नारद शिला के नारद कुंड के नीचे से उनकी मूर्ति निकालो और उसकी स्थापना करो क्योंकि कलयुग का आरम्भ होने वाला है और मैं साक्षात रूप में नहीं रह सकता। उस मूर्ति कि जो भी प्राणी दर्शन करेगा उसे मेरे साक्षात दर्शन करने का फल प्राप्त होगा। जो भी यहाँ सच्चे मन से आयेगा उसे मोक्ष कि प्राप्ति होगी।

(समाप्त)

भारत के बुनियादी ढ़ाचे पर साइबर हमले का खतरा!

डॉ. अनिल कुमार निगम

वास्तव में रैंसमवेयर एक तरह का मैलवेयर है जो कंप्यूटर फाइलों, सिस्टम अथवा नेटवर्क को एक्सेस करने से रोकता है। हमलावर इसके माध्यम से पीड़ित पक्ष से अपनी मांग पूरी करवाता है।

देश-विदेश

साइबर सुरक्षा आज वैश्विक मुद्दा है। जितनी तीव्र गति से भारत समेत विभिन्न देशों में डिजिटलाइजेशन बढ़ रहा है, उतनी ही गति से साइबर हमलों का खतरा मंडरा रहा है। भारत के बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले का खतरा बना हुआ है। अमेरिका, भारत और ब्राजील साइबर हमलावरों के सीधे निशाने पर हैं। स्वास्थ्य और वित्त क्षेत्र के साथ-साथ विमानन उद्योग, तेल, गैस और ऊर्जा सेक्टर और तकनीकी कंपनियों जैसे मूलभूत ढांचे के महत्वपूर्ण अंगों को साइबर हमलों का निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि भारत अपनी साइबर सुरक्षा पर काफी ध्यान दे रहा है, परंतु नवंबर 2022 में जिस तरीके से भारत के सबसे शीर्ष चिकित्सा संस्थान- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली को निशाना बनाया गया, वह अत्यंत चिंताजनक है। सवाल यह है कि अगर साइबर हमलावर भारत के मूलभूत ढांचे मसलन ऊर्जा आपूर्ति, रेलवे सिगनलिंग, पीएनजी गैस आपूर्ति, बैंकिंग सिस्टम को हैक कर लेते हैं तो क्या भारत इससे निपटने में सक्षम है? क्या भारत में सूचना तंत्र की सुरक्षा के उपाय पर्याप्त हैं? वर्ष 2022 में भारत के सरकारी संस्थानों पर 82 साइबर हमले हुए। यह आंकड़ा पिछले वर्ष 2021 की तुलना में आठ गुना अधिक है। साइबर हमलों का अध्ययन करने वाली कंपनी क्लाउडसेक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में सरकारी संस्थाओं को टार्गेट करने वाले साइबर हमलों में तीव्र वृद्धि हुई है। 2021 में देश के सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं में सिर्फ 11 हमले दर्ज किये गये थे। भारत की कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने 2022 की अपनी इंडिया रैनसमवेयर रिपोर्ट में कहा था कि भारत में महत्वपूर्ण मूलभूत ढांचे समेत तमाम क्षेत्रों पर रैनसमवेयर के हमलों की संख्या में 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह विदित है कि साइबर हमले से एम्स की गतिविधियों पर अत्यंत प्रतिकूल असर पड़ा था। अस्पताल के मुख्य और बैकअप सर्वर में सभी फाइलें करप्ट हो गई थीं। साइबर हमलावर लगभग चार करोड़ मरीजों का आंकड़ा चुराने में सफल रहे। इसमें बेहद संवेदनशील आंकड़े भी शामिल हैं। यह भी ज्ञात है कि वर्ष 2021 में अमेरिका की औपनिवेशिक पाइप लाइन में रूसी हमलावरों ने रैंससमवेयर से हमला किया था। उसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई थी। यह पाइप लाइन छह दिन के लिए ठप हो गई थी। अमेरिका के 17 राज्यों में गैस की जबरदस्त किल्लत हो गई थी। वास्तव में रैंसमवेयर एक तरह का मैलवेयर है जो कंप्यूटर फाइलों, सिस्टम अथवा नेटवर्क को एक्सेस करने से रोकता है। हमलावर इसके माध्यम से पीड़ित पक्ष से अपनी मांग पूरी करवाता है। क्लाउडसेक का मानना है कि विश्वभर में स्वास्थ्य क्षेत्र पर जो साइबर हमले हो रहे हैं, उनमें भारत का स्थान दूसरा है। वर्ष 2021 में दुनिया में स्वास्थ्य क्षेत्र पर जो साइबर हमले हुए, उनमें से 7.7 प्रतिशत भारत पर हुए थे। हालांकि साइबर हमलों के मामले में सबसे ज्यादा निशाने पर अमेरिका ही है। 2021 में पूरी दुनिया में स्वास्थ्य क्षेत्र पर हुए साइबर हमलों में से अकेले अमेरिका पर 28 प्रतिशत हमले हुए थे। ये दुनिया के तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण का नतीजा है, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण ऐसा हो रहा है। एक अन्य सॉफ्टवेयर सुरक्षा कंपनी इंडसफेस ने कहा कि उसके ग्राहकों पर दस लाख से ज्यादा साइबर हमले हुए, इनमें से 2,78,000 हमले भारत में हुए।

फोटो की दुनिया

फेसबुक वॉल से

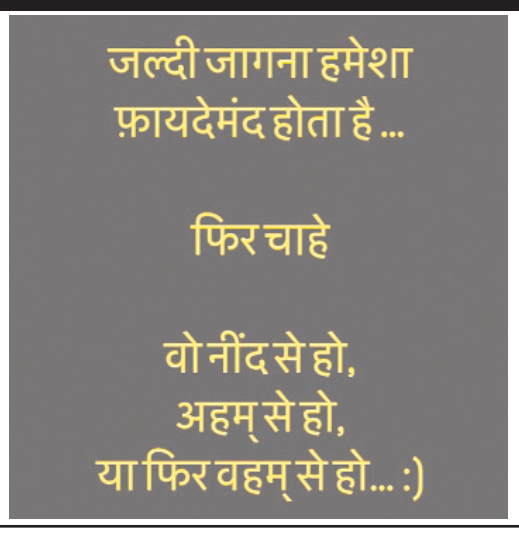

दांडी पकड़े आदिवासियों के 'गांधी'

ललित गर्ग

आदिवासी जनजीवन की आर्थिक उन्नति एवं स्वावलंबन के लिये वे सुखी परिवार ग्रामोद्योग भी संचालित कर रहे हैं। अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं।

देश-दुनिया

सुखी परिवार अभियान के प्रणेता, आदिवासी जनजीवन के मसीहा एवं प्रख्यात जैन संत गणि राजेन्द्र विजय पिछले 36 वर्षों से आदिवासी विषयों एवं मुद्दों को लेकर सक्रिय है, उन्होंने आदिवासी जनजीवन के उन्नयन एवं विकास के लिये अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों-योजनाओं जिनमें शिक्षा, सेवा, चिकित्सा एवं आर्थिक उन्नयन के उपक्रम किये हैं, जो आदिवासी जन-जीवन में उतरती रोशनी है। हाल ही में गुजरात में 4400 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑनलाइन कवांट की आदिवासी महिलाओं से बातचीत करते हुए गणि राजेन्द्र विजय को जिस स्नेह एवं आत्मीयता से याद किया, समूचे देश ने यह परिदृश्य देखा और उनकी सेवाओं को महसूस किया। मोदी का इस तरह इस संत पुरुष को याद करना, उनके गौरव को, उनके होने का भान कराता हैं। निश्चित ही गणि राजेन्द्र विजयजी आदिवासी समाज को उचित दर्जा दिलाने एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिये तत्पर है। वे स्वयं समर्थ एवं समृद्ध है, अतः शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिये स्वयं आगे आएं। एक तरह से एक संतपुरुष के प्रयत्नों से एक सम्पूर्ण पिछडा एवं उपेक्षित आदिवासी समाज स्वयं को आदर्श रूप में निर्मित करने के लिये तत्पर हो रहा है, यह एक अनुकरणीय एवं सराहनीय प्रयास है। लेकिन इन आदिवासी लोगों को राजनीतिक संरक्षक भी मिले, इसके लिये वे सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से सम्पर्क स्थापित कर आदिवासी जीवन के दर्द से उन्हें अवगत कराया। भारतीय समाज में जिन आदर्शों की कल्पना की गई है, वे भारतीयों को आज भी उतनी ही श्रद्धा से स्वीकार हैं। व्यक्ति अगर अकेला भी हो पर नैतिकता का पक्षधर हो और उसका विरोध कोई ताकतवर कुटिलता और षड्यंत्र से कर रहा हो तो जनता अकेले आदमी को पसन्द करेगी। इन्हीं मूल्यों की प्रतिष्ठापना, गणि राजेन्द्र विजय के मिशन एवं विजन का उद्देश्य है। गणि राजेन्द्र विजय एक ऐसा व्यक्तित्व है जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक उत्थान के प्रयत्न में तपकर और अधिक निखरा है। वे आदिवासी जनजीवन के उत्थान और उन्नयन के लिये लम्बे समय से प्रयासरत हैं और विशेषतः आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर जागरूक है, इसके लिये सर्वसुविधयुक्त करीब 12 करोड की लागत से एकलव्य आवासीय माडल विद्यालय का निर्माण उनके प्रयत्नों से हुआ है, वर्ष 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विद्यालय एवं अन्य योजनाओं का शुभारंभ करीब डेढ़ लाख आदिवासी लोगों के बीच किया, इतनी विशाल आदिवासी उपस्थिति गणिजी के इस क्षेत्र में प्रभाव को दर्शा रही थी। उनके नेतृत्व में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित है, जिनमें कन्या शिक्षा के लिये ब्राह्मी सुन्दरी कन्या छात्रावास का कुशलतापूर्वक संचालन हो रहा हैं। इसी आदिवासी अंचल में जहां जीवदया की दृष्टि से गौशाला संचालित है तो चिकित्सा और सेवा के लिये चलयमान चिकित्सालय भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। आदिवासी जनजीवन की आर्थिक उन्नति एवं स्वावलम्बन के लिये वे सुखी परिवार ग्रामोद्योग भी संचालित कर रहे हैं। अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं और अपने शरीर को तपाते हैं। अपने कार्यक्रमों में वे आदिवासी के साथ-साथ आम लोगों में शिक्षा के साथ-साथ नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगाते हैं। उनके प्रयत्नों का उद्देश्य है शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com।

लीची की बागवानी से 'शाही' जीवन जी रहे पुलिस अधिकारी राजाशंकर

लीची और बिहार का मुजफ्फरपुर एक दूसरे के पर्याय जैसे हैं। लेकिन जिले के निरूपुर निवासी सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी ने इस मिथक को तोड़ने के लिए अपने गांव में बागवानी शुरू की है। उनके बगीचे में तैयार शाही लीची अब मुंबई, दिल्ली और नासिक जा रही है।

दोनों भाई आज भी करते हैं एक ही थाली में भोजन

निरूपुर के राजाशंकर तिवारी 2013 में आरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट पद से रिटायर हुए। दो भाई हैं लेकिन दोनों भाइयों की कोई संतान नहीं थी, लिहाजा एक बच्चे को गोद लिया जो अब 21 वर्ष का हो चुका है। दोनों भाई आज भी एक ही थाली में भोजन करते हैं। आमतौर पर बड़े पद पर रहकर सेवानिवृत्ति के बाद लोग शहरों का रुख करते हैं, लेकिन राजाशंकर तिवारी ने गांव को ठिकाना बनाया। रिटायरमेंट के पहले ही राजाशंकर तिवारी ने गांव में बागवानी की प्लानिंग कर ली थी। 2002 की चकबन्दी के बाद चक बड़ा हुआ तो गांव के दोपही मौजे में अक्टूबर 2005 में चार बीघे में शाही लीची के 275 पेड़ लगवाया। इसके साथ ही पांच बीघे में आम के दो सौ पेड़ लगाए। गांव के आसपास के मजदूरों को बागवानी की देखरेख करने की जिम्मेदारी दी। 2013 में रिटायर हुए तो पूरी तरह से गांव को ही ठिकाना बनाया। रिटायरमेंट के बाद मुजफ्फरपुर जाकर लीची अनुसंधान केन्द्र में लीची के बागवानी के गुर सीखे।

बिहार के व्यापारी ने लीची के बाग को लिया कांट्रेक्ट पर

उन्होंने अपने लीची और आम के बगीचे में गेस्टहाउस बनाया है। जहां रह कर देखभाल करते हैं। उनके बाग में फिलहाल लीची के 232 पेड़ तैयार हैं। जबकि आम के भी दो सौ पेड़ पूरी तरह से तैयार हैं। 211 से अधिक लीची के पेड़ों में फल लगने शुरू हुए। पिछले साल तक इतने बड़े बाग में तैयार लीची और आम लोकल मार्केट में ही बिकती थी। जिस कारण मुनाफा कम होता था। हालांकि, इस बार भी पुरवा हवा कम बहने से आठ टन ही लीची तैयार हुई है, मगर मार्केटिंग के नुस्खों ने उनकी शाही लीची को चर्चा के केन्द्र में ला दिया है। यही वजह है कि बिहार के मुजफ्फरपुर से आए व्यापारी ने उनके लीची के बाग को कांट्रेक्ट पर ले लिया है। पिछले सप्ताह चेन्नई में बने कार्टन में पैक होकर लीची की एक-एक खेप मुम्बई व दिल्ली भेजी जा चुकी है। बुधवार को ट्रेन से लीची की एक खेप महाराष्ट्र के नासिक भेजी जा रही है।

बलिया की लीची वैसे ही प्रसिद्ध होगी, जैसे सत्तू

राजाशंकर तिवारी के बगीचे में इस बार आम की फसल भी अच्छी है। लंगड़ा, दशहरी और चौसा नस्ल के आम जून माह में पक कर तैयार होंगे। राजाशंकर तिवारी की कोशिश है कि बलिया में तैयार लीची वैसे ही प्रसिद्ध होगी, जैसे यहां का सत्तू है।

बलिया की लीची दुबई भेजने की तैयारी

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी राजाशंकर तिवारी ने मेहनत कर परम्परा से हटकर लीची के बाग तो तैयार कर लिए हैं, लेकिन प्रशासन और राजनीतिक स्तर पर उदासीनता से थोड़े परेशान भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां बातें अधिक होती हैं, धरातल पर काम कम। इससे हमें निराशा होती है। कहा कि अभी मेरे पास निर्यात करने के लिए लाइसेंस नहीं है। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने निर्यात के लिए उत्साहित किया है। दुबई में लीची के व्यापारियों से बात हुई है। जल्द लाइसेंस मिला तो बलिया की लीची देश से बाहर जाएगी। इससे लोकल मार्केट में भी प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि देश में लीची के औने-पौने दाम मिल रहे हैं, जबकि वर्तमान में दुबई के मार्केट में अच्छा रेट है।

नौकरी में रहते हुए बागवानी की ओर आकर्षित हुए

72 वर्षीय राजाशंकर तिवारी ज्यादातर आरपीएफ मुख्यालय में ही रहे। जहां बागवानी में मन रमने लगा। उन्होंने बताया कि मैंने कहीं पढ़ा था कि एक पेड़ अपने पूरे जीवन में नब्बे लाख का आउटपुट देता है। तभी से मेरे मन में पेड़ों के प्रति झुकाव बढ़ गया। बचपन में हम पेड़ों की डालियों पर खेला करते थे। जिससे पेड़ों से लगाव रहता था। आज पेड़ कम हैं। बच्चे पेड़ों से दूर हो गए हैं। बढ़ती आबादी में प्रकृति के शोषण की प्रवृत्ति मानसिकता है।

बढ़ते वजन से हैं परेशान तो गर्मी में पिएं डेडोक्स वाटर

आजकल की लाइफस्टाइल खराब होने के कारण लोग तेजी से बढ़ते वजन से परेशान होते हैं। ज्यादा वजन कई गंभीर बीमारियों का भी कारण हो सकता है। ऐसे में अगर आप अपना वजन बढ़ने परेशान हैं तो आप कुछ वेट लॉस डिटॉक्स ड्रिंक का भी सेवन कर आसानी से वजन घटा सकते हैं। आजकल गलत खानपान से कई लोगों का वजन तेजी से बढ़ने लगता है। बढ़ा वजन कई गंभीर बीमारियों का कारण हो सकता है। ऐसे में अगर आपका भी तेजी से वजन बढ़ रहा है तो आपको सावधान रहने की जरूरत है। आपको अपने बढ़ते वजन को कंट्रोल करने का प्रयास करना चाहिए। कई लोग वजन घटाने के लिए डायटिंग का सहारा लेते हैं। वेट लॉस करने के लिए लोग अक्सर खाना-पानी कम कर देते हैं औ वर्कआउट पर ज्यादा फोकस करते हैं। लेकिम क्या आप जानते हैं कि गर्मी में वजन घटाने के लिए आप कुछ वेट लॉस डिटॉक्स ड्रिंक का भी सेवन कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन डिटॉक्स वॉटर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको पीकर आप अपना वेट लॉस कर सकते हैं।

धनिया वॉटर : अगर आप भी अपना वेट लॉस करना चाहते हैं तो धनिया पानी इसमें आपकी मदद कर सकता है। बता दें कि धनिया के बीज फैट को तेजी से बर्न करने का काम करता है। जिससे व्यक्ति को वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अलावा धनिया में एक ऐसा कंपाउडर पाया जाता है। वहीं धनिया के बीजों की तासीर ठंडी होती है। ऐसे में अगर धनिया पानी का रोजाना सेवन करते हैं, तो इससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

सौंफ वॉटर : सौंफ का पानी भी वजन कम करने में काफी सहायक होता है। सौंफ में सेलेनियम, जिंक, मैंगनीज और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्व के अलावा एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करता है। सौंफ के पानी का सेवन करने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। जिससे वेट लॉस में मदद मिलती है। सौंफ का पानी बनाने के लिए आप रात भर के लिए सौंफ को पानी में भिगोकर रख दें। फिर अगली सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पिएं।

खस वॉटर : वजन कम करने के लिए खस की जड़ का भी सेवन किया जाता है। इसके लिए आप पहले खस की जड़ को पानी में भिगोकर रख दें। फिर अगली सुबह उठकर इस पानी का सेवन करें। अगर आप चाहें तो खस की जड़ को पानी में उबालकर भी उसका सेवन कर सकते हैं। खस की जड़ ठंडी होती है, वेट लॉस के साथ ही यह आपके शरीर को ठंडा रखती है।

पुदीना वॉटर : पुदीना वॉटर हमारे शरीर में मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और पाचन तंत्र के सुधार में सहायक होता है। वेट लॉस के लिए भी पुदीना वॉटर एक अच्छा विकल्प है। क्योंकि पुदीने का पानी कैलोरी बर्न करने में सहायता करता है। पुदीना पानी के लिए एक पैन में सबसे हले पानी को गर्म करें फिर इसको छान लें। इसके बाद रोज सुबह खाली पेट पुदीने के पानी की सेवन करने से आद आसानी से अपना वजन घटा सकते हैं।

नींबू वॉटर : गर्मी से बचने के लिए लोग अक्सर नींबू पानी का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नींबू पानी वेट लॉस करने में भी मदद करता है। नींबू में आयरन, पोटैशियम और विटामिन सी समेत कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। नींबू पानी का सेवन करने से पाचन तंत्र में भी सुधार होता है। वेट लॉस के लिए आप हर रोज सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू का रस निचोड़ कर इसका सेवन कर सकते हैं।

❖ अनन्या मिश्रा

हीमोफीलिया से पीड़ित बच्चे की देखभाल के लिए अपनाएं ये टिप्स

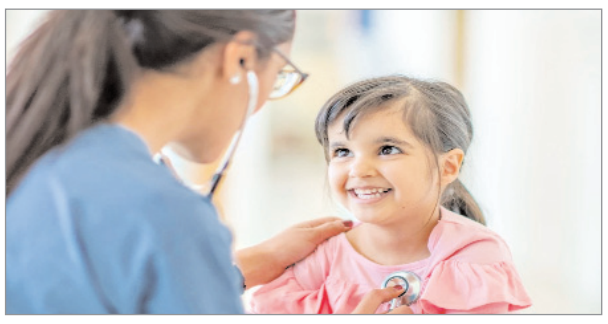

हीमोफीलिया एक प्रकार का ब्लड डिसऑर्डर होता है। यह रोग बच्चे को अपने माता-पिता से मिलता है। हीमोफीलिया से पीड़ित बच्चे की खास देखभाल किए जाने की जरूरत होती है। इन टिप्स की मदद से आप अपने बच्चे का ख्याल रख सकते हैं।

हीमोफीलिया अनुवांशिक रोग होता है, यह बच्चों को अपने माता-पिता से विरासत में मिलता है। हीमोफीलिया में खून के थक्के नहीं बन पाते हैं और वह जम नहीं पाते हैं। ऐसी स्थिति में जब किसी को चोट आदि लगती है तो उसके शरीर से अधिक खून बनता हैं। क्योंकि शरीर में थक्के न बन पाने के कारण लगातार खून बहता रहता है। हमारे खून में क्लॉटिंग प्रोटीन पाया जाता है, जो प्रोटीन रक्त में थक्कों के निर्माण में सहायक होते हैं। जिससे रक्तस्राव को रोकने में मदद मिलती है। ऐसे में बच्चों को कई गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बच्चों की मांसपेशियों या जोड़ों में ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है। इसके अलावा हड्डियों और मांसपेशियों में ट्यूमर जैसी स्थिति, जोड़ों में सूजन होना, जोड़ों में दर्द, संक्रमण या फिर क्लॉटिंग फैक्टर के खिलाफ एंटीबॉडी का विकास आदि समस्याएं हो सकती हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए डॉक्टर द्वारा सही इलाज और बच्चों की खास देखभाल की जानी चाहिए। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बाल रोग विशेषज्ञ की बताई गए कुछ टिप्स शेयर कर रहे हैं। जिनके जरिए आप अपने बच्चों का ध्यान रख सकते हैं।

इन बातों का रखें खास ख्याल

यदि किसी बच्चे को हीमोफीलिया होता है, तो ऐसी स्थिति में अधिक से अधिक प्रयास यही करे कि बच्चे को चोट न लगे। क्योंकि चोट लगने से ब्लीडिंग होगी

समय-समय पर बच्चे का डॉक्टर से चेकअप जरूर कराते हैं।

डॉक्टर द्वारा दी गई दवाएं रेगुलर तौर पर बच्चे को जरूर दें।

डॉक्टर से यह भी पूछ लें कि बच्चों को किन खेलों से दूरी बनानी चाहिए।

इसके साथ ही किसी भी तरह की सर्जरी से पहले डॉक्टर का परामर्श जरूर लें।

इन बातों पर दें ध्यान

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक यदि बच्चे को हीमोफिलिया है तो बच्चे के स्कूल स्टाफ, दोस्तों आदि को इसकी जानकारी जरूर दें। साथ ही आपातकाल स्थिति में बच्चे को किस तरह की देखभाल की जरूरत है, यह जानकारी भी देनी चाहिए।

इसके अलावा ब्लीडिंग को कैसे रोकना है, या अगर छोटी-मोटी चोट लगी है, तो उस दौरान क्या करना चाहिए।

डॉक्टर से कब परामर्श लेनी है और उनके पास कब जाना है या बुलाना है। इन सब बातों के बारे में जानकारी होनी जरूरी है।

बच्चों के दिमाग पर गहरा असर डालती है ये बीमारी

पांडा सिंड्रोम के लक्षण अधिकतर 3 से 12 साल तक के बच्चों में देखे जाते हैं। इस दौरान बच्चे के व्यवहार में बदलाव आता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, हर बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण हो सकते हैं। पांडा सिंड्रोम बीमारी कम उम्र के बच्चों में देखने को मिलती है। ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर यानी की डउऊया स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण होने के बाद अचानक से दोनों के लक्षण दिखाई देने पर पांडा सिंड्रोम हो सकता है। वहीं एक स्ट्रेप संक्रमण होने के बाद अचानक से ओसीडी या टिक के लक्षण दिखने की स्थिति में भी पांडा सिंड्रोम हो सकता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ के मुताबिक पीडियाट्रिक ऑटोइम्यून न्यूरोसाइकैट्रिक डिसऑर्डर एसोसिएटिड विद स्ट्रप्टोकोकल इंफेक्शन को पांडा सिंड्रोम कहते हैं।

बच्चों को ज्यादा खतरा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिकतर पांडा सिंड्रोम के लक्षण 3 से 12 साल के बच्चों में देखने को मिलते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जन्म के दौरान लड़कियों की अपेक्षा यह लड़को में ज्यादा होता है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि किशोरों या वयस्कों में स्ट्रेप संक्रमण से मानसिक या न्यूरोलॉजिकल लक्षण दिखना असामान्य है। इसके अलावा कई रिसर्चों में यह भी सामने आया है कि पांडा

सिंड्रोम एक दुर्लभ बीमारी है।

पांडा सिंड्रोम के लक्षण

हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि हर बच्चे में पांडा सिंड्रोम के अलग-अलग लक्षण भी पाए जा सकते हैं। पांडा सिंड्रोम के लक्षण किसी बच्चे में अचानक से भी शुरू हो सकते हैं। कई बार ऐसा लगता है इसके लक्षण सिर्फ कुछ दिनों या हफ्तों तक रहते हैं। लेकिन एक बार खत्म होने के बाद यह लक्षण दोबारा भी लौट आते हैं। इस दौरान पीड़ित में टेंशन, तनाव, बिस्तर गीला करना, सोने में परेशानी, खाने में अरुचि, मूड या व्यक्तित्व में चेंजेस आना, गुस्सा करना, फिजूलखर्ची और अटेंशन-डेफिसिट/हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) के लक्षण दिखाई देते हैं।

न्यूरोलॉजिकल लक्षण

पांडा सिंड्रोम के न्यूरोलॉजिकल लक्षणों में हाथ से लिखने में समस्या होना, स्कूल में खराब परफॉर्मेंस, को-ऑर्डिनेशन में प्रॉब्लम, मोटर स्किल (मांसपेशियों की गति) में परिवर्तन, ध्यान केंद्रित करने या सीखने में कठिनाई होना और रोशनी व ध्वनि के प्रति संवेदनशील होना शामिल है।

क्यों होता है पांडा सिंड्रोम

जब आपके बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया से लड़ने के लिए एंटीबॉडी का उत्पादन करने लगती है,तब स्ट्रेप संक्रमण होता है। हालांकि एंटीबॉडी गलती से अन्य ऊतकों में स्वस्थ कोशिकाओं पर भी हमला कर उन्हें प्रभावित कर सकती हैं। क्योंकि यह कोशिकाएं स्ट्रेप संक्रमण की नकल करती हैं। वहीं कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि आपके बच्चे के मस्तिष्क में ऊतकों को भी एंटीबॉडी प्रभावित कर सकते हैं।

वेट लॉस जर्नी में इन टिप्स की मदद से खुद को करें मोटिवेट

जब भी आप कोई काम करते हैं तो उसके पीछे कोई ना कोई कारण अवश्य होना चाहिए। जिस भी काम के पीछे कारण नहीं होता है, वह कभी भी सफल नहीं होता है। इसलिए, पहले खुद से पूछें कि आप वजन कम क्यों करना चाहते हैं। किसी भी काम को करने के लिए मोटिवेशन होना बेहद जरूरी है। ऐसा ही कुछ वेट लॉस के साथ भी है। कुछ लोग बहुत ही एनर्जी के साथ वेट लॉस जर्नी शुरू करते हैं, लेकिन सही मोटिवेशन ना होने के कारण वे अपनी जर्नी को बीच में ही छोड़ देते हैं। इसके बाद अपनी बॉडी को ही दोष देना शुरू करते हैं कि उनका वजन कम हो ही नहीं सकता। हो सकता है कि आप सही तरह से वेट लॉस कर रहे हों, लेकिन मोटिवेशन ना होने के कारण आप अपनी जर्नी को आगे ना बढ़ाना चाहते हों।

खुद से पूछें क्यों कम करना है वजन : जब भी आप कोई काम करते हैं तो उसके पीछे कोई ना कोई कारण अवश्य होना चाहिए। जिस भी काम के पीछे कारण नहीं होता है, वह कभी भी सफल नहीं होता है। इसलिए, पहले खुद से पूछें कि आप वजन कम क्यों करना चाहते हैं। मसलन, आप सिर्फ अपनी बॉडी को शेप में रखना चाहते हैं या फिर भयंकर बीमारियों को मात देना चाहते हैं। जब आपके पास कोई कारण होगा तो ऐसे में आप जल्दी से अपना कदम पीछे नहीं लेंगे।

बनाएं कम्युनिटी : कई बार जब हम अकेले दौड़ रहे होते हैं तो जल्द ही रेस को बीच में छोड़ देते हैं। आपके साथ ऐसा ना हो, इसलिए ऐसे लोगों की कम्युनिटी में जुड़े, जो फिटनेस फ्रीक हों। उनसे आपको बहुत अधिक मोटिवेशन मिलेगा। साथ ही, उनसे कई नई तरह की जानकारियां भी हासिल होंगी। जिससे आप खुद को अधिक मोटिवेटिड फील करेंगे और अपनी वेट लॉस जर्नी को बीच में छोड़ने का ख्याल भी आपके मन में नहीं आएगा।

सेट करें गोल : अगर आप चाहते हैं कि आप अपनी जर्नी बीच में ना छोड़ें तो इसके लिए जरूरी है कि आप रियलिस्टिक गोल्स सेट करें। आप यह सोच लें कि आपको कितना वजन कम करना है और उसके लिए समय भी सुनिश्चित करें। महीने में एक से दो किलो वजन कम करने का लक्ष्य रखें। अगर आप सही डाइट लेते हैं और वर्कआउट करते हैं तो 2-3 किलो वजन आसानी से कम हो जाता है। जब आपको उम्मीद से बेहतर रिजल्ट मिलेगा तो इससे यकीनन आपको काफी अच्छा लगेगा।

❖ मिताली जैन

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। मित्रों के सहयोग से कारोबार में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। बड़े कार्यों में सफलता हासिल होगी। कुछ पुराने मित्रों से संपर्क बन सकते हैं।

वृष राशि : आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा। आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरी तथा कारोबार के क्षेत्र में धनलाभ के योग हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ के योग हैं। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। नए कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल नहीं है।

कर्क राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। मन अशांत और शरीर थोड़ा थकान से भरा रहेगा। आर्थिक लाभ होगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने की संभावना रहेगी।

सिंह राशि : आज का दिन अच्छा बीतेगा। आकस्मिक धनलाभ होने की भी संभावना है। दोस्तों से लाभ हो सकता है। नौकरी-पेशे वाले लोगों को लाभ होगा।

कन्या राशि : आज का दिन शुभ रहेगा। पूरा दिन अद्भुत अनुभव व जोश से भरा रहेगा। धैर्यशीलता में वृद्धि होगी। अधिकारी आप के कार्य से संतोष का अनुभव करेंगे।

तुला राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ के योग रहेंगे, लेकिन परिश्रम की भी अधिकता रहेगी। नौकरी में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ मिल सकता है। प्रिय व्यक्ति से मुलाकात आनंदायक रहेगी। छात्रों के लिए अच्छा समय है।

धनु राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, खर्चों की अधिकता रहेगी। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ प्रवास या पर्यटन का योग है।

मकर राशि : आज का दिन लाभदायक रहेगा। निवेश करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। शारीरिक व मानसिक रूप से उत्तम रहेगा। परिजन व पड़ोसियों से बहस करने से बचें।

कुंभ राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। अधिक परिश्रम करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च भी अधिक बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। खुद पर संयम रखें। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को भारतीय महिला हॉकी टीम तैयार

एजेंसी। एडिलेड

भारतीय महिला हॉकी टीम अपने दौरे के पहले मैच में गुरुवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जहां वे एडिलेड के मेट स्टेडियम में 18 से 27 मई तक पांच मैच खेलेंगी। शीर्ष गोलकीपर सविता और उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का की अगुवाई वाली टीम श्रृंखला के पहले तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो मैच होंगे। यह दौरा आगामी हांगझाऊ एशियाई खेलों 2023 के लिए भारतीय टीम की तैयारियों का हिस्सा है जो इस साल सितंबर-अक्टूबर में होगा। भारतीय टीम 20 मई और 21 मई को बैक-टू-बैक गेम खेलने से पहले 18 मई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के साथ अपने दौरे की शुरूआत करेगी। इसके बाद आगंतुक 25 मई और 27 मई को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबला करेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम इस समय दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जबकि भारतीय टीम आठवें स्थान पर है। विशेष रूप से, भारतीय महिला हॉकी टीम 14 मई को एडिलेड के लिए रवाना हुई और तब से वे ऑस्ट्रेलिया में परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए वहां प्रशिक्षण ले रही हैं। उसी पर बोलते हुए, कप्तान सविता ने कहा, हम हर रोज और यहां तक कि रोशनी के नीचे भी प्रशिक्षण ले रहे हैं ताकि टीम एडिलेड में मैदान और परिस्थितियों के लिए अभ्यस्त हो जाए क्योंकि हमारे मैच शाम को होने वाले हैं।

उन्होंने कहा, बुधवार की सुबह हमारा प्रशिक्षण सत्र भी था, और टीम ने कुछ गेमप्ले किए, क्योंकि हम कल अपने पहले गेम के लिए तैयार हो रहे हैं। इस बीच, भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच जेनेक शोपमैन ने कहा कि टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

शोपमैन ने कहा, खिलाड़ी उत्साहित हैं और ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयार हैं। यहां मौसम काफी अच्छा है। हम अच्छा महसूस कर रहे हैं और यह दिखाने के लिए तैयार हैं कि हम पिछले कुछ हफ्तों से क्या काम कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया।

यह भारतीय टीम के लिए एक ऐतिहासिक जीत थी क्योंकि वे केवल अपने तीसरे ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं और क्वार्टर फाइनल के लिए पहली बार क्वालीफाई किया था जबकि ऑस्ट्रेलिया तीन बार के स्वर्ण पदक विजेता थे। भारतीय टीम ने बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों 2022 के सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी कड़ा संघर्ष किया और स्कोर को 1-1 से बराबरी पर ला दिया।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में जगह बनाने के लिए पेनल्टी शूट-आउट 3-0 जीता, जो वे इंग्लैंड से हार गए। इस बीच, भारत ने अपना तीसरा/चौथा स्थान मैच जीतकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का कार्यक्रम

18 मई, गुरुवार: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 14:15 भारतीय समयानुसार
20 मई, शनिवार: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 14:15 भारतीय समयानुसार
21 मई, रविवार: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 13:45 भारतीय समयानुसार
25 मई, गुरुवार: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया ए, 14:15 भारतीय समयानुसार
27 मई, शनिवार: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया ए, 14:15 भारतीय समयानुसार

स्कॉटलैंड ने विश्व कप क्वालीफायर के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की

एजेंसी। दुबई

कॉटलैंड ने जिम्बाब्वे में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ युवाओं को भी मौका दिया गया है। विश्व कप 2023 के लिए क्वालिफाइंग मुकाबले 18 जून से 9 जुलाई तक खेले जाएंगे। क्वालीफायर टूर्नामेंट के जरिए दो टीमें क्वालिफाई करेंगी। इस बार क्रिकेट विश्व कप का आयोजन भारत में 5 अक्टूबर 2023 से 19 नवम्बर 2023 के बीच होगा। आईसीसी की ओर से जारी बयान में स्कॉटलैंड टीम के अंतरिम मुख्य कोच डग वाटसन ने कहा कि मुझे लगता है कि युवा और वरिष्ठ खिलाड़ियों के इस दल में एक अच्छा मिश्रण है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट रूप से जिम्बाब्वे में एक शानदार अवसर आ रहा है। जिन लोगों को हमने चुना है वे वास्तव में उत्साहित हैं। उन्हें पता है कि चुनौती कितनी कठिन होने वाली है। वाटसन ने कहा कि वहां स्थितियां बदल रही हैं, जो स्पिनरों के लिए अनुकूल होंगी। हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह होगी कि हम परिस्थितियों के अनुकूल हों और इस तरह से खेले जैसा हम खेलना चाहते हैं।

टीम इस प्रकार है

रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, अलसादेयर इवांस, क्रिस ग्रीव्स, जैक जार्विस, माइकल लीस्क, टॉम मैकिन्टोश, क्रिस मैकब्राइड, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, एड्रियन नील, सफयान शरीफ, क्रिस सोल, हमजा ताहिर, मार्क वाट।

NEWS इन ब्रीफ

रवि बिश्नोई ने आईपीएल करियर में 50 विकेट पूरे किए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर में अपने 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। इस युवा स्पिनर ने लखनऊ में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मंगलवार को खेले गए मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच में बिश्नोई ने 6.50 की इकॉनमी के साथ चार ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज ईशान किशन और मुम्बई के कप्तान रोहित शर्मा का विकेट लिया। आईपीएल करियर में रवि बिश्नोई के अब 50 मैचों में 27.45 की औसत और 7.63 की इकॉनमी रेट से 51 विकेट हो गए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 24 रन देकर 3 विकेट है। मौजूदा आईपीएल सीजन की बात करें तो अब तक खेले 13 मैचों में उन्होंने 24.14 की औसत और 7.95 की इकॉनमी रेट से 14 विकेट लिए हैं।

पंचनद क्रिकेट चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में जीती बेनीपुरा

औरैया। चंबल विद्यापीठ परिवार द्वारा आयोजित 'पंचनद क्रिकेट चैंपियनशिप' के नौवें दिन बेनीपुरा और कर्तलापुर टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला हुआ। हिम्मतपुर ग्राउंड पर तेज हवा से बार-बार धूल की चादर छा जाती। बेनीपुरा टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में छह विकेट के नुकसान से 125 रन बनाए। बेनीपुरा टीम के खिलाडी.सनी ने चार छक्के और नौ चौके लगाने के साथ 76 रन बनाये। बेनीपुरा टीम के कप्तान यशवंत ने 23 रन बनाये। अक्षय और अवनीश ने दो-दो विकेट झटके। जवाब में उतरी कर्तलापुर टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट के नुकसान से 119 रन बनाकर हार गयी। आखिरी लम्हे तक मैच दिलचस्प बना रहा। कर्तलापुर टीम के खिलाड़ी आलम अली और गोलू ने 34-34 रन बनाए।

दिल्ली ने पंजाब को जीत के लिए 214 रनों का दिया लक्ष्य

एजेंसी। धर्मशाला

पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के 64वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 214 रन का टारगेट दिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 213 रन बनाए। टीम ने सीजन में पहली बार 200 का आंकड़ा पार किया है। राइली रूसो ने 37 बॉल में 82 रन बनाए। उन्होंने अपने क्छछ करियर का पहला अर्धशतक जमाया, वहीं पृथ्वी शॉ 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सीजन की पहली फिफ्टी जमाई। यह शॉ की 13वीं फिफ्टी है। इससे पहले, कप्तान डेविड वॉर्नर 31 बॉल पर 46 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब की ओर से सैम करन ने दो विकेट लिए। पहलाः 11वें ओवर की दूसरी बॉल पर शिखर धवन ने करन की बॉल पर वॉर्नर का कमाल कैच पकड़ा। दूसराः 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर सैम करन ने पृथ्वी शॉ को अथर्व तायड़े के हाथों कैच कराया। राइली रूसो ने अपने क्छछ करियर का पहला अर्धशतक बनाया। उन्होंने 25 बॉल में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 37 बॉल पर 221.62 के स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 6 छक्के जमाए। दिल्ली के ओपनर पृथ्वी शॉ ने सीजन की पहली फिफ्टी जमाई। उन्होंने 36 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। यह पृथ्वी की क्छछ में 13वीं फिफ्टी है। कप्तान डेविड वॉर्नर और पृथ्वी शॉ की साझेदारी ने दिल्ली को मजबूत शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 62 बॉल पर 94 रन जोड़े। इस साझेदारी को सैम करन ने डेविड वॉर्नर को आउट कर तोड़ा। वॉर्नर 31 बॉल में 46 रन बनाकर आउट हुए। पावरप्ले में दिल्ली ने शानदार शुरुआत की। टीम ने 6 ओवर में बिना नुकसान के 61 रन बनाए। टीम के दोनों ओपनर्स नाबाद रहे।पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), अथर्व तायड़े, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), सैम करन, हरप्रीत बरार, शाहरुख खान, राहुल चाहर, कगिसो रबाडा, नाथन एलिस और अर्शदीप सिंह। इम्पैक्ट प्लेयर्स : प्रभसिमरन, सिकंदर रजा, मैथ्यू शॉर्ट, ऋषि धवन और मोहित राठी। ?दिल्ली कैपिटल्स : डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी शॉ, फिलिप सॉल्ट (विकेटकीपर), राइली रूसो, अक्षर पटेल, अमान खान, यश धुल, कुलदीप यादव, एनरिक नोर्त्या, खलील अहमद और ईशांत शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर्स : मुकेश कुमार, अभिषेक पोरेल, रिपल पटेल, प्रवीण दुबे और सरफराज खान। पंजाब ने इस सीजन में अब तक 12 मैच खेले हैं। जिनमें उसे छह में जीत और इतने ही मैचों में हार मिली। टीम के पास 12 पॉइंट्स हैं।

धर्मशाला एक दशक बाद 'रेनप्रूफ' आउटफील्ड के साथ आईपीएल मैच की मेजबानी करेगा

एजेंसी। धर्मशाला

यह उत्तर भारतीय पहाड़ी शहर 10 साल बाद बुधवार को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) के शोपीस स्टेडियम के नए बने आउटफील्ड पर आईपीएल मैच की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो समुद्र तल से 4,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित सबसे खूबसूरत मैदानों में से एक है। आयोजकों का मानना है कि नए आउटफील्ड के साथ स्टेडियम की लोकप्रियता बढ़ेगी और वे मैच को अविस्मरणीय बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। एचपीसीए के मीडिया प्रभारी मोहित सूद ने बताया कि ठंड के मौसम में शानदार राईग्रास और छाया सहिष्णु फाइन लीफ पस्पालम घास के संयोजन के साथ धर्मशाला मैदान में एक अत्याधुनिक वायु निकासी प्रणाली एक शानदार शुरूआत करेगी। उन्होंने कहा कि एचपीसीए ने एक अच्छी जल निकासी प्रणाली की आवश्यकता को महसूस किया क्योंकि धर्मशाला में आमतौर पर इस क्षेत्र में सालाना भारी वर्षा होती है और नम और ठंडी जलवायु दोनों स्थितियों के लिए उपयुक्त घास की किस्म जरूरी है।

जियोसिनेमा की आईपीएल व्यूअरशिप ने नया स्ट्रीमिंग रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के आधिकारिक डिजिटल स्ट्रीमिंग पार्टनर जियोसिनेमा ने अपने आईपीएल व्यूअरशिप के साथ एक नया स्ट्रीमिंग रिकॉर्ड बनाया है। प्लेटफॉर्म के दर्शकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, और आईपीएल के नवीनतम सीजन ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) की रिपोर्ट के अनुसार, प्रति आईपीएल मैच में जियोसिनेमा पर बिताया गया औसत उपयोगकर्ता समय 60 मिनट से अधिक हो गया है, जो रैखिक टीवी के बराबर है, जो 60 मिनट की सीमा में रहता है।

कुदरमेतोवा चीन की झेंग किनवेन को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी। रोम

वेरोनिका कुदरमेतोवा ने चीन की झेंग किनवेन को हराकर इटालियन ओपन महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नंबर 22 सीड झेंग ने पहले सेट में शानदार सर्विस करते हुए 6-3 से जीत दर्ज की। दूसरा सेट अधिक मनोरंजक था, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने बारी-बारी से एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कुदरमेतोवा ने दूसरा सेट 6-3 से जीतकर मैच में बराबरी कर ली। अंतिम सेट में रूसी खिलाड़ी ने फिर से झेंग की सर्विस तोड़कर 3-0 की बढ़त बना ली। हालाँकि झेंग ने अपनी रणनीति को बदला और वापसी करने की कोशिश की। लेकिन कुदरमेतोवा ने गति बनाए रखी और अंततः 6-4 से जीत हासिल की। कोर्ट पर अपने हालिया प्रदर्शन के बारे में चर्चा करते हुए, कुदरमेतोवा ने कहा, मैड्रिड में श्नाइडर से हारने के बाद मैं बहुत उदास थी। वास्तव में, कुंजी जीतने या हारने की नहीं है, बल्कि यह है कि आप कोर्ट पर कैसा महसूस करते हैं। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करना। यही टेनिस खेलने का सकारात्मक तरीका है।

एशियाई अंडर-23, अंडर-17 कुश्ती चैम्पियनशिप के ट्रायल के लिए मिली रिकॉर्ड प्रविष्टियां

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा कुश्ती के संचालन के लिए गठित तदर्थ समिति को आगामी अंडर-23 और अंडर-17 एशियाई चैम्पियनशिप के ट्रायल के लिए रिकॉर्ड 1700 से अधिक प्रविष्टियां मिली हैं। अंडर-17 और अंडर-23 पहलवानों के लिए एशियाई चैंपियनशिप 10-18 जून तक बिश्केक में आयोजित की जाएगी। तदर्थ समिति 17 से 20 मई तक सोनीपत के एनआईएस (राष्ट्रीय खेल संस्थान) पटियाला और भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र में ट्रायल आयोजित करेगा। इसी ट्रायल से राष्ट्रीय टीम का चयन होगा। इसके लिए कुल 1704 आवेदन प्राप्त हुए हैं। तदर्थ समिति के सदस्य और चयन समिति के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह बाजवा ने मंगलवार को दोनों स्थलों का दौरा किया और तैयारियों से संतुष्ट दिखे। बाजवा ने एक बयान में कहा, भारतीय टीमें 2023 अंडर-23 और अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भाग लेंगी। ट्रायल आयोजित करने की व्यवस्था बेहतरीन है।

आईपीएल 2023 **लखनऊ से हारने के बाद शेन बॉन्ड का बड़ा बयान, बोले-**

हम बार-बार एक ही गलती को दोहरा रहे है

एजेंसी। लखनऊ

मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ आखिरी ओवरों में अधिक रन लुटाने पर गेंदबाजी इकाई पर निराशा जताते हुए कहा कि उनकी टीम बार-बार एक ही गलती को दोहरा रही है। मुंबई को मंगलवार को खेले गये मैच के आखिरी ओवर में जीत के लिए 11 रन चाहिये थे लेकिन चोट से वापसी कर रहे बायें हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने शानदार गेंदबाजी कर लखनऊ को पांच रन से जीत दिला दी।

लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम 17 ओवर में तीन विकेट पर 123 रन बनाकर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी लेकिन मुंबई ने आखिरी तीन ओवरों में 54 रन लुटा दिये। इस दौरान क्रिस जॉर्डन के 18वें ओवर में 24 रन बने। बॉन्ड ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मेरे लिए सबसे निराशाजनक बात यह है कि हम जिन

योजनाओं के बारे में बात करते हैं, मैदान में उन पर टिके नहीं रहते है। मार्कस (स्टोइनिस) जैसे खिलाड़ियों के लिए हम इस विकेट पर क्या करना चाहते थे, इसे लेकर हम बहुत स्पष्ट थे।

हमने उन्हें गेंदबाजी को लेकर योजना बनायी थी लेकिन इसके मुताबिक गेंदबाजी नहीं की। स्टोइनिस ने अपनी 47 गेंद की पारी में आठ छक्के जड़ नाबाद 89 रन बनाये। लखनऊ ने सातवें ओवर में 35 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। स्टोइनिस ने इसके बाद कप्तान कृणाल पंड्या (49 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ चौथे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। बॉन्ड ने कहा, हम शुरूआती 15 ओवरों तक शानदार था। हम जैसा चाहते थे, हमने वैसी ही गेंदबाजी की थी। एक खिलाड़ी ने हम पर दबाव बना दिया।

प्लेऑफ के 3स्थानों के लिए लड़ रही हैं 7 टीमें

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के लीग चरण में सिर्फ सात मैच बचे हैं और मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटंस ने अपना स्थान पक्का कर लिया है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। इसका मतलब है कि सात टीमें अब तीन प्लेऑफ स्थानों के लिए लड़ रही हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को मुंबई इंडियंस पर पांच रन की रोमांचक जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने और शीर्ष दो में संभावित रूप से पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। यदि वे शनिवार को अपने आखिरी लीग मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स पर जीत हासिल करते हैं और चेन्नई सुपर किंग्स दोपहर के खेल में दिल्ली कैपिटल्स से हार जाते हैं, तो शीर्ष-दो स्थान और प्लेऑफ योग्यता दांव पर होगी। लेकिन अगर लखनऊ कोलकाता से हार जाता है, तो उसे 15 अंक पार नहीं करने के लिए चेन्नई, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और पंजाब किंग्स में से दो की आवश्यकता होगी। लखनऊ के पक्ष में बात यह है कि वे चेन्नई-दिल्ली मैच खत्म होने के बाद कोलकाता के खिलाफ खेलेंगे और उन्हें पता चल जाएगा कि एनआरआर के दृष्टिकोण से प्लेऑफ में जाने के लिए वास्तव में क्या आवश्यक है। मुंबई, लखनऊ से हार के बाद, अपने पक्ष में जाने के लिए अन्य परिणामों पर निर्भर है, भले ही वे रविवार दोपहर घर में सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दें। अगर बैंगलोर, लखनऊ, चेन्नई और पंजाब में से कोई अपने बचे हुए मैच हार जाता है तो उसके पास मौका है।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी को मिला 3 महीने का टाइम

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आज यानी बुधवार को अडाणी-हिंडेनबर्ग मामले की जांच के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी को 3 महीने का अतिरिक्त समय दे दिया। अब सेबी को अपनी रिपोर्ट 14 अगस्त तक सौंपनी होगी। 2 मार्च को कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को भी जांच के लिए 2 महीने का समय दिया था। यानी उसे 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी। सेबी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान जांच के लिए 6 महीने की मोहलत मांगी। हालांकि, बेंच ने 6 महीने का समय देने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा कि वह ₹अनिश्चित विस्तार₹ नहीं दे सकती। हमने 2 महीने का समय दिया था और अब इसे अगस्त तक बढ़ा दिया है। यानी सेबी को कुल 5 महीने का समय मिल चुका है। उधर इंडिपेंडेंट कमेटी की सौंपी गई जांच रिपोर्ट पर कोर्ट ने कहा कि उसे इस रिपोर्ट के विश्लेषण के लिए समय चाहिए। कमेटी की रिपोर्ट पक्षकारों को भी दी जाएगी। इस रिपोर्ट पर अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी। उखक डॉ. धनंजय यशवंत चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जे बी पारदीवाला की बेंच ने इस पर सुनवाई की। इससे पहले 15 मई को सुप्रीम कोर्ट ने सेबी की समय बढ़ाने की मांग वाली इस याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी थी। वहीं 12 मई को सुनवाई के दौरान एडवोकेट प्रशांत भूषण ने सेबी की इस याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि मार्केट रेगुलेटर 2016 से एक अन्य मामले में अडाणी ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रहा है। ऐसे में सेबी को और समय देना सही नहीं है। इस दलील के बाद 15 मई को सेबी ने कोर्ट में एक

एफिडेविट दायर किया था। इसमें बताया गया था कि अडाणी ग्रुप की कंपनियों की 2016 से जांच किए जाने के दावे फैक्चुअली बेसलेस है। सेबी ने बताया कि पहले जो जांच की गई थी वो 51 भारतीय कंपनियों की ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स से जुड़ा था। इनमें अडाणी ग्रुप की कोई भी लिस्टेड कंपनी शामिल नहीं थी।

सोना और चांदी के दामों में गिरावट

एजेंसी। नई दिल्ली

आज यानी बुधवार (17 मई) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोने का दाम 448 रुपए गिरकर 60,618 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 55,526 रुपए हो गई है। आइबीजेए की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट देखने को मिली है। ये 191 रुपए सस्ती होकर 71,739 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 71,930

रुपए पर थी। कमोडिटी बाजार के जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी डॉलर की कीमतों में तेजी के कारण आज सोने की कीमतों में गिरावट आ रही है, क्योंकि डॉलर इंडेक्स 102 के स्तर पर पहुंच गया है। डॉलर इंडेक्स का मजबूत होना सोने पर दबाव डाल रहा है। आइआइएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट

एजेंसी। मुंबई

आज यानी बुधवार (17 मई) को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 371 अंकों की गिरावट के साथ 61,560 के स्तर पर बंद हुआ। कल ये इतने पर ही बंद हुआ था। निफ्टी 104 अंक फिसलकर 18,181 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और सिर्फ 7 में तेजी देखने को मिली है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे कमजोर होकर 82.28 रुपए पर बंद हुआ। बाजार बंद होने तक ऑटो और ऋटउऋ मामूली मजबूती के साथ बंद हुए। मीडिया 2.09% और रियल्टी 1.33% सबसे ज्यादा टूटे। क्ळ 0.97% टूटा है। एनर्जी, बैंकिंग और फार्मा शेयरों में भी गिरावट रही। डॉलर इंडेक्स में रिबाउंड से कमोडिटीज पर दबाव दिख रहा है। कच्चा तेल 0.5% से ज्यादा फिसल है। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं हळक 71 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने मंगलवार को अपने

द4एफवाइ23 यानी चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के रिजल्ट्स अनाउंस किए। मार्च तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 50% बढ़कर 3,006 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 2,008 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। मार्च तिमाही में ऑपरेशन से एयरटेल का रेवेन्यू 36,009 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की समान तिमाही के 31,500 करोड़ रुपए से 14% ज्यादा है। इससे पहले मंगलवार यानी 16 मई शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी।

मेटा ने 'मेंबर्स-ऑनली वल्ड्र्स' का शुरू किया बीटा टेस्ट

सैन फ्रांसिस्को। मेटा (पूर्व में फेसबुक) ने घोषणा की है कि उसने अपने सोशल वर्चुअल रियलिटी (वीआर) प्लेटफॉर्म 'होराइजन वर्ल्डस' में 'मेंबर्स-ऑनली वल्ड्र्स' का विस्तारित बीटा टेस्ट शुरू किया है। 'मेंबर्स-ऑनली वल्ड्र्स' क्रिएटर्स को एक ऐसी जगह बनाने और विकसित करने की अनुमति देती है जहां लोगों का एक समुदाय एक क्यूरेटेड एक्सपीरियंस का आनंद लेने के लिए एक साथ आ सकता है। मेटा ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, बीटा टेस्ट तक पहुंच रखने वाले लोगों के पास अब 'विजिबल मेंबर्स-ऑनली वर्ल्डस' बनाने की क्षमता होगी और मेटा होराइजन वर्ल्ड तक एक्सेस रखने वाला कोई भी व्यक्ति 'मेंबर्स-ऑनली वल्ड्र्स' में शामिल होने के लिए सर्च और रिक्वेस्ट करने में सक्षम होगा, जिससे लोगों को अपने समुदायों को विकसित करने, दुनिया में नए लोगों को खोजने और बनाने में मदद मिल सके। कंपनी ने कहा कि क्रिएटर्स हाथ से चुने गए सदस्यों द्वारा विशेष और विशिष्ट रूप से तैयार किए गए अनुभव प्रदान कर सकते हैं। क्रिएटर वीआईपी सपोटर्स को एक्सक्लूसिव एक्सेस दे पाएंगे।

मनी ट्रांसफर सर्विस जेप्ज 420 कर्मचारियों की करेगा छंटनी

एजेंसी। नई दिल्ली

फिनटेक यूनिकॉर्न जेप्ज 26 प्रतिशत यानी 420 कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है और प्रभावित लोगों को सूचित करना शुरू कर दिया है। सीएनबीसी के मुताबिक, लंदन बेस्ड मनी ट्रांसफर सर्विस प्रोवाइडर, जो वेस्टर्न यूनियन प्रतिद्वंद्वी है, में छंटनी मुख्य रूप से जेप्ज के कस्टमर केयर और इंजीनियरिंग टीमों को प्रभावित करेगी। जेप्ज ने कहा कि यह वर्ल्डरेमिट के साथ सेंडवेव के संयोजन के बाद डुप्लिकेट की गई भूमिकाओं को ध्यान में रखते हुए वर्कफोर्स ऑप्टीमाइजेशन को लागू किया जा रहा है। जेप्ज और सेंडवेव का इस्तेमाल 150 देशों में 11 मिलियन से अधिक यूजर्स द्वारा किया जा रहा है। प्रभावित कर्मचारियों को काउंसलिंग, कोचिंग, करियर और सीवी डेवलपमेंट और जॉब एप्लीकेशन के जरिए मदद की पेशकश की जाएगी। जेप्ज के सीईओ मार्क लेनहार्ड ने कहा, यह फैसले दो विशाल, सेगमेंटिड टीमों से जेप्ज के तहत एक गतिशील संगठन में परिवर्तन करने और एक पोर्टफोलियो बिजनेस के रूप में हमारी लॉन्ग टर्म रणनीतिक दिशा की महत्वाकांक्षी नींव रखने के लिए एक महत्वपूर्ण और आवश्यक कदम के रूप में चिन्हित है। उन्होंने कहा, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद प्रेषण उद्योग ने मजबूत वृद्धि बनाए रखी है, और हमने देखा है कि यह दर्शक दुनिया भर में लागत बढ़ने के कारण अपने प्रियजनों का समर्थन सुनिश्चित करने के लिए बड़े उपाय करते हैं। जेप्ज ने हेज फंड फैरालोन कैपिटल के नेतृत्व में निवेशकों से 292 मिलियन डॉलर के नए फंडिंग के साथ अगस्त 2021 में 5 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन पर कैश जुटाया।

इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि 5.8 प्रतिशत : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि कई सकारात्मकताओं के साथ, इस वर्ष भारत की आर्थिक वृद्धि दर 5.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के मुताबिक प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत में सबसे तेजी से विकास होगा। संयुक्त राष्ट्र की विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाओं की रिपोर्ट के मिडइयर अपडेट ने अगले साल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को लचीली घरेलू मांग द्वारा समर्थित 6.7 प्रतिशत पर रखने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट को जारी करते हुए संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के प्रमुख, हामिद राशिद ने कहा कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था में चमकदार स्थान पर बना हुआ है, जिसमें कई सकारात्मक चीजें शामिल हैं। मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय रूप से लगभग 5.5 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि राजकोषीय विस्तार और मौद्रिक आवास दोनों के लिए महत्वपूर्ण स्थान होगा, इससे घरेलू मांग का समर्थन होगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि बाहरी जोखिम है। राशिद ने कहा कि यदि बाहरी वित्तपोषण की स्थिति और बिगड़ती है व अधिक सख्त हो जाती है, तो

भारत को विशेष रूप से निर्यात के लिए कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जहां तक भारत की वृद्धि दर और भी ऊंची होने की बात है, उन्होंने कहा कि यह काफी अनिश्चितता के अधीन है, विशेष रूप से बाहरी वातावरण में। लेकिन उन्होंने कहा, हम अभी वर्ष के लिए अपने पूवानुर्मान के साथ बहुत आश्वस्त हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अच्छी क्रेडिट रेटिंग वाली उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय स्थिति आम तौर पर अपेक्षाकृत स्थिर रही है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था, जबकि विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) ने इसे 6.3 प्रतिशत और एशियाई विकास बैंक ने 6.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया था। भारत के रिजर्व बैंक का अनुमान 6.5 प्रतिशत है। लेकिन दोनों बड़े अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने अनुमानों को पहले वाले से थोड़ा कम कर दिया - आईएमएफ ने 0.2 प्रतिशत और विश्व बैंक ने 0.3 प्रतिशत। संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट में पूरे दक्षिण एशिया के लिए समग्र विकास परियोजनाओं में 0.1 प्रतिशत की कटौती कर इस वर्ष 4.7 प्रतिशत और अगले वर्ष 5.8 प्रतिशत कर दिया गया है।

विदेश

24 घंटे में आतंकियों को पुलिस के हवाले करें इमरान

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की केयरटेकर सरकार ने 9 और 10 मई को हुई हिंसा पर सख्त रुख अपना लिया है। बुधवार को इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर आमिर मीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- इमरान खान के जमान पार्क वाले घर में 40 आतंकी मौजूद हैं। अगर खान ने 24 घंटे में इन्हें पुलिस के हवाले नहीं किया तो एक्शन के लिए तैयार रहें। मीर के इस बयान के फौरन बाद पैरामिलिट्री फोर्स (पाकिस्तानी रेंजर्स) ने खान के घर को चारों तरफ से घेर लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फौज भी ऑपरेशन के लिए तैयार है। 18 मार्च को जब पुलिस खान को गिरफ्तार करने यहां गई थी, तब उस पर जबरदस्त हमले हुए थे। पेट्रोल बमों के अलावा फायरिंग की गई थी। 63 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस बीच, इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने एक बार इमरान पर रहमदिली दिखाई। बुधवार को उनकी प्रोटेक्टिव बेल 31 मई तक के लिए बढ़ा दी गई। हालांकि नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (ठअइ) ने खान को 18 मई को पूछताछ के लिए बुलाया है। खान को ठअइ ने ही 9 मई को अल कादिर ट्रस्ट केस में गिरफ्तार किया था। पंजाब सरकार में मंत्री आमिर मीर ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- हमारे पास तमाम टेक्निकल और इंटेलिजेंस एविडेंस मौजूद हैं। हम 9 मई से ही खान के जमान पार्क वाले घर में हो रही हरकतों पर नजर रख रहे थे। इसके लिए स्पेशल इक्विपमेंट्स इस्तेमाल किए गए। आमिर ने आगे कहा- उनके घर में 40 दहशतगर्द मौजूद हैं। खान के पास इन्हें पुलिस के हवाले करने के लिए सिर्फ 24 घंटे हैं। ये वो लोग हैं जिन्होंने आर्मी कोर कमांडर के घर पर हमला किया था। इन्हीं लोगों ने सिक्योरिटी फोर्सेस पर पेट्रोल बम फेंके और फायरिंग की। ये वही लोग हैं जिन्होंने आर्मी हेडक्वॉर्टर पर अटैक किया। केयरटेकर गवर्नमेंट के मंत्री ने कहा- उम्मीद करते हैं कि खान 24 घंटे में इन तमाम लोगों को पुलिस और सिक्योरिटी फोर्सेस के हवाले कर देंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमारी टीमें एक्शन के लिए तैयार हैं। 9 और 10 मई को पाकिस्तान के कई बड़े शहरों में ढळक कार्यकताओं ने हिंसा और आगजनी की थी। 3 दिन स्कूल और कॉलेज बंद रहे थे। 9 और 10 मई को पाकिस्तान के कई बड़े शहरों में ढळक कार्यकताओं ने हिंसा और आगजनी की थी। 3 दिन स्कूल और कॉलेज बंद रहे थे। मंगलवार को फौज के कोर कमांडर्स और फिर नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग हुई। हिंसा और अपने अफसरों के घर हमले पर फौज ने कहा- हमले प्लान्ड और साजिश के तहत हो रहे हैं। फौज को गद्दार बताया जा रहा है। हमने गुनहगारों की पहचान कर ली है। अब उन्हें माकूल जवाब दिया जाएगा। ये जरूरी है, क्योंकि कुछ लोग सिविल वॉर चाहते हैं। इस्लामाबाद में रेड अलर्ट है। सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने अल कादिर मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले। होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 60 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 9 मई को दोपहर करीब 3 बजे गिरफ्तार किया गया था। अल-कादिर ट्रस्ट स्कैम केस में पाकिस्तानी रेंजर्स ने ठअइ (नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो) के आदेश पर ये गिरफ्तारी की।

अमेरिका में पंजाबी पिता-पुत्र की मौत

कपूरथला। अमेरिका के शहर फ्रेसनो में कपूरथला के रहने वाले युवा डॉक्टर व उसके एडवोकेट पिता की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। युवा डॉक्टर पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने परिवार के साथ डिग्री मिलने की खुशी में पार्टी करने जा रहे था। इस सड़क हादसे में पिता - पुत्र की मौत हो गई जबकि डॉक्टर की माता सड़क हादसे में गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। मृतकों की पहचान पिता-पुत्र कपूरथला के भुलत्थ क्षेत्र के गांव बोपाराय के एडवोकेट कुलविंदर सिंह हंसपाल व उसके बेटे सुखविंदर सिंह के रूप में हुई है। जबकि कुलविंदर सिंह हंसपाल की पत्नी बलबीर कौर इस सड़क हादसे में गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। 15 साल से अमेरिका में रह रहे थे इस बारे जानकारी देते हुए मृतक के भाई हरजिंदर सिंह वासी गांव बोपराए ने बताया कि कुलविंदर सिंह हंसपाल पिछले करीब 15 साल से अमेरिका में अपनी पत्नी व बच्चे के साथ रह रहा था।

सूडान में संघर्ष के कारण 25,700 से ज्यादा लोग इथियोपिया में घुसेः संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी। आदिस अबाबा

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (यूएनओसीएचए) ने कहा है कि सूडान में जारी संघर्ष के कारण इथियोपिया पहुंचने वाले लोगों की संख्या 25,700 से अधिक हो गई है। यूएनओसीएचए ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, पिछले कुछ सप्ताह में सूडान से लोग रोजाना इथियोपिया आ रहे हैं। इथियोपिया के मेटेमा बॉर्डर क्रॉसिंग पर अब तक 20,400 से अधिक लोग पंजीकृत हुए हैं जिनमें ज्यादातर इथियोपिया से आए हैं। इसने यह भी कहा कि शरणार्थियों के लिए एक नए क्रॉसिंग प्वाइंट बन चुके इथियोपिया के बेनीशंगुल-गुमुज क्षेत्र के अलमहल में हाल ही में 5,300 से अधिक लोग आए हैं जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है। प्राथमिक जरूरतें भोजन, पानी और स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य और पोषण, आश्रय, गैर-खाद्य पदार्थ और सुरक्षा सेवाओं की डिलीवरी है। मेटेमा में, जो अब तक मुख्य क्रॉसिंग प्वाइंट है, मई के दूसरे सप्ताह में सहायता से जुड़ी गतिविधियों में तेजी आई है। यूनोचा ने कहा, संरक्षण भागीदारों ने आठ बड़े ट्रांजिट आश्रय शेड स्थापित किए हैं, जिससे कुछ सौ शरणार्थियों और शरण चाहने वालों को बॉर्डर क्रॉसिंग प्वाइंट से छह किमी दूर इस पारगमन स्थल पर स्थानांतरित करने की अनुमति मिली है, जहां वे आश्रय पा सकते हैं।

हादसा

हिंद महासागर में मछली पकड़ने आई चीनी नाव डूबी

39 क्रू मेंबर लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

एजेंसी। बीजिंग

हिंद महासागर में चीनी नाव मछली पकड़ने आई थी, लेकिन वह हादसे का शिकार हो गई। स्टेट मीडिया के मुताबिक, मछली पकड़ने वाली एक चीनी नाव डूब गई है और उसमें सवार क्रू मेंबर के सभी 39 लोग लापता हैं। ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने बताया कि यह घटना मंगलवार तड़के करीब 3 बजे हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रू मेंबर के 39 सदस्यों में चीन के 17, इंडोनेशिया के 17 और फिलीपींस के पांच लोग शामिल हैं। हालांकि, डूबने के कारण के बारे में कुछ जानकारी नहीं मिल पाई है। चीनी नेता शी जिनपिंग और प्रधान मंत्री ली कियांग ने जीवित बचे लोगों की खोज में सहायता के लिए विदेशों में चीनी राजनयिकों साथ ही कृषि और परिवहन मंत्रालयों को आदेश दिया है। लुपेंगलाइयुआनयू नंबर 8 नाव शेडोंग के पूर्वी प्रांत में था, इसे पेंगलाईयिंग्यु कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित किया जा रहा था। माना जाता है कि चीन दुनिया का सबसे बड़ा मछली पकड़ने का बेड़ा संचालित करता है। उनमें से कई महीनों या वर्षों तक समुद्र में रहते हैं। इन्हें चीनी राज्य समुद्री सुरक्षा एजेंसियां और जहाजों के व्यापक नेटवर्क के

द्वारा सहायता दी जाती है। म्यांमार और बांग्लादेश में चक्रवात ने भारी तबाही मचाई हुई है, जिससे व्यापक विनाश हुआ है और कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है,वहीं सैकड़ों अन्य लोगों के लापता होने की आशंका है।

नेपाल करेगा बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली का निर्यात

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल 40 मेगावाट तक बिजली बांग्लादेश को निर्यात करेगा। इस पर दोनों देशों के बीच सहमति हो गई है। जल्द ही बिजली बिक्री समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। नेपाल के ऊर्जा सचिव दिनेश कुमार घिमिरे के बांग्लादेश दौरे के दौरान मंगलवार को दोनों पक्षों के बीच बिजली व्यापार को लेकर कई समझौते हुए हैं। ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता मधु प्रसाद भेटवाल ने सुनकोशी थ्री पनबिजली परियोजना के निर्माण के लिए छह महीने के भीतर एक संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर करने के समझौते की जानकारी दी। बिजली व्यापार के लिए अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन के संभावित विकल्प का अध्ययन करने के लिए

भी एक समझौता हुआ है। साथ ही नेपाल और बांग्लादेश, भारत को शामिल करके बिजली क्षेत्र में सहयोग के लिए एक नेटवर्क स्थापित करने की पहल करने पर सहमत हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण में भारतीय भूमि भी शामिल होगी । इसलिए दोनों देश भारत को राजी करने के लिए पहल कर रहे हैं।

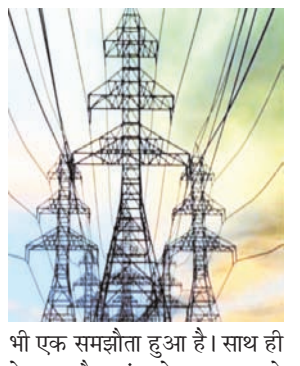

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

हत्या के प्रयास के मामले में मुख्तार अंसारी बरी, पर रहेंगे

गाजीपुर (उत्तर प्रदेश)। गाजीपुर की सांसद/विधायक अदालत ने बुधवार को गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को हत्या के प्रयास के एक मामले में बरी कर दिया। यह मामला 2009 का है। मीर हसन ने सोनू यादव के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया था और पांच बार के विधायक मुख्तार अंसारी को साजिशकर्ता के रूप में नामित किया था। उस समय अंसारी पहले से ही जेल में बंद था। मुख्य आरोपी सोनू यादव को भी बरी कर दिया गया है। हालांकि, इस मामले में बरी होने के बावजूद मुख्तार जेल में ही रहेगा, क्योंकि उसके खिलाफ कई अन्य मामले लंबित हैं।

जम्मू-कश्मीर में जवान ने खुद को गोली मारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में बुधवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने कहा कि जवान पुलवामा के अवंतीपोरा इलाके में तैनात था। एक अधिकारी ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में भेज दिया गया है। इस घटना में एक मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना की जांच की जा रही है, और यह पता लगाया जा रहा है कि जवान को इतना बड़ा कदम उठाने को क्यों मजबूर होने पड़ा।

उग्रवादी हमले में घायल असम राइफल्स के जवान ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

इंफाल। मणिपुर में उग्रवादी हमले में घायल हुए असम राइफल्स के जवान आलोक राव ने बुधवार को कोलकाता के कमांड अस्पताल में दम तोड़ दिया। रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। राव 10 मई को मणिपुर के सेनापति जिले में जातीय संघर्ष में उग्रवादियों के हमले में घायल हो गए थे। अधिकारियों के अनुसार, उग्रवादियों ने डोलाईथाबी में सेना-असम राइफल्स के इलाके में गश्त के दौरान गोलीबारी की थी, जिसमें 18 असम राइफल्स के राइफलमैन राव घायल हो गए थे। सुरक्षाकर्मियों की जवाबी कार्रवाई के बाद चरमपंथी भागने में सफल रहे। घायल राव को हेलीकॉप्टर से मणिपुर के सैन्य अस्पताल और फिर कोलकाता के कमांड अस्पताल ले जाया गया।

पत्रकार विवेक रघुवंशी की मदद के आरोप में नौसेना का पूर्व कमांडर गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने बुधवार को नौसेना के एक पूर्व कमांडर को स्वतंत्र पत्रकार विवेक रघुवंशी को डीआरडीओ से संबंधित संवेदनशील जानकारी हासिल करने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया। जांच एजेंसी ने पाकिस्तान सहित विदेशी देशों की खुफिया एजेंसियों के साथ गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में रघुवंशी को भी गिरफ्तार किया था। पूर्व कमांडर की पहचान आशीष पाठक के रूप में हुई है। दोनों को सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा और जांच एजेंसी द्वारा उनकी हिरासत की मांग किए जाने की संभावना है। रघुवंशी संवेदनशील सूचनाओं के अवैध संग्रह में शामिल थे। उन्होंने डीआरडीओ रक्षा परियोजनाओं और उसकी प्रगति का सूक्ष्म विवरण एकत्र किया।

केंद्रीय कैबिनेट ने खरीफ सीजन में खाद की कीमत नहीं बढ़ाने का किया फैसला

1.08 लाख करोड़ के उर्वरक सब्सिडी प्रस्ताव को दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

मोदी सरकार ने देश के किसानों को राहत देने के लिए खरीफ सीजन में खाद की कीमत नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में रबी सीजन, 2022-23 के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों में संशोधन और खरीफ सीजन, 2023 के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की दरों के निर्धारण को मंजूरी दे दी गई। केंद्रीय कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि सरकार ने देश के किसानों के हित में बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला करते हुए यह तय किया है कि खरीफ सीजन के दौरान सरकार खाद की कीमतों को नहीं बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही कीमत के बावजूद किसानों को समय पर सस्ता खाद मिले, यह सुनिश्चित करते हुए सरकार ने इस पर सब्सिडी बढ़ाई लेकिन इसकी एमआरपी नहीं बढ़ाई। उन्होंने कहा कि किसानों को रियायती, सस्ती और उचित कीमतों पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने हमेशा कदम उठाएं हैं। मनसुख मंडाविया ने यह भी बताया कि खरीफ फसलों के लिए खाद की कीमत नहीं बढ़ाने के इस फैसले को लागू करने के लिए सरकार को उर्वरक सब्सिडी के रूप में 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये की राशि खर्च करनी पड़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने पिछली यूपीए सरकार की आलोचना करते हुए यह भी कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान देश में यूरिया की किल्लत के कारण कई बार किसानों को सड़क पर उतरना पड़ता था, लेकिन सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि देश में कभी भी यूरिया की किल्लत न हो और यह हमेशा किसानों के लिए उपलब्ध रहे।

आईटी हार्डवेयर सेक्टर के लिए पीएलआई 2.0 योजना को दी मंजूरी

केंद्रीय कैबिनेट ने आईटी हार्डवेयर सेक्टर के लिए पीएलआई 2.0 योजना को मंजूरी दे दी है। बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना 2.0 को मंजूरी दे दी गई है। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 17 हजार करोड़ रुपये के बजट के साथ आईटी हार्डवेयर सेक्टर के लिए इस पीएलआई 2.0 योजना को 6 वर्ष के लिए मंजूरी दी गई है। उन्होंने दावा किया कि इस नई प्रोत्साहन योजना को मंजूरी मिलने से आईटी हार्डवेयर सेक्टर में 3.35 लाख करोड़ रुपये के लगभग के उत्पादन में बढ़ोतरी होने और 2,430 करोड़ रुपये के लगभग के निवेश आने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री ने इंडियन ब्रांड्स को मजबूत करने की सरकार की मंशा का जिक्र करते हुए इससे सीधे तौर पर 75 हजार नए रोजगार के अवसर पैदा होने और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगारों की संभावनाओं को मिलाने पर दो लाख से भी कहीं ज्यादा नए रोजगार के अवसर पैदा होने का दावा किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और मोबाइल फोन के निर्माण में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोक्सड नीति के कारण भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में इस साल उत्पादन में 105 बिलियन अमरीकी डालर (लगभग 9 लाख करोड़ रुपये) के एक प्रमुख बेंचमार्क को पार कर लिया है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निमार्ता बन गया है। मोबाइल फोन का निर्यात इस साल 11 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 90 हजार करोड़ रुपये) के एक बड़े पड़ाव को पार कर गया है। वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र भारत आ रहा है, और भारत एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण देश के रूप में उभर रहा है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मोबाइल फोन के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) की सफलता के आधार पर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज आईटी हार्डवेयर के लिए इस पीएलआई योजना 2.0 को मंजूरी दी है। आईटी हार्डवेयर सेक्टर के लिए इस नई पीएलआई स्कीम में लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी, सर्वर और अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर डिवाइस शामिल हैं। भारत सभी वैश्विक बड़ी कंपनियों के लिए एक विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला भागीदार के रूप में उभर रहा है। बड़ी आईटी हार्डवेयर कंपनियों ने भारत में विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। यह देश के भीतर अच्छी मांग वाले मजबूत आईटी सेवा उद्योग द्वारा समर्थित है। अधिकांश बड़ी कंपनियां भारत में स्थित सुविधा से भारत के भीतर ही घरेलू बाजारों में आपूर्ति करना चाहती हैं और इसके साथ ही भारत को निर्यात का केंद्र भी बनाना चाहती हैं।

गैंगस्टर-आतंकवादी सांठगांठ मामला

एनआईए ने 122 जगहों पर छापे मारे, संवेदनशील दस्तावेज बरामद

एजेंसी। नई दिल्ली

एक बड़े ऑपरेशन के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को छह राज्यों में 122 स्थानों पर छापेमारी की। सूत्रों ने बताया इसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं। छापेमारी के दौरान स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बल एजेंसी की मदद कर रहे थे। ये छापे गैंगस्टर-ड्रग्स तस्कर-आतंकवादी सांठगांठ मामले की चल रही एक जांच का हिस्सा हैं, जिसमें खालिस्तानी तत्वों से संबंध का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में छापेमारी चल रही थी। छापेमारी के दौरान कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। पंजाब में 58 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पंजाब पुलिस ने ट्वीट किया, पंजाब पुलिस के सहयोग से एनआईए पंजाब में 58 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। पंजाब पुलिस पंजाब में 143 स्थानों पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चला रही है। दिल्ली में दो दर्जन जगहों पर छापेमारी चल रही है। एनआईए की कार्रवाई आतंकवाद के कृत्यों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में खालिस्तानी समूहों से जुड़े गैंगस्टरों की संलिप्तता की ओर इशारा करने वाली खुफिया सूचनाओं के जवाब में आई है। एजेंसी का उद्देश्य आतंकवाद को बढ़ावा देने में शामिल नेटवर्क को उजागर करना और उनकी गतिविधियों को बाधित करना है। ऑपरेशन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने के एनआईए के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिलहाल एनआईए ने इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

आंध्र-प्रदेश तेलंगाना की सीमा पर सड़क हादसे में छह आदिवासी मजदूरों की मौत

एजेंसी। गुंटूर

आंध्र प्रदेश-तेलंगाना सीमा के पास आंध्र प्रदेश के पलनाडू जिले के पोंडुगला गांव में बुधवार तड़के एक ऑटो-रिक्शा के एक ट्रक की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। दुर्घटना के शिकार आदिवासी जो पड़ोसी राज्य तेलंगाना के रहने वाले थे और खेतों में काम करने के लिए ऑटो से पालनाडु जिले के पुलीपाड़ा जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, तेलंगाना के नलगोंडा जिले की ओर जा रहे एक ट्रक ने नलगोंडा से पलनाडु की ओर आ रहे ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रक चालक तेलंगाना की ओर भाग गया। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया और उस ट्रक का पता लगाया, जिसका पंजीकरण नंबर तमिलनाडु का था। घायलों को गुरजाला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिहार : लखीसराय में सड़क दुर्घटना में पांच पुलिसकर्मियों समेत सात घायल

पटना। बिहार के लखीसराय जिले में बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने वैन को टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच पुलिसकर्मियों सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दो अन्य दो घायल हुए हैं वह कैदी हैं। सूत्रों के मुताबिक, सारण जिले में तैनात घायल पुलिसकर्मी जिला जेल में बंद दो कैदियों को लेने लखीसराय आए थे। उनके खिलाफ सारण बैंक लूट मामले में केस दर्ज किया गया था। यह हादसा बाइपास रोड स्थित न्यू मार्केट के पास पचना मोड़ पर हुआ। पुलिस ने कहा कि न्यू मार्केट में एक फ्लाईओवर था और ट्रक के ठीक पीछे दो कैदियों को ले जा रही पुलिस वैन थी। पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक आया और पुलिस वैन को टक्कर मार दी। टक्कर तेज होने के कारण पुलिस वैन सामने खड़े ट्रक से जा टकराई। घायलों को स्थानीय व्यापारियों ने रेस्क्यू कर लखीसराय के सदर अस्पताल पहुंचाया।

सुप्रीम कोर्ट ने अदानी-हिंडनबर्ग जांच पर सेबी को 14 अगस्त तक रिपोर्ट सौंपने को कहा

एजेंसी। नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से अदानी-हिंडनबर्ग विवाद की जांच पर 14 अगस्त को एक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने सेबी का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि अदालत सितंबर तक समय दे सकती है, लेकिन 14 अगस्त को हमें बताएं, आप किस चरण में हैं, हमें एक अद्यतन रिपोर्ट दें। मेहता ने तर्क दिया कि सेबी को अपनी रिपोर्ट पूरी करने के लिए छह महीने का विस्तार पहले ही सीमित कर दिया गया है। बेंच में शामिल जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. पारदीवाला ने मेहता से कहा, हमें बताएं कि आपने क्या किया है और अदालत ने शुरू में दो महीने का समय दिया था और अब इसे अगस्त तक बढ़ा दिया है। शीर्ष अदालत ने जोर देकर कहा कि वह जांच पूरी करने के लिए अनिश्चितकालीन विस्तार नहीं दे सकती। अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने प्रस्तुत किया कि हाल के वर्षों में और कई शिकायतों के बावजूद, सेबी ने कुछ नहीं किया। बाजार नियामक ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2016 से अदाानी समूह पर लगे आरोपों की जांच तथ्यात्मक रूप से निराधार है। सेबी ने यह आगाह किया कि रिकॉर्ड पर पूरे तथ्य सामग्री के बिना मामले का कोई भी गलत या समय से पहले निष्कर्ष न्याय के उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा और कानूनी रूप से अस्थिर होगा। सेबी द्वारा मामले में समय के विस्तार के लिए आवेदन का मतलब निवेशकों और प्रतिभूति बाजार के हित को ध्यान में रखते हुए न्याय सुनिश्चित करना है।

बाबरी विवाद में मुस्लिम पक्ष के वकील जफरयाब जिलानी का निधन

लखनऊ। अयोध्या बाबरी विवाद में मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता रहे जफरयाब जीलानी का बुधवार को लखनऊ में निधन हो गया। लंबे समय के बीमार चल रहे थे। जीलानी के बेटे नजम जफरयाब ने बताया कि उनके पिता ने लखनऊ के निषाद अस्पताल में पूर्वान्ह करीब 11 बज कर 50 मिनट पर आखिरी सांस ली। वह पिछले काफी समय से बीमार थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। बता दें कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआइएमपीएलबी) के सचिव जफरयाब जिलानी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पहले भी एक दो बार उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी।

FILMY हलचल

सारा अली खान का कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू

प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल 2023 का रेड कार्पेट पहले दिन चकाचौंध और भव्यता से भरा रहा। एक्टर सारा अली खान ने अपने कान फिल्म फेस्टिवल की शुरूआत के लिए एक देसी लुक चुना, जिसने कई दिल जीत लिए। उन्होंने सिल्वर एम्बेलिश्ड ड्रेस के साथ नाओमी कैंपबेल चोपर्ड ज्वेलरी पहनीं। कान फिल्म फेस्टिवल 2023 के पहले दिन के कुल लुक्स को काफी पसंद किया गया। सारा अली खान ने अबू जानी संदीप खोसला द्वारा डिजाइन की गई हाथ से कशीदाकारी मल्टी-पैनल ड्रेस में अपना कान्स डेब्यू किया।

फिल्म 'भेड़िया' की ओटीटी रिलीज डेट आई सामने

वरुण धवन और कृति सनोन स्टारर 2022 में रिलीज 'भेड़िया' अब जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखेगी। फैंस लंबे समय से ओटीटी पर 'भेड़िया' का इंतजार कर रहे थे। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के कुछ दिनों के भीतर ओटीटी पर रिलीज होनी थी, लेकिन इसके लिए करीब 6 महीने इंतजार करना पड़ा। पहले भी चर्चा थी कि 'भेड़िया' 21 अप्रैल को ओटीटी पर रिलीज होगी। आखिरकार वरुण धवन और कृति सेनन की 'भेड़िया' 26 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। जियो के नए ओटीटी प्लेटफॉर्म में और भी कई सुविधाएं हैं।

'आदिपुरुष' की रिलीज से एक महीने पहले, प्रभास ने नया पोस्टर शेयर किया

'आदिपुरुष' का सिनेमाघरों में रिलीज के लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है। फिल्म का प्रीमियर ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में होगा, जिसके बाद आज से ठीक एक महीने बाद यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निमार्ताओं ने प्रभास को राघव के रूप में दिखाते हुए एक शानदार नया पोस्टर रिलीज किया है। पोस्टर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए प्रभास ने कैप्शन में लिखा है, मंगलमय हर भक्त होगा, जब आदिपुरुष का स्वागत होगा। आदिपुरुष के आगमन की गूंज से सभी की भक्ति उमड़ पड़ी है, एक महीना बाकी है! जय श्रीराम हैशटैग आदिपुरुष 16 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी! रामायण पर आधारित एक पौराणिक ड्रामा, फिल्म ओम राउत द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म को हिंदी और तेलुगू में एक साथ शूट किया गया। इस फिल्म में प्रभास, कृति सैनन, सैफ अली खान, सनी सिंह, देवदत्त नाग और वत्सल शेठ मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसका संगीत अजय-अतुल ने तैयार किया है।

समीक्षा

शोधित जल के उपयोग की रफ्तार धीमी, बोले मंत्री शेखावत

गंगा नदी तट पर सर्वेक्षण करायेगी सरकार

एजेंसी। नई दिल्ली

गंगा नदी के तट पर स्थित बिजली संयंत्रों द्वारा शोधित जल के उपयोग की धीमी गति को देखते हुए सरकार इस नदी तट के 10 किलोमीटर के दायरे में अधिक जल की खपत करने वाले बिजली संयंत्रों, तेल शोधक कारखानों, कागज, कपड़ा उद्योगों आदि का सर्वेक्षण करायेगी। गंगा नदी पर अधिकार सम्पन्न कार्यबल (ईटीएफ) की पिछले महीने हुई 11वीं बैठक के कार्यवृत (मिनट्स) दस्तावेज से यह जानकारी मिली है। बैठक के कार्यवृत के अनुसार जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इसमें कहा कि विद्युत संयंत्रों द्वारा शोधित जल के उपयोग की रफ्तार धीमी है ऐसे में प्रक्रियाओं को तेज करने तथा जरूरी मंजूरी प्रदान करने को लेकर जल्द कदम उठाये जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि गंगा नदी के तट पर स्थित सभी विद्युत संयंत्रों को शोधित जल का उपयोग करने को कहा जाए तथा जल संसाधन सचिव एवं विद्युत सचिव की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक की जाए। मंत्री ने गंगा नदी के तट के 10 किलोमीटर के दायरे में स्थित कागज एवं लुगदी उद्योग, बिजली संयंत्रों, तेल शोधक कारखानों, कपड़ा उद्योगों जैसे अधिक जल की खपत करने वाले उद्योगों का सर्वेक्षण कराने को भी कहा। सर्वेक्षण में इन उद्योगों द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले भूजल या सतह जल के रूप में ताजे जल के स्त्रोत के स्थान का पता लगाने तथा इन उद्योगों को ताजे जल पर निर्भरता कम करने के निर्देश देने को भी कहा गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) को इससे जुड़ी पहलों की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। गंगा नदी के तट पर स्थित उद्योगों या संयंत्रों द्वारा शोधित जल के उपयोग की पहल को लेकर बिजली मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली में दो गैस आधारित विद्युत संयंत्र (प्रगति पी पी) अभी शोधित जल का उपयोग कर रहे हैं। साथ ही इस नदी के तट पर स्थित 26 बिजली संयंत्रों की अब तक पहचान की गई है जो जलमल संवर्द्धन संयंत्रों (एसटीपी) के माध्यम से शोधित जल का उपयोग कर सकते हैं। यह भी सूचित किया गया कि शोधित जल के उपयोग करने को लेकर पानीपत तल शोधक संयंत्र की पहचान की गई है।